राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

पांचवां वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

Workshop

विषय-सूची

आभार

1. परिचय

1.1	एन.आई.डी. (रा.डि.सं.) के बारे में	1
1.2	उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	3
1.3	संस्थान का अधिदेश	4
1.4	राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019	6
1.5	राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश संविधियां, 2023	6
2. सांविधिक निकाय		
2.1	शासी परिषद और सदस्य	7
2.2	शासी परिषद की स्थायी समिति	8
2.3	सीनेट (शासी सभा)	8
2.4	संकाय संकुल (फैकल्टी फोरम)	9
3. संगठनात्मक संरचना और अकादमिक कार्यप्रवाह		
3.1	संकाय शाखा	14
3.1.1	औद्योगिक डिज़ाइन संकाय (एफआईडी)	16
3.1.2	संचार डिज़ाइन संकाय (एफसीडी)	20
3.1.3	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन संकाय (एफटीएडी)	23
3.2	संस्थान का प्रबंधन	23
3.3	एक्टिविटी चेयरपर्सन (क्रियाकलाप अध्यक्ष)	
3.3.1	एक्टिविटी चेयरपर्सन - शिक्षा के कार्य	23
3.3.2	एक्टिविटी चेयरपर्सन - रणनीति एवं योजना के कार्य	24
3.3.3	एक्टिविटी चेयरपर्सन - अनुसंधान और विकास के कार्य	24
3.3.4	एक्टिविटी चेयरपर्सन - एकीकृत डिज़ाइन सेवाएं (आईडीएस)	24
3.3.5	एक्टिविटी चेयरपर्सन - वेलनेस सेंटर के कार्य	24
3.3.6	एक्टिविटी चेयरपर्सन - ज्ञान प्रबंधन केंद्र के कार्य	25
4. शैक्षणिक कार्यक्रम		
4.1	फाउंडेशन स्टडीज (प्रथम वर्ष)	28
4.2	बैचलर ऑफ डिज़ाइन बी.डेस. (औद्योगिक डिज़ाइन)	43
4.3	बैचलर ऑफ डिज़ाइन बी.डेस. (संचार डिज़ाइन)	51
4.4	बैचलर ऑफ डिज़ाइन बी.डेस. (कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन)	67
4.5	गुणवत्ता प्रबंधन	72
4.6	प्रवेश	72

5. उपलब्धियां एवं गतिविधियां		
5.1	संबद्धन (एफिलिएशन), सदस्यता और एमओयू	75
5.2	पुरस्कार एवं सम्मान	75
5.3	गणमान्य आगंतुक	87
5.4	घटनाक्रम	93
5.5	मानव संसाधन विकास	100
5.6	डिज़ाइन शिविर	102
5.7	प्रथम डिज़ाइन सम्मेलन	107
5.8	बैच 2019 का प्रथम दीक्षांत समारोह	116
5.9	संस्थापक निदेशक के कार्यकाल की निवृत्ति	120
6. अध्यापन एवं अधिगम संसाधन		
6.1	31 मार्च 2024 तक पदों की स्थिति	121 122
6.2	परिसर एवं अवसंरचना	123
7. परिसर में जीवन-यापन		
7.1	मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव	139
7.2	हरित सौंदर्यीकरण मुहिम	143
7.3	स्थापना दिवस	147
7.4	समारोह	151
7.5	स्वच्छ भारत अभियान	165
7.6	रा.डि.सं. म.प्र. में उसके निवासियों का जीवन	167
7.7	छात्रों से संबंधित गतिविधियां	167
7.8	श्रेष्ठ प्रथाएं	175
8. वित्तीय संसाधन –		
8.1	पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट	182
8.2	वार्षिक लेखा	183

हिन्दी
पखवाड़ा

आभार

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान रा.डि..सं. मध्य प्रदेश की शासी परिषद भारत सरकार के माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है। जिन्होंने रा.डि.सं. म.प्र. को राष्ट्र में अग्रणी डिज़ाइन संस्थान बनने की दिशा में निरंतर सहयोग दिया। उनके मार्गदर्शन ने वर्ष २०२३-२४ में संस्थान की उपलब्धियों और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शासी परिषद, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के प्रति भी हार्दिक आभार व्यक्त करती है जिसने वर्ष २०१९ में संस्थान की स्थापना से लेकर आज तक निरंतर मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की है। हम डीपीआईआईटी के सचिव श्री अनुराग जैन को विशेष रूप से धन्यवाद देते हैं जिन्होंने हमारे संस्थान को निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन दिया। उनकी अभिप्रेरणीय भूमिका हमारे लिए अमूल्य रही है। शासी परिषद श्री राजेश कुमार सिंह और सुश्री हिमारनी पांडे, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी तथा उप सचिव, डीपीआईआईटी द्वारा संस्थान के विकास में प्रदान किए गए अमूल्य नेतृत्व, मार्गदर्शन और योगदानों के लिए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है। उनका मार्गदर्शन एवं फीडबैक रा.डि.सं., मध्य प्रदेश की कार्यप्रणालियों एवं प्रक्रियाओं को मूर्त रूप देने में अहम रही है। हम उनके अनवरत समर्थन की प्रशंसा करते हैं। हम भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिसने संस्थान को विभिन्न संगोष्ठियों, चर्चाओं और घटनाक्रमों में आमंत्रित किया, जिससे मध्य भारत के औद्योगिक परिदृश्य में हमारी उपस्थिति व पहुंच बढ़ी है। सीआईआई के साथ साझेदारी हमारे छात्रों के लिए एक उज्जवल भविष्य बनाने में हमारे प्रयासों में सहायक रही है। हम मध्य प्रदेश वाणिज्य एवं उद्योग संघ (एफ एम पी सी सी आई) की भी सराहना करते हैं जिसने संस्थान में विभिन्न प्रशिक्षण और शैक्षिक गतिविधियों को बेहतर बनाने की दृष्टि से अमूल्य सुझाव दिए। उनके योगदान का हमारे छात्रों, संकाय सदस्यों और कार्यक्रमों पर गहरा प्रभाव पड़ा है। हम इस सहयोग को जारी रखने और एक साथ मिलकर आगे सकारात्मक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा, शासी परिषद भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों तथा जिला प्रशासन भोपाल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग एवं समर्थन के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करती है। उनकी सहायता इस संस्थान में विश्व स्तरीय अध्यापन एवं शिक्षण/अधिगम गतिविधियों के संचालन के लिए एक सुसंगत वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण रही है। उनकी अटूट सहायता हमारी ऐसी पहलों की सफलता सुनिश्चित करने में अहम रही है जिसके फलस्वरूप मध्य भारत में कारीगरों, शिल्पकारों, उद्योग एवं आम जनता को लाभ पहुँचा है।

1

परिचय

1.1 रा.डि.सं. के बारे में

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) डिज़ाइन उत्कृष्टता का एक प्रकाश-स्तंभ है, जो नवोन्मेष एवं रचनात्मकता के प्रतिमान के रूप में विद्यमान है। एक अग्रणी संस्थान के रूप में, रा.डि.सं. म. प्र. डिज़ाइन शिक्षा के शिखर का प्रतीक है, जो कलात्मक अभिव्यक्ति, तकनीकी विशेषज्ञता और कटिंग-एज अर्थात नवोन्नत अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की उदार छत्रछाया में पोषित एक स्वायत्त संस्थान के रूप में, रा.डि.सं. म. प्र. ने 2019-20 में अपनी स्थापना के बाद अदभुत सफलता हासिल की है।

भोपाल, मध्य प्रदेश में स्थित, रा.डि.सं. म.प्र. औद्योगिक डिज़ाइन, संचार डिज़ाइन और कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन में विशेषज्ञता शाखाओं के साथ चार वर्षीय पूर्णकालिक बैचलर ऑफ डिज़ाइन (डिज़ाइन स्नातक) कार्यक्रम प्रदान करता है। संस्थान का मिशन डिज़ाइन में विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करना, डिज़ाइन शिक्षा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उसे अनुप्रयोग में लाना है।

अपने इतिहास के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर, रा.डि.सं. म.प्र. ने राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 में उपाबंध के अनुसार राष्ट्रपति की गौरवमयी स्वीकृति द्वारा 29 नवंबर 2019 के शुभ दिवस पर राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) का गरिमामयी दर्जा प्राप्त किया। संस्थान का उदय एक महान उद्देश्य : डिज़ाइन शिक्षा, अनुसंधान और प्रथाओं के अनवरत प्रचार-प्रसार से काफी अभिप्रेरित हुआ, जो भारत सरकार की दूरदर्शी नीतियों और पहलों के अनुरूप थे।

हमारी अकादमिक संकल्पना की गूंज "मेक इन इंडिया", "स्किल इंडिया", "डिजिटल इंडिया", "स्टार्टअप इंडिया" और "स्मार्ट सिटी" आदि जैसी पहलों के आधारभूत सिद्धांतों में निहित है। हमारे ऊर्जावान समुदाय का प्रत्येक घटक अहम भूमिका निभाता है, अपने योगदानों को अनुभवात्मक शिक्षा के सामंजस्य में सहजता से समावेशित करता है। यह काफी आश्चर्यजनक है कि, मात्र चार वर्षों की अवधि में, रा.डि.सं. म. प्र. ने देश में डिज़ाइन शिक्षा के प्रमुख स्तंभों में अपनी उपस्थिति को अमिट रूप से अंकित कर दिया है। जैसे-जैसे हम इस उत्साहवर्धक यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं, उत्कृष्टता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता हमारी यात्रा की आधारशिला को और मजबूती प्रदान करेगी, जबकि रचनात्मक भावना को पोषित करने का हमारा दृढ़ समर्पण हमारा मार्गदर्शी पथ रहेगा।

रा.डि.सं. म.प्र. एक शैक्षणिक संस्थान ही नहीं है, बल्कि उससे इतर भी उसकी भूमिका है। यह परिवर्तनकारी बदलाव लाने में एक उत्प्रेरक व अग्रदूत है। रा.डि.सं. म. प्र. शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे ऊंचे मुकाम पर विराजमान है; जहाँ प्रत्येक प्रतिभागी समाज के हर कोने में संकीर्ण मानदंडों के रूप में विद्यमान मौजूदा यथास्थिति के विपरीत एक चिरकालिक संघर्ष में पूरी तरह से योगदान दे रहा है। हमारे संस्थागत लोकाचार में अंतर्निहित यह अनूठा दृष्टिकोण हमारी लंबी साहसिक यात्रा, जिसे हम प्यार से रा.डि.सं. म.प्र. कहते हैं, को प्रतिबिंबित करता है।

संस्थान के प्रतिष्ठित भवनों के भीतर, हमारी पाठशालाओं का आउटपुट स्वाभाविक रूप से उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों का अनुसरण करता है। संस्थान इस विश्वास का दृढ़ता से पालन करता है कि रचनात्मकता का पोषण कर, महत्वाकांक्षा और नवोन्मेष को बढ़ावा देकर तथा उत्कृष्टता के शिखर को प्राप्त करके शिक्षण और मेन्टरशिप में अदभुत सुधार लाए जा सकते हैं। भोपाल के हृदय में बसा हमारा संस्थान, सबसे आकर्षक शैक्षणिक परिसरों में से एक है, जो परिसर के भीतर और बाहर दोनों जगह हरियाली से घिरा हुआ है। हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन के निकट होने के कारण, यहाँ आने-जाने और यहां शिक्षा प्राप्त करना आसान है। भोपाल, जो अपने प्राचीन वास्तुशिल्प कलाकृतियों, सजीव कला और संस्कृति, शांत झीलों, वन परिदृश्यों, अदभुत साफ-सफाई, मजबूत बुनियादी ढाँचे और समशीतोष्ण जलवायु के लिए प्रसिद्ध है, ऐसी सुरम्य पृष्ठभूमि प्रदान करता है जहां हमारी शैक्षणिक यात्राएँ अक्षुण्ण रहती हैं और नए मुकाम को छूती हैं। रा.डि.सं., म.प्र. के ताने-बाने में विविधता का संपुट दिखाई पड़ता है, जो हमारे छात्रों और कर्मचारियों के विनीत दृष्टिकोण से जनित होता है। विभिन्न दृष्टिकोणों के इस समृद्ध समामेलन ने हमारे परिसर को जीवंतता और रचनात्मकता के साथ एक गतिशील, कलात्मक और बहुसांस्कृतिक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इन सुसज्जित भवनों में, छात्र प्रख्यात संकाय संवर्ग से रूबरू होते हैं जिनके पास विविध उद्योगों और प्रतिष्ठित शैक्षिक स्थानाओं/ संस्थानों से अर्जित बहुमूल्य अनुभव होता है। संस्थान की पाठ्यचर्या एक कलात्मक चित्रपट है, जिसे उद्योग की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए बहुत ही गहनता से प्रतिपादित किया गया है। इसमें हमारे छात्रों की आकांक्षाओं का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया है। उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रचुर अवसरों का भी प्रावधान किया गया है। यहाँ, शिक्षा सांसारिक और प्रथागत विधाओं से परे है, और प्रत्येक दिन, कैनवास के रूप में असीम संभावनाओं के समाधान खोजने और परिवर्तनकारी क्षमता हासिल करने के साथ गुज़रता है।

1.2 उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी तथा वर्ष 2000 में औद्योगिक विकास विभाग के विलय के साथ इसका पुनर्गठन किया गया था। विभाग को पहले औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के नाम से जाना जाता था, परंतु जनवरी, 2019 में इसका नाम बदलकर डीपीआईआईटी अर्थात उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग कर दिया गया था।

वर्ष 2018 में, ई-कॉमर्स से संबंधित मामले डीपीआईआईटी विभाग को हस्तांतरित किए गए थे तथा वर्ष 2019 में विभाग को आंतरिक व्यापार, व्यापारियों एवं उनके कर्मचारियों के कल्याण तथा स्टार्टअप से संबंधित मामलों का प्रभार सौंपा गया था। लॉजिस्टिक क्षेत्र के एकीकृत विकास का अधिदेश भी नवंबर, 2021 में डीपीआईआईटी को आवंटित किया गया था।

डीपीआईआईटी की भूमिका नई एवं आगामी प्रौद्योगिकी में निवेश को सुगम बनाकर, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में तेजी लाकर तथा उद्योगों एवं व्यापार के संतुलित विकास का समर्थन करके देश के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है।

डीपीआईआईटी भारत सरकार की निम्नलिखित नीतियों और पहलों का प्रबंध करने हेतु एक नोडल विभाग है:

- मेक इन इंडिया (एम आई आई)
- प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पी एम जी)
- इन्वेस्ट इंडिया
- सार्वजनिक क्रय/प्रापण
- सुगम व्यापार (ई ओ डी बी)
- स्टार्ट-अप इंडिया
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ डी आई)
- राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार (आई पी आर) नीति
- राष्ट्रीय डिज़ाइन नीति
- औद्योगिक पार्क रेटिंग प्रणाली (आई पी आर एस)
- बौद्धिक संपदा अधिकार प्रशासन
- आईपीआर संवर्धन और प्रबंधन प्रकोष्ठ (सी आई पी ए एम)

1.3 संस्थान का अधिदेश

रा.डि.सं. म.प्र. का प्राथमिक मिशन विश्व स्तरीय डिज़ाइन शिक्षा प्रदान करना और निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्यों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु डिज़ाइनिंग के प्रति जागरूकता और उसके अनुप्रयोग को बढ़ावा देना है:

शिक्षा: रा.डि.सं. म.प्र. भारत की विविध डिज़ाइन आवश्यकताओं की पूर्ति करने के उद्देश्य से उत्कृष्ट डिज़ाइन व्यावसायिकों अथवा प्रोफेशनल तैयार करने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य 21वीं सदी के लिए डिज़ाइन शिक्षक और लीडर तैयार करना है, जो राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर उभर रहे आर्थिक और व्यावसायिक परिदृश्य के साथ कदम मिला सकें।

विस्तार: रा.डि.सं. म. प्र. मौजूदा और नए संस्थागत तंत्रों का लाभ उठाकर उच्च गुणवत्ता वाले डिज़ाइन व्यावसायिकों और संकाय सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ज्ञान भंडार: रा.डि.सं. म. प्र. का उद्देश्य पारंपरिक और आधुनिक प्रौद्योगिकियों को सम्मिलित करते हुए उत्पादों, प्रणालियों, सामग्रियों और डिज़ाइन एवं उत्पादन प्रसंस्करणों से संबंधित डिज़ाइन संबंधी ज्ञान, अनुभव और सूचना के भंडार व रिपोजिटरी के रूप में कार्य करना है।

स्वदेशी समाधान: रा.डि.सं. म. प्र. नवोन्मेषी, किफ़ायती और स्वदेशी डिज़ाइन समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए रोज़मर्रा के उपयोग के लिए उत्पादों और प्रणालियों के विकास को प्रोत्साहित करता है ताकि आम जनता की ज़रूरतों को पूरा किया जा सके।

अनुसंधान उत्कृष्टता: रा.डि.सं. म. प्र. डिज़ाइन के क्षेत्र में अत्याधुनिक ज्ञान सृजित करने के लिए उपयोगकर्ता की समझ और डिज़ाइन प्रवृत्तियों पर विशेष जोर देते हुए मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान करता है।

राष्ट्रीय प्रभाव: रा.डि.सं. म. प्र. "थिंकिंग ग्लोबली एण्ड एक्टिंग लोकली अर्थात 'वैश्विक दृष्टि से सोचने और स्थानीय स्तर पर उसे लागू करने की मानसिकता को बढ़ावा देते हुए डिज़ाइनरों को राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास करता है जिससे डिज़ाइन शिक्षा तथा प्रैक्टिस मानक एक मानदंड बन सकें।

परामर्शी सेवाएँ: रा.डि.सं. म. प्र. एकीकृत डिज़ाइन परामर्शी सेवाएँ और कटिंग-एज अर्थात अत्याधुनिक डिज़ाइन समाधान प्रदान करता है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है तथा संस्थान के लिए राजस्व भी अर्जित होता है।

विभिन्न अंतर-शाखाओं का समावेशन अथवा क्रॉस-डिस्प्लिनरी इंटीग्रेशन: रा.डि.सं. म. प्र. डिज़ाइन को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन सहित विभिन्न कार्यक्षेत्रों में एकीकृत करने के लिए डिज़ाइनिंग का तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है, ताकि अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए उत्पादों, सेवाओं, प्रसंस्करणों और प्रणालियों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सके।

प्रौद्योगिकी का मानवीकरण: रा.डि.सं., म.प्र. का मिशन बेहतर सूचना और इंटरफ़ेस डिज़ाइन के माध्यम से भौतिक और वर्चुअल दुनिया को समावेशित कर, प्रौद्योगिकी का मानवीकरण करना है।

विकास के लिए डिज़ाइन: रा.डि.सं. म. प्र. शिल्प, हथकरघा, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, लघु, मध्यम और बड़े पैमाने के उद्यमों के लिए डिज़ाइन उत्पाद प्रदान करने के साथ-साथ क्षमता और संस्था निर्माण, स्थायी आजीविका, रोजगार के अवसरों और आर्थिक विकास पर केंद्रित आउटरीच कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

1.4 राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश को भारत के राष्ट्रपति द्वारा 29 नवंबर 2019 को दी गई स्वीकृति के बाद राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 (2019 का अधिनियम क्रमांक 38) के तत्वावधान के तहत लाया गया। इसके फलस्वरूप, संस्थान को डिज़ाइन में स्नातक की डिग्री "बी.डेस.", डिज़ाइन में मास्टर डिग्री "एम. डेस." और डिज़ाइन में "पीएच.डी." डिग्री प्रदान करने का अधिकार प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान अधिनियम, 2014 की संगतता में राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 संस्थान के प्राधिकार, शक्तियों और इसके कामकाज के प्रमुख पहलुओं को रेखांकित करता है। इसमें अध्यापन व शिक्षण प्रदान करना, शासी परिषद, सीनेट, वित्तपोषण स्रोत, वित्तीय लेखा और लेखापरीक्षाएं, संविधियां एवं अध्यादेश तथा अन्य प्रासंगिक विवरणों से संबंधित प्रावधान व उपबंध शामिल हैं।

प्रारंभिक (प्रथम) संविधियां अधिनियम के उपाबंधों पर और अधिक विस्तार से प्रकाश डालती हैं, जिसमें शासी परिषद, स्थायी समिति, निदेशक, सीनेट, संकाय संवर्ग, शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम, अध्येतावृत्ति अधिष्ठापित करना, छात्रवृत्ति, पुरस्कार, अकादमिक सलाहकार समिति, संकाय संकुल, कर्मचारियों का वर्गीकरण, नियुक्ति चयन समिति, कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली, आदि शक्तियों को उल्लिखित किया गया है।

इसके अलावा, संस्थान के अध्यादेश अधिगम (सीखना), अध्यापन (शिक्षण), मूल्यांकन और छात्रों के अनुभव के विभिन्न पहलुओं को शासित करने हेतु एक आधारभूत फ्रेमवर्क के रूप में कार्य करते हैं। वे संस्थान में एक-समान और न्यायसंगत शैक्षिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करने, मानकों और नीतियों को स्थापित/क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते तथा अकादमिक अखंडता, मूल्यांकन विधियों, ग्रेडिंग, संसाधन का उपयोग और छात्र आचार संहिता इत्यादि क्षेत्रों में नियम बनाने में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

1.5 राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश संविधियां, 2023

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान अधिनियम, 2014 (2014 का क्रमांक 18) की धारा 28 और 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश की शासी परिषद ने राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के कुलाध्यक्ष (विजिटर) के रूप में भारत की माननीया राष्ट्रपति के अनुमोदन से राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश की प्रथम संविधियां बनाईं।

सम्यक् रूप से अनुमोदित ये संविधियां भारत के राजपत्र, (असाधारण, भाग III- खंड-४) में अधिसूचना संख्या 24024/59/2022 -आईपीआर-V दिनांक 13.04.2023 द्वारा अधिसूचित/प्रकाशित की गई थीं। इन संविधियों को "राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश संविधियां, 2023" कहा जाएगा।

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-एम.पी.-अ.-20042023-245272
CG-MP-E-20042023-245272

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 241] नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 18, 2023/चैत्र 28, 1945
No. 241] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 18, 2023/CHAITRA 28, 1945

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

अधिसूचना

भोपाल, 13 अप्रैल, 2023

2

सांविधिक निकाय

2.1 शासी परिषद और सदस्य

शासी परिषद (जी सी) संस्थान की प्रमुख कार्यकारिणी और नीति निर्माण निकाय के रूप में कार्य करती है। यह व्यापक शैक्षणिक नीतियों, कार्यक्रमों को मंजूरी देती है और संस्थान के समग्र संचालन की देखरेख करती है। जीसी में विभिन्न प्रकार के व्यक्ति-विशेष सन्निहित होते हैं, जिनमें व्यापक अनुभव के साथ उद्योगपति, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, संस्थान समुदाय के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् होते हैं, जो सामूहिक दृष्टिकोणों और विशेषज्ञता का एक समृद्ध आधार प्रदान करते हैं।

अपने प्रमुख उत्तरदायित्वों में, शासी परिषद वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार और समीक्षा करती है, वार्षिक बजट को मंजूरी देती है, लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की विवेचना व समीक्षा करती है, संस्थान के परिचालन को शासित करने हेतु संविधियां बनाती है, अध्यादेशों को मंजूरी देती है और संस्थान की गतिविधियों व क्रियाकलापों के लिए प्रक्रियात्मक दिशानिर्देश निर्धारित करती है। इसके अतिरिक्त, शासी परिषद शैक्षणिक और संबंधित कार्यों पर पर्यवेक्षी प्राधिकार का प्रयोग करती है, छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, शैक्षिक प्रगति की निगरानी करती है और नए शैक्षणिक कार्यक्रमों के पदार्पण को प्राधिकृत करती है।

शासी परिषद को अपने कामकाज अथवा कार्यकरण के लिए यथा आवश्यक समितियों का गठन करने और पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों और नियमों पर बंदोबस्ती, अनुदान, दान और उपहार प्राप्त करने के लिए सरकारी और निजी संगठनों के साथ समझौते/ अनुबंध/ करार करने का अधिकार है।

शासी परिषद की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक है, शैक्षणिक मानकों को विनिर्दिष्ट करना और उन्हें अक्षुण्ण रखना, संस्थान के संरचनात्मक फ्रेमवर्क को परिभाषित करना तथा संसाधन आवंटन में पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करना है। इससे वित्तीय प्रदर्शन की निगरानी और वित्तीय नियोजन तथा व्यय से संबंधित नीतियों का समर्थन करके संस्थान की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होती है।

इसके अलावा, शासी परिषद संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों की अखंडता को बनाए रखने और पाठ्यक्रमों से पहुंच व अभिगम्यता, समावेशिता, समानता एवं विविधता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। अपने पूरे इतिहास में, शासी परिषद राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, म.प्र. को डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थान बनने की दिशा में मार्गदर्शन करने और संस्थान के छात्रों एवं हितधारकों की विविध आवश्यकताओं की प्रभावी रूप से पूर्ति करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रही है।

शासी परिषद के सदस्य

1. (क) श्री राजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार - अध्यक्ष (पदेन) {01.04.2023 से 31.10.2023 तक}।

(ख) सुश्री मनमीत के. नंदा, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार - अध्यक्षा (पदेन) {01.11.2023 से 19.11.2023 तक}।

(ग) सुश्री हिमानी पांडे, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार - अध्यक्षा (पदेन) {२०.११.२०२३ से आगे}।

2. सुश्री आरती भटनागर (सदस्य), अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार (वीसी के माध्यम से) - सदस्य (पदेन)।

3. श्री संजय कुमार शुक्ला, प्रधान सचिव, औद्योगिक नीति और निवेश संवर्धन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार - सदस्य (पदेन)

4. डॉ. करुणेश कुमार शुक्ला, निदेशक, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल - सदस्य (पदेन)

5. (क) प्रो. धीरज कुमार, निदेशक, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश - सदस्य (पदेन) {०१.०४.२०२३ से ०६.०१.२०२४ तक}

(ख) सुश्री नीतिका देवगन, निदेशक (कार्यवाहक), राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश - सदस्य (पदेन) {०७.०१.२०२४ से आगे}

6. श्री अतीश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार - सदस्य (पदेन)

7. श्री नीरज तहिलियानी, कुलसचिव (कार्यवाहक), राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश - सचिव (पदेन)

2.2 शासी परिषद की स्थायी समिति

शासी परिषद की स्थायी समिति एक कर्तव्य-परायण पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करती है तथा रणनीतिक योजना बनाने, वित्तीय, अभिशासन, प्रशासनिक मामलों, बुनियादी ढांचे के विकास और शैक्षणिक मुद्दों सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला पर निगरानी, मूल्यांकन, सलाह देने और मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए उत्तरदायी है।

अपने अधिकार क्षेत्र में, स्थायी समिति को कई मामलों पर सिफारिशें करने का प्राधिकार है, जिसमें कर्मचारियों की भर्ती, शिक्षण और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए सेवा शर्तें, वार्षिक वित्तीय लेखा, बजट निर्माण, आय और व्यय, आवर्ती और अनावर्ती व्यय के लिए सीमा का निर्धारण, अवसंरचना संबंधी क्रय और रखरखाव, परिसंपत्ति का निर्माण, विनियामक अनुपालन, गुणवत्ता नीति, नवोन्मेष और इनक्यूबेशन को बढावा देना, पेटेंट और बौद्धिक संपदा से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।

2.3 शासी सभा (सीनेट)

संस्थान के प्रमुख अकादमिक प्राधिकारी के रूप में सीनेट शिक्षण, मूल्यांकन और अनुसंधान के मानकों को अक्षुण्ण एवं विनियमित करने के लिए उत्तरदायी है। इसके अलावा, यह शिक्षण गुणवत्ता को बढ़ाने, सहयोगात्मक पहलों को बढावा देने और बौद्धिक संपदा अधिकार, उद्यमशीलता तथा इनक्यूबेशन जैसे प्रयासों का संवर्धन करने के लिए शैक्षणिक नीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रा.डि.सं. म.प्र. में, सीनेट कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों की देखभाल करता है, जिसमें प्रवेश, शिक्षण पद्धतियां और परीक्षाएं, पाठ्यचर्या विकास एवं संशोधन, छात्रवृत्ति और पुरस्कार प्रदान करना, डिग्री प्रदान करना तथा शैक्षणिक विषयों, कार्यक्रमों या परिसरों की स्थापना, पुनर्गठन या बंद करने से संबंधित मामले शामिल हैं। इन उतरदायित्वों के निर्वहन हेतु, सीनेट समितियों अथवा कार्यसमूह गठित करता है जो सिफारिशें भेजने के अधिदेश के साथ विशेष कार्यों के प्रति समर्पित होती/होते हैं।

इसके अतिरिक्त, सीनेट संकाय संवर्गों और शैक्षणिक शाखाओं के अंतर्गत चल रही गतिविधियों व क्रियाकलापों की आवधिक समीक्षा करता है और संस्थान के शैक्षिक मानकों को अक्षुण्ण एवं बढ़ाने हेतु सुविचारित सिफारिशें करता है।

सीनेट सदस्य

1 (क) प्रो. धीरज कुमार, निदेशक, रा.डि.सं. मध्य प्रदेश - अध्यक्ष (पदेन) {01.04.2023 से 06.01.2024 तक}।

(ख) सुश्री नीतिका देवगन, निदेशक (कार्यवाहक), राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश - अध्यक्ष (पदेन) {07.01.2024 से आगे}।

2. डॉ. (श्रीमती) अंजू रावली, प्रोफेसर, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी टी आर), भोपाल – सदस्य।

3. डॉ. सुब्रत रॉय, प्रोफेसर, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एन आई टी टी टी आर), भोपाल – सदस्य।

4. प्रो. (डॉ) एन. श्रीधरन, पूर्व निदेशक, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल – सदस्य।

5. सुश्री नीतिका देवगन, वरिष्ठ संकाय और एक्टिविटी चेयरपर्सन (एकीकृत डिज़ाइन सेवाएं), एनआईडी मध्य प्रदेश – सदस्य।

6. श्री अमित कुमार गहलोत, वरिष्ठ संकाय और एक्टिविटी चेयरपर्सन (ज्ञान प्रबंधन केंद्र), एनआईडी मध्य प्रदेश – सदस्य।

7. श्री नीरज तहिलियानी, कुलसचिव (कार्यवाहक), एनआईडी मध्य प्रदेश – सदस्य एवं सचिव

8. श्री श्रीकृष्ण बिरहमन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, एनआईडी मध्य प्रदेश – सदस्य।

9. श्री नीरज तहिलियानी, वित्त एवं लेखा नियंत्रक, एनआईडी मध्य प्रदेश – सदस्य।

2.4 संकाय संकुल (फैकल्टी फोरम)

संकाय संकुल में संस्थान और उसके परिसरों के शिक्षण प्रदान करने वाले सभी संकाय सदस्य होते हैं।

संकाय संकुल संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विज़न की परिकल्पना करने, संकाय समूह की चिंताओं को दूर करने और उनके योगदानों का संज्ञान लेने, पाठ्यक्रमों को रूपरेखा देने तथा पाठ्यचर्या को नवोन्नत बनाने हेतु क्रियाकलापों को सुदृढ़ करने या शुरू किए जाने वाले क्रियाकलापों सहित सभी शैक्षणिक मामलों पर तथा सभी ज्ञानानुशासनों (डिस्प्लिन) अर्थात विषय-शाखाओं और पाठ्यक्रमों के शैक्षणिक मानकों को निरंतर उच्चता प्रदान करने के लिए वर्ष में कम से कम दो बार, अधिमानतः शैक्षणिक सेमेस्टर की शुरूआत से पहले, बैठक कर विचार-विमर्श करेगा, और पाठ्यक्रम प्रदान करने, उनका मूल्यांकन करने तथा निर्णायक मंडल पर सीनेट को प्रतिक्रिया भेजेगा। संकाय संकुल की अध्यक्षता निदेशक द्वारा की जाएगी और उनकी अनुपस्थिति में, एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) या संस्थान के डीन द्वारा की जाएगी। संकाय संकुल की प्रतिक्रिया को उचित कार्रवाई हेतु सिफारिश और विचार करने के लिए सीनेट के समक्ष रखा जाएगा। 6वां संकाय संकुल की बैठकें 13/07/2023, 14/07/2023 और 10/08/2023 को आयोजित की गईं, जबकि 7वें संकाय संकुल की बैठक 31/01/2024 को आयोजित की गई।

6वां संकाय संकुल

7वां संकाय संकुल

3

संगठनात्मक संरचना एवं अकादमिक कार्यप्रवाह

अनुलग्नक – छ

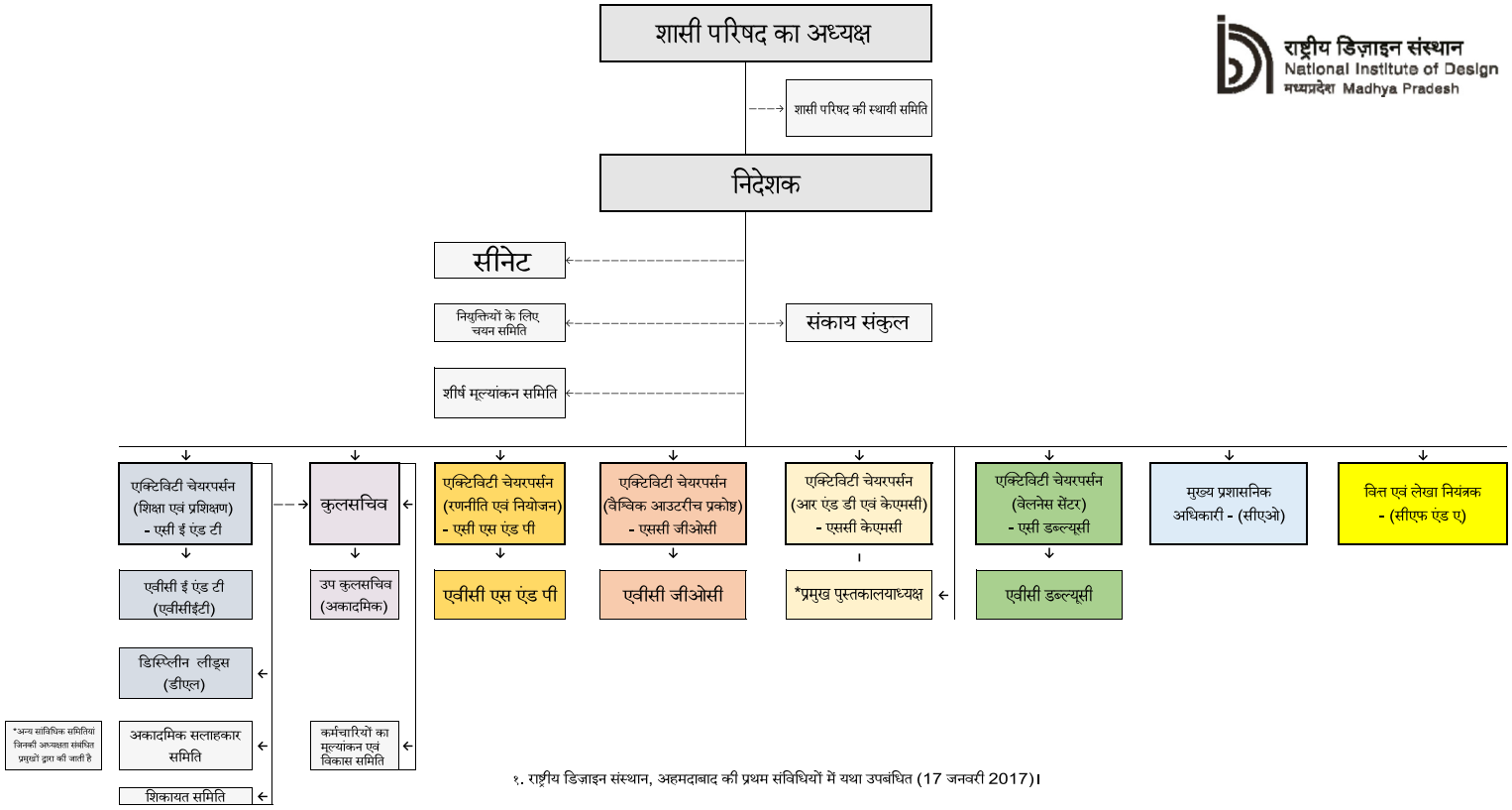

१. राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, अहमदाबाद की प्रथम संविधियों में यथा उपबंधित (17 जनवरी 2017)।

3.1 संकाय विभाग (फैकल्टी स्ट्रीम)

संकाय विभाग अथवा फैकल्टी स्ट्रीम संस्थान का एक शैक्षणिक एकक है जो डिज़ाइन शिक्षा, परामर्श, अनुसंधान और विकास जैसे विविध शैक्षणिक कार्यों में सक्रियता से कार्य करता है। प्रवीण, रचनात्मक और कौशलयुक्त डिज़ाइन व्यावसायिकों के एक गतिशील समुदाय सहित संकाय विभाग उद्योग से संबंधित और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए लगातार नवोन्मेषी डिज़ाइन आइडिया और सॉल्यूशन विकसित करने के लिए समर्पित है।

प्रत्येक संकाय विभाग व्यावहारिक अनुसंधान और पारस्परिक चर्चाओं के माध्यम से पाठ्यचर्या में उल्लेखित अवधारणाओं के बारे में महत्वपूर्ण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक विभाग के भीतर संकाय सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञों के रूप में जाने जाते हैं और छात्रों को नवीनतम सूचना, तकनीकें और सर्वोत्तम प्रथाएं व प्रविधियां प्रदान करते हैं तथा यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र अपने चुने हुए विषयों में सफलता के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त करें।

सहयोग (कोलाब्रेशन) स्थापित करना संकाय विभाग का एक प्रमुख कार्य है, जिसमें दो या दो से अधिक विभाग प्राय: अंतःविषयक पाठ्यक्रम और अकादमिक इनपुट प्रदान करने के लिए एक साथ कार्य करते हैं। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण छात्रों को डिज़ाइन संबंधी मुद्दों की व्यापक समझ प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें चुनौतियों का समाधान करने के लिए आवश्यक बहुमुखी कौशल प्रदान करता है।

इसके अलावा, छात्र अपने विषयों के भीतर विभिन्न गतिविधियों और प्रदर्शनों में भाग लेते हैं और कभी-कभी वे अन्य विषयों के समकक्ष विशेषज्ञों (पीयर्स) को भी आमंत्रित करते हैं। यह समावेशी दृष्टिकोण छात्र समुदाय को उनकी रुचियों के अनुरूप गतिविधियों में भाग लेने, अंतर-विषयक सहयोग को बढ़ावा देने और संस्थान में उपलब्ध विविध संसाधनों और अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है।

संस्थान तीन संकाय विभागों में बैचलर ऑफ डिज़ाइन कार्यक्रम प्रदान करता है। प्रत्येक संकाय विभाग का विस्तृत प्राथमिकता वाला क्षेत्र नीचे सूचीबद्ध है:

- औद्योगिक डिज़ाइन संकाय (एफ आई डी)
- संचार डिज़ाइन संकाय (एफ सी डी)
- कपड़ा और परिधान डिज़ाइन संकाय (एफ टी ए डी)

3.1.1 औद्योगिक डिज़ाइन संकाय (एफ आई डी)

यह कार्यक्रम ऐसे उत्पादों को डिज़ाइन करने की क्षमता विकसित करने पर केंद्रित है जो न केवल सौंदर्य की दृष्टि से मनमोहक हों बल्कि कार्यात्मक, सुरक्षित और टिकाऊ भी हों। औद्योगिक डिज़ाइन कार्यक्रम में कई तरह के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके पाठ्यक्रम को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि छात्रों को डिज़ाइन प्रक्रिया की समग्र समझ प्रदान की जा सके तथा ऐसे नवोन्मेषी उत्पादों को डिज़ाइन करने हेतु आवश्यक कौशलों के साथ छात्रों को सक्षम बनाया जा सके, जो पर्यावरणीय प्रभाव और विनिर्माण व्यवहार्यता पर विचार करते हुए उपयोगकर्ता की जरूरतों को पूरा करें। यह कार्यक्रम सैद्धांतिक, व्यावहारिक और शोध-आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण का मिश्रण प्रदान करता है, जिससे छात्रों को उद्योग भागीदारों के साथ परियोजनाओं और सहयोग के माध्यम से वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाया जाता है।

औद्योगिक डिज़ाइन का संकाय उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं के गूढ़ डिज़ाइन एवं विकास के क्षेत्रों में उनका मार्गदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। समर्पित और नवोन्मेषी लीडरों की एक असाधारण टीम के साथ, संकाय रचनात्मकता, विज़न और समावेशन के उच्च स्तरों के साथ ज्ञानानुशासन (डिसिप्लीन) से संबंधित शिक्षा प्रदान करने के प्रति प्रयत्नशील रहते हैं। छात्र डिज़ाइन थ्योरी, प्रोडक्ट डिज़ाइन, सामग्री और विनिर्माण के साथ-साथ श्रमदक्षता और संधारणीय डिज़ाइन के सिद्धांतों सहित व्यापक शिक्षा प्राप्त करते हैं। ज्ञानानुशासन का उद्देश्य अंततः ग्राहकों को मूल्यवर्धित और उपयोगिता के साथ उपयोगकर्ता अनुकूल उत्पाद, जैसे कि फर्नीचर, आंतरिक वस्तुएं, सिरेमिक और कांच के उत्पाद, खिलौने एवं खेल यंत्र, ऑटोमोबाइल, आदि उपलब्ध कराना है। इसका उद्देश्य ऐसे स्नातकों का सृजन करना है जिनके पास उपयोगकर्ताओं और समाज की जरूरतों को पूरा करने हेतु अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए, कार्यात्मक और सौंदर्यपूर्ण रूप से मनमोहक उत्पाद बनाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान हो।

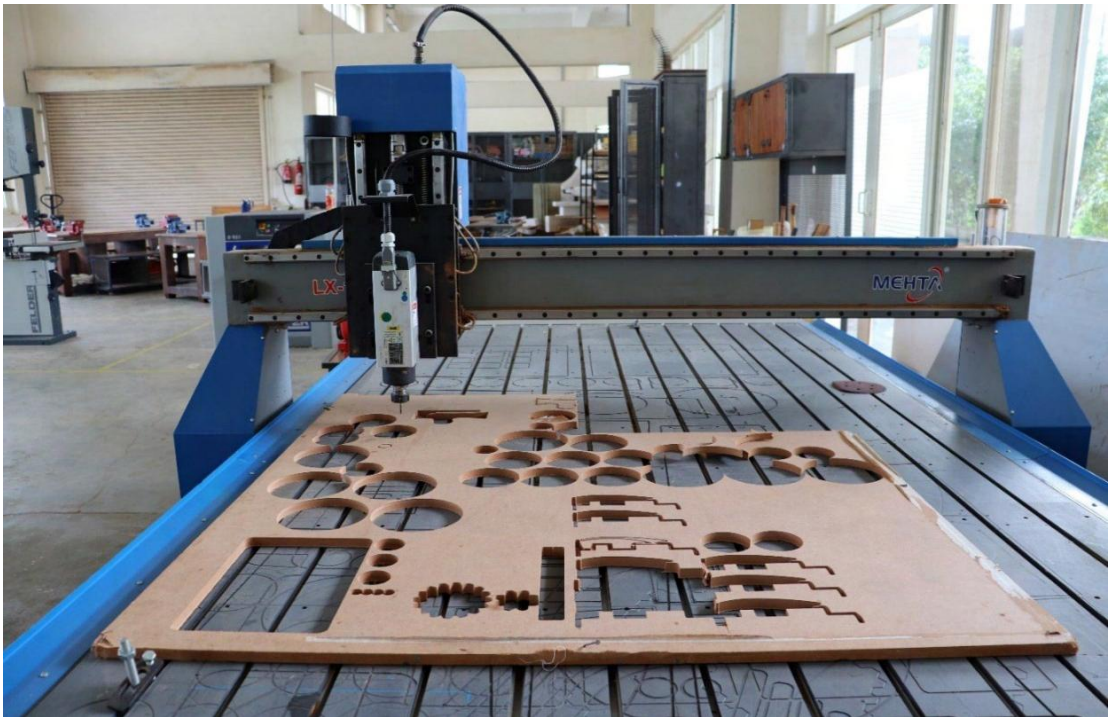

लैंप असेम्बली एवं डिज़ाइन

3.1.2 संचार डिज़ाइन संकाय (एफ सी डी)

यह कार्यक्रम इस ज्ञानानुशासन (डिसिप्लीन) की विस्तृत श्रृंखला में निहित व्यापक विविधता को दर्शाता है। सिस्टम-आधारित दृष्टिकोण को अपनाते हुए, यह एक संस्कृति या संगठन के भीतर मीडिया और संदेशों की संपूर्णता को एकीकृत और एकांगी प्रक्रिया के रूप में कवर करता है।

डिज़ाइन कौशल विकास पाठ्यक्रम को प्रत्येक सांस्कृतिक इंटरफ़ेस, व्यक्तिगत, संगठनात्मक इंटरफ़ेस और अनुभवात्मक कारक के अद्वितीय अभिविन्यास की संगतता में निर्मित किया गया है। शिक्षार्थी विविध स्टूडियो असाइनमेंट के माध्यम से इस व्यापक क्षेत्र के विभिन्न उप-कार्यक्षेत्र से जुड़ते हैं और अंततः वे विशिष्ट कार्यक्षेत्र में से किसी एक में विशेषज्ञता प्राप्त करने का विकल्प चुनते हैं।

संचार डिज़ाइन संकाय दृश्य और मौखिक संचार दोनों के सिद्धांतों, सैद्धांतिकयों और अनुप्रयोगों पर ज्ञान प्रदान करने के लिए समर्पित है। विविध मीडिया और मल्टीमीडिया प्लेटफ़ॉर्म के विशाल परिदृश्य पर केंद्रित, यह पाठ्यचर्या छात्रों को डिज़ाइन सैद्धांतिकी (थ्योरी) में एक मजबूत आधार प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत डिज़ाइन यंत्रों और तकनीकों का उपयोग करने में व्यावहारिक, अभ्यासिक अनुभव भी प्रदान किया जाता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, छात्र शब्दों, प्रतिबिंबों (इमेजिज) और अभिव्यक्तियों को दक्षतापूर्वक मिश्रित करने हेतु अपेक्षित मूलभूत सैद्धांतिकियों की खोज करके उनका अभ्यास करते हैं तथा सूचना का प्रयोग करके मानवीय अनुभव को दृश्य रूप से अभिग्रहित करते हैं। पाठ्यचर्या के अंतर्गत ग्राफिक डिज़ाइन, एनीमेशन, फ़िल्म और वीडियो संचार डिज़ाइन, फ़ोटोग्राफ़ी, प्रदर्शनी डिज़ाइन, चित्रण, वेब डिज़ाइन, विज्ञापन, आदि सहित अवधारणाओं की एक श्रृंखला को सम्मिलित किया गया है।

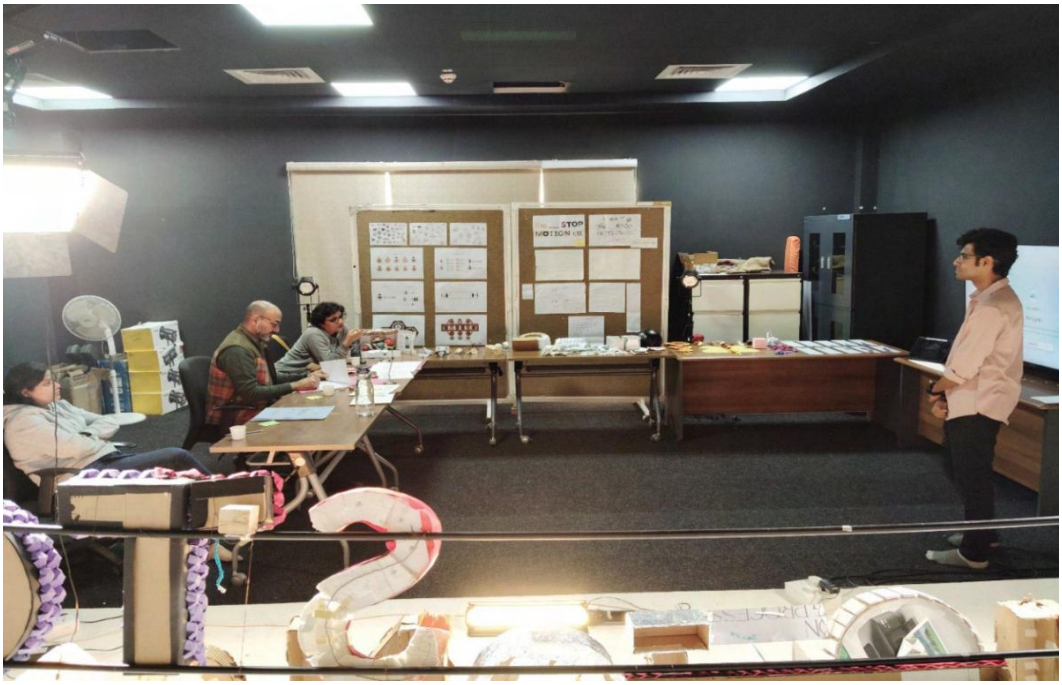

3.1.3 कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन संकाय (एफ टी ए डी)

कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन कार्यक्रम कपड़ा, फैशन, जीवन-शैली साधन और आंतरिक डिज़ाइन की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति करने की व्यापक दृष्टि से अपने आप में विशिष्ट है। यह कपड़ा उत्पाद विकास और परिधान डिज़ाइन के क्षेत्रों को सावधानीपूर्वक संतुलित करता है, जो कपड़ा विकास और परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं में निहित है।

पारंपरिक हस्तशिल्प तकनीकों में दक्षता विकसित करने के अलावा, छात्र कपड़ा और परिधान उद्योग के भीतर नवोन्नत आधुनिक तकनीक की क्षमता का भी दोहन करते हैं। यह कार्यक्रम कपड़ा उद्योग के रचनात्मक अग्रभाग में समृद्ध और चुनौतीपूर्ण शिक्षण वातावरण के भीतर डिज़ाइन की कला, रसायन विज्ञान और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्यों को सामंजस्यता से एकीकृत करता है।

छात्रों को इस प्रकार प्रशिक्षण दिया जाता है कि वे पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र में तथा कपड़ा, परिधान और कपड़ा उद्योग में दक्षता हासिल कर सकें।

3.2 संस्थान का प्रबंधन

प्रबंधन समूह अकादमिक और रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने, कार्यात्मक सामंजस्य स्थापित करने, शिक्षण उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और सामुदायिक सहलग्नता अर्थात एकत्रीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे सेमेस्टर-वार अकादमिक व शैक्षणिक कार्यक्रम तैयार करते हैं, छात्रों और कर्मचारियों दोनों के उत्थान को अक्षुण्ण रखते हैं, वार्षिक बजटीय आवश्यकताओं की देखरेख करते हैं, और संस्थान के संचालन एवं संसाधनों के दक्षतापूर्ण प्रशासन की गारंटी देते हैं।

यह प्रभावकारी प्रबंधन दृष्टिकोण अकादमिक आदान-प्रदानों, साथी शैक्षणिक संस्थानों के साथ उपयोगी साझेदारी, उद्योग के साथ मौजूदा सहयोगों, मानव पूंजी का पोषण, बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाना तथा छात्रों को संस्थान के शीर्ष प्रयासों से जोड़ने में सतर्कता से कार्य करती है।

संस्थान का प्रबंधन निम्नलिखित प्राधिकारियों के माध्यम से संचालित होता है:

- शासी परिषद
- निदेशक
- सीनेट (शासी सभा)
- शासी परिषद की स्थायी समिति
- एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा)
- अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन
- शैक्षणिक सलाहकार समिति
- संकाय संकुल (फैकल्टी फोरम)
- ज्ञानानुशासन प्रमुख (डिसिप्लीन लीड्स)
- कुलसचिव
- मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
- वित्त और लेखा नियंत्रक
- प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष

3.3 एक्टिविटी चेयरपर्सन (क्रियाकलाप अध्यक्ष)

एक्टिविटी चेयरपर्सन कतिपय केंद्रीकृत गतिविधियों के संचालन के लिए कार्यात्मक प्रमुख अर्थात फंक्शनल हेड होते हैं जो सौंपे गए कार्य-विशिष्ट गतिविधियों को निष्पादित करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। वे इन कार्यों के अंतर्गत निर्णय लेने तथा शिक्षण-अधिगम में सुधार लाने के लिए किंचित सिफारिशें करने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करने, अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति / योजनाएं बनाने, अनुसंधान और विकास गतिविधियों का संचालन करने, आउटरीच पहलें शुरू करने, संस्थान समुदाय की शारीरिक और मानसिक कल्याण सुनिश्चित करने आदि में भूमिका निभाते हैं।

एक्टिविटी चेयरपर्सन को निदेशक द्वारा प्रथम संविधियों की धारा २२ में दिए गए उपबंधों के तहत नामित किया जाता है। वर्तमान में, संस्थान में निम्नलिखित एक्टिविटी चेयरपर्सन अर्थात कार्यात्मक अध्यक्ष हैं:

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा)
(ii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (रणनीति और योजना)
(iii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (एसीआर एवं पी)
(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (के.एम.सी.)
(v) एक्टिविटी चेयरपर्सन (एकीकृत डिज़ाइन सेवाएं (आईडीएस)
(vi) एक्टिविटी चेयरपर्सन (वेलनेस सेंटर)

3.3.1 एक्टिविटी चेयरपर्सन - शिक्षा के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) सभी संकाय विभागों और कार्यक्रमों के संबंध में संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रमों की सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों का प्रभारी होंगे।

(ii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) संस्थान और उसके परिसरों में छात्रों के अनुशासनिक मामलों और शिकायतों सहित शिक्षा के मानकों में उत्कृष्टता को अनुरक्षित करने के लिए उत्तरदायी होंगे, जिसके लिए वह सीनेट, निदेशक, परिषद की स्थायी समिति और शासी परिषद के परामर्श से उचित कार्रवाई करेंगे।

(iii) सभी अधिष्ठाता/संकायाध्यक्ष (डीन), संकाय प्रमुख, ज्ञानानुशासन प्रमुख, प्रयोगशाला या स्टूडियो समन्वयक और सभी विषयों या कार्यक्रमों के संकाय सदस्य तथा शिक्षा और शिक्षाविदों से संबंधित सभी सलाहकार समितियां संस्थान के शैक्षणिक मानकों के परिदेय और रखरखाव के लिए एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) के प्रति उत्तरदायी होंगी।

(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) ऐसी समितियों और पैनलों की अध्यक्षता करेंगे जिन्हें निदेशक द्वारा नामित किया जायगा और वे ऐसे अन्य कार्य करेंगे जो निदेशक द्वारा उन्हें सौंपे जाएं।

(v) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेंगे जो उन्हें शासी परिषद द्वारा सौंपी जाएँगी।

3.3.2 एक्टिविटी चेयरपर्सन - रणनीति और योजना के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन (रणनीति और योजना) संस्थान की रणनीति और योजना गतिविधियों से संबंधित ऐसे कार्यों और जिम्मेदारियों, जो निदेशक द्वारा उन्हें सौंपे जाएं, का निर्वहन अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन के साथ समन्वय में करेंगे।

(ii) निदेशक के परामर्श से संस्थान की दीर्घकालिक योजना निर्धारित करना, जिसमें संस्थान के विज़न, मिशन, उद्देश्य, लक्ष्यों, रणनीतियों, नीतियों और कार्ययोजनाओं का विवरण हो।

(iii) संस्थान के प्रत्येक एक्टिविटी चेयरपर्सन /विभाग से समन्वित प्रयासों को संकलित करना और रा.डि.सं. एमपी ब्रांड पर्सनेलिटी के विकास के लिए समग्र रूप से मार्गदर्शन प्रदान करना।

(iv) भौतिक, अवसंरचनात्मक सुविधाओं; यथा भवनों, पाठशालाओं, फर्नीचर, खेल का मैदान, छात्रावास, परिवहन आदि से संबंधित मात्रात्मक सूचना (क्वांटिटेटिव इन्फॉर्मेशन) प्राप्त करने के लिए मानकीकृत दस्तावेजों के रूप में प्रोफार्मा, प्रारूप, प्रपत्र, दस्तावेज या मैनुअल तैयार करना।

(v) संगठन संरचना, पाठ्यचर्या में संशोधन, कर्मचारियों का विकास, भूतपूर्व छात्रों (एल्यूमिनी) से प्रतिक्रिया प्राप्त करना और शोध आवश्यकताओं आदि के लिए कार्यप्रणालियां विकसित करना।

(vi) एक्टिविटी चेयरपर्सन (रणनीति और योजना) के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए निदेशक उन्हें कार्यों और जिम्मेदारियों का विवरण देंगे।

(vii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (रणनीति और योजना) ऐसी शक्तियों को प्रयोग करेंगे, जो शासी परिषद द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के तहत उन्हें प्रत्यायोजित की जाएं।

3.3.3 एक्टिविटी चेयरपर्सन - अनुसंधान एवं विकास के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन (अनुसंधान एवं विकास) संस्थान के अनुसंधान एवं विकास से संबंधित ऐसे कार्यों और उत्तरदायित्वों, जैसा कि निदेशक द्वारा उन्हें सौंपे जाएं, का निर्वहन अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन के साथ समन्वय में करेंगे।

(ii) संस्थान की आर एंड डी गतिविधियों पर एक नीति नियमावली यानी पॉलिसी मैनुअल को परिभाषित और विकसित करना।

(iii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (अनुसंधान एवं विकास) के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए, निदेशक उन्हें कार्यों और उत्तरदायित्वों का विवरण देंगे।

(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (अनुसंधान एवं विकास) उन शक्तियों का प्रयोग करेंगे, जो उन्हें शासी परिषद द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के तहत प्रत्यायोजित की जाएं।

3.3.4 एक्टिविटी चेयरपर्सन – एकीकृत डिज़ाइन सेवाएं (आईडीएस) के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन-एकीकृत डिज़ाइन सेवाएं संस्थान की वैश्विक आउटरीच सेल की गतिविधियों से संबंधित ऐसे कार्यों, भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों, जैसा निदेशक द्वारा उन्हें सौंपें जाएं, का निर्वहन अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन के समन्वय में करेंगे।

(ii) वह संस्थान की सभी प्रायोजित अनुसंधान गतिविधियों का प्रभारी होंगे/होंगी, जिसमें परियोजना का प्रस्तुतीकरण, लेखांकन सहित परियोजना प्रबंधन, अनुसंधान कर्मियों की भर्ती, वित्तपोषण एजेंसी के साथ बातचीत, आईपीआर का संरक्षण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल हैं। उनके अन्य उत्तरदायित्वों में निम्न शामिल हैं:

(क) प्रायोजक द्वारा प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श परियोजनाओं की स्वीकृति संस्थान की ओर से प्रदान करना।

(ख) परियोजना कर्मचारियों की भर्ती, चयन, सेवा-विस्तार, कार्यप्रदर्शन का मूल्यांकन, सेवा–समाप्ति और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करना।

(iii) एक्टिविटी चेयरपर्सन-एकीकृत डिज़ाइन सेवा के रूप में कर्तव्यों को निष्पादित करने के लिए कार्य और जिम्मेदारियां निदेशक द्वारा सौंपे जाएंगे।

(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन-एकीकृत डिज़ाइन सेवा ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेंगे जो शासी परिषद द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के तहत उन्हें प्रत्यायोजित की जाएंगी।

3.3.5 एक्टिविटी चेयरपर्सन - वेलनेस सेंटर के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन - वेलनेस सेंटर (स्वास्थ्य केंद्र) संस्थान की वेलनेस सेंटर गतिविधियों से संबंधित ऐसे कार्यों और जिम्मेदारियों, जो निदेशक द्वारा उन्हें सौंपे जाएं, का निर्वहन अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन के साथ समन्वय में करेंगे।

(ii) स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के बीच नेतृत्व एवं सहायता प्रदान करना और जागरूकता फैलाना ताकि उनकी दक्षता को बढ़ाया जा सके और उनके तनाव को दूर किया जा सके। कई पहलों में से, एक्टिविटी चेयरपर्सन संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, पर्यावरणीय और व्यावसायिक कल्याण के क्षेत्रों में विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेंगे।

(iii) एक्टिविटी चेयरपर्सन वेलनेस सेंटर के रूप में कर्तव्यों के निर्वहन के लिए निदेशक उन्हें कार्य और जिम्मेदारियाँ सौंपेंगें।

(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (वेलनेस सेंटर) उन शक्तियों का प्रयोग करेंगे जो शासी परिषद द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के तहत उन्हें प्रत्यायित की जाएं।

संस्थान तीन विषयों में स्नातक की डिग्री प्रदान करता है, अर्थात बैचलर ऑफ डिज़ाइन (औद्योगिक डिज़ाइन), बैचलर ऑफ डिज़ाइन (संचार डिज़ाइन) और बैचलर ऑफ डिज़ाइन (कपड़ा और परिधान डिज़ाइन)। सभी ज्ञानानुशासनों में, प्रथम वर्ष में एक सामान्य फाउंडेशन कार्यक्रम होता है।

BOSCH

... Nammale kond

4
शैक्षणिक ज्ञानानुशासन

4.1 फाउंडेशन स्टडीज (यूजी प्रोग्राम)

ज्ञानानुशासन अथवा शाखा का संक्षिप्त परिचय

फाउंडेशन स्टडीज का उद्देश्य डिज़ाइन में विशेषज्ञता के लिए आवश्यक मूल्यों, मनोवृत्तियों, संवेदी कौशलों और सौंदर्यपरक चेतना प्राप्त करने में सहायता करना है। यह छात्रों को डिज़ाइन के मूल सिद्धांतों से परिचित कराता है और छात्रों को अभिप्रेरित करता है कि वे डिज़ाइन को रचनात्मक समस्या-समाधान प्रक्रिया के रूप में समझें।

यह ज्ञानानुशासन उभरती डिज़ाइन धारणा और मनोवृत्ति विकसित करने, डिज़ाइन की बहु-विषयक प्रकृति और पर्यावरण, संस्कृति, मानवीय इंद्रियों तथा भावनाओं के साथ डिज़ाइन के संबंध को समझने में सहायता करती है। बेसिक डिज़ाइन स्टूडियो कोर्स को विश्व के दृष्टिकोणों और भारतीय परिवेश की समझ विकसित करके समृद्ध किया गया है।

यह छात्रों को सैद्धांतिक सोच, डिज़ाइन चिंताओं और डिज़ाइन प्रक्रियाओं से संबंधित अंतर्दृष्टियां प्राप्त करने में सहायता करता है। इसका आशय छात्रों के अधिगम व शिक्षा को वास्तविक जीवन की स्थितियों से लगातार जोड़कर बदलते वातावरण के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश, प्रेरणाएं, सुविधाएं और अनुभव प्रदान करता है जिससे प्रत्येक छात्र को अपनी पहचान और क्षमता के बारे में सोच-विचार करने में सहायता करता है।

अभिनिव्यास कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम)

२०२३-२४ के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम १२ और १३ जुलाई २०२३ को फाउंडेशन स्टडीज टीम (सुश्री नीतिका देवगन, श्री अमित के. गहलोत, सुश्री सुव्रता यादव, सुश्री अदिति शर्मा, सुश्री श्रुति निगम एवं श्री संदीप जयसवाल) द्वारा आयोजित किया गया।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में निदेशक, कुलसचिव और प्रभागाध्यक्षों/ज्ञानानुशासन प्रमुखों (फाउंडेशन स्टडीज) द्वारा छात्रों और संबंधित अभिभावकों के लिए स्वागत संबोधन दिया गया।

इसके बाद २०२३-२७ बैच के छात्रों के नए बैच को फाउंडेशन स्टडीज फैकल्टी टीम से परिचित कराया गया और फाउंडेशन स्टडीज टीम द्वारा तैयार किए गए "वेलकम किट" के साथ उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात, तीनों ज्ञानानुशासनों के संकाय सदस्यों के साथ एक छोटा सा संवाद सत्र आयोजित किया गया। ओरिएंटेशन सत्र के दौरान, श्री प्रमोद मार्शल (वरिष्ठ संकाय, संचार डिज़ाइन), सुश्री श्रुति निगम और सुश्री अदिति शर्मा (संकाय, फाउंडेशन स्टडीज) द्वारा रचनात्मक सत्र आयोजित किए गए।

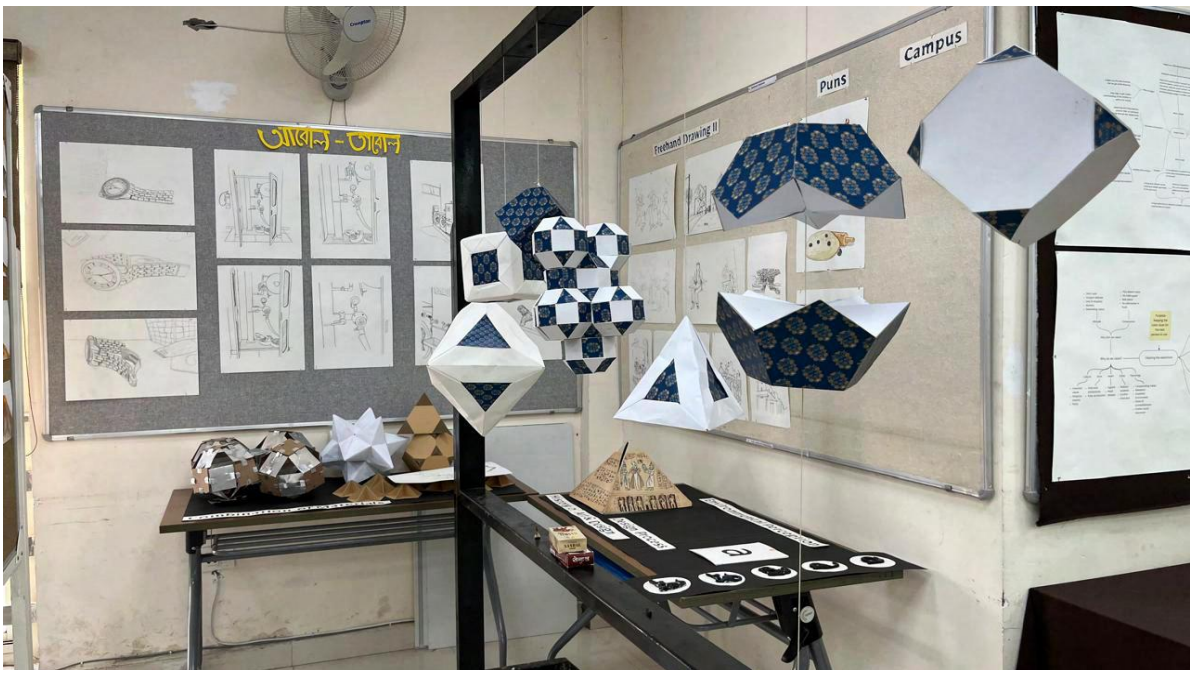

4.1.1 बैचलर ऑफ डिज़ाइन बी.डेस.

(फाउंडेशन स्ट्डीज)

सेमेस्टर I

फ्रीहैंड ड्राइंग I
साइंस एंड लिबरल आर्ट्स
सेकर्ड जिमोट्री
डिज़ाइन ड्राइंग
बेसिक मैटिरियल्स एंड प्रोसेसिस
एलिमेंट्स ऑफ कम्पोजिशन
एलिमेंट्स ऑफ कलर

सेमेस्टर II

फ्रीहैंड ड्राइंग II
हिस्टरी ऑफ आर्ट्स एंड डिज़ाइन
3D जियोमेट्री एंड कम्बिनेशन ऑफ मैटिरियल्स
फोर्म एंड स्पेस
इन्वॉयरमेंटल एंड कल्चरल परसेप्शन
डिज़ाइन मैथोडोलॉजी

छात्रों के शोध कार्य

फाउंडेशनन स्ट्डीज सेमेस्टर I और II के चयनित छात्रों के शोध कार्य एवं प्रोसेस इमेजिज (2023-27 का बैच)।

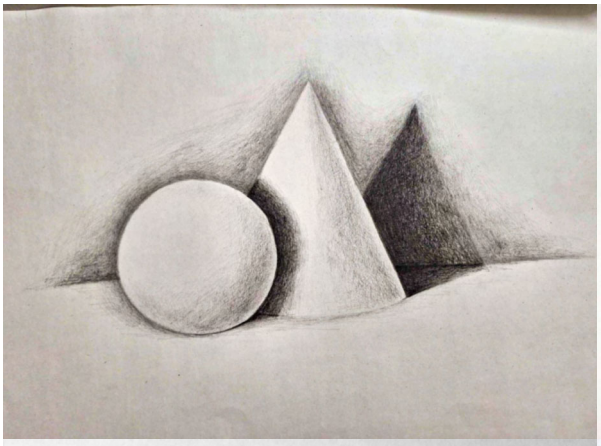
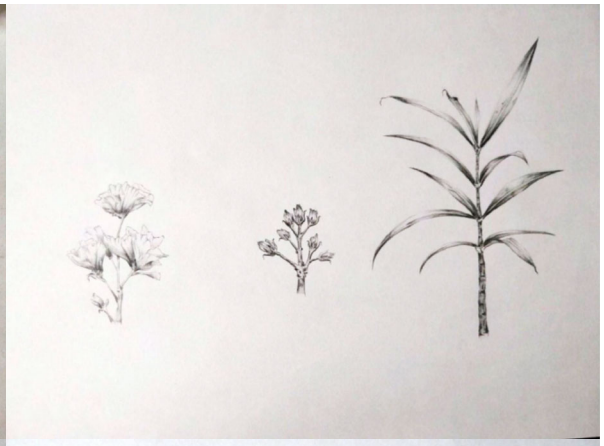

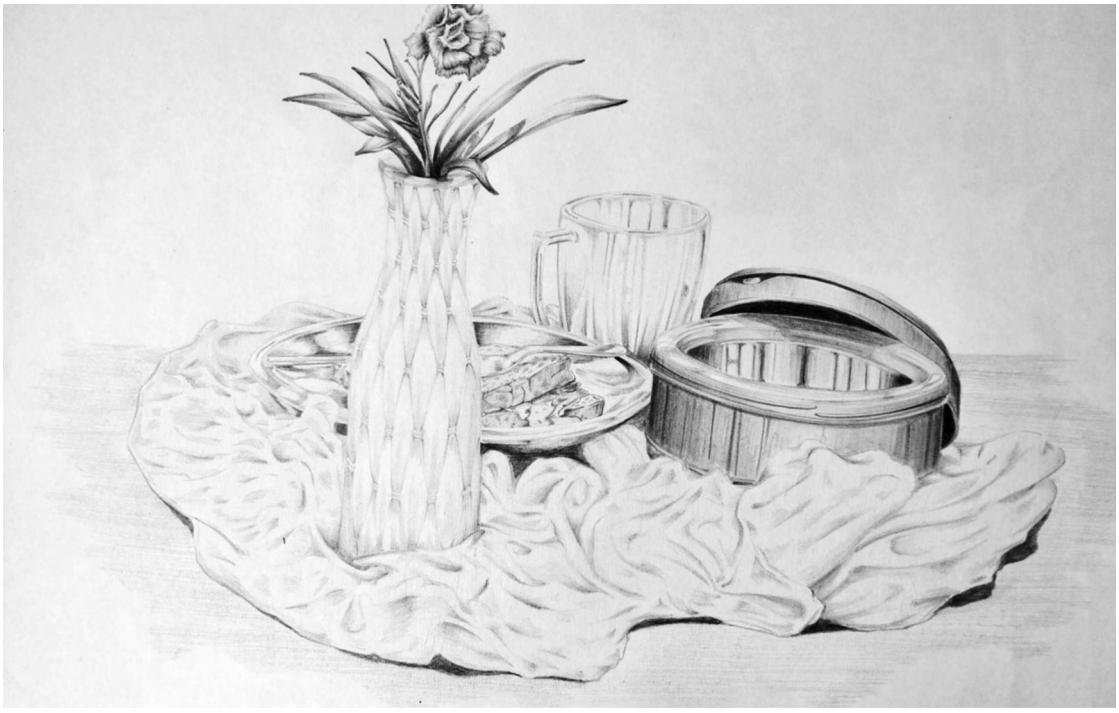

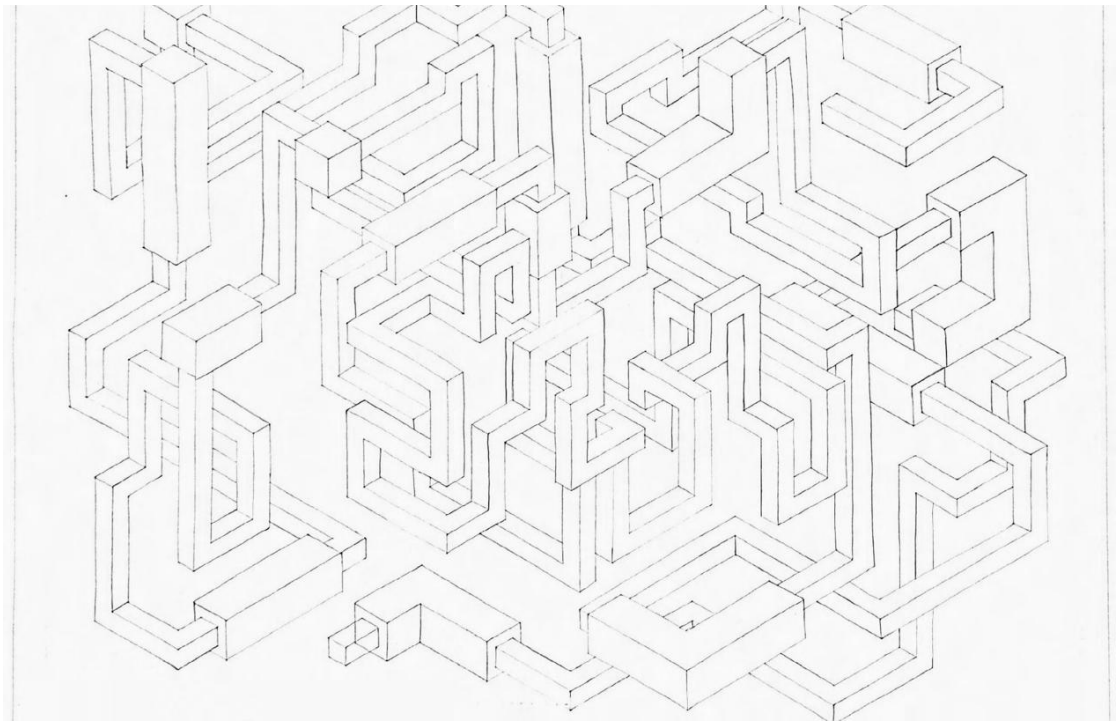

फ्रीहैंड ड्राइंग | मॉड्यूल से छात्रों द्वारा बनाई गई चित्रकारिता

डिज़ाइन ड्राइंग मॉड्यूल से छात्रों की चित्रकारिता

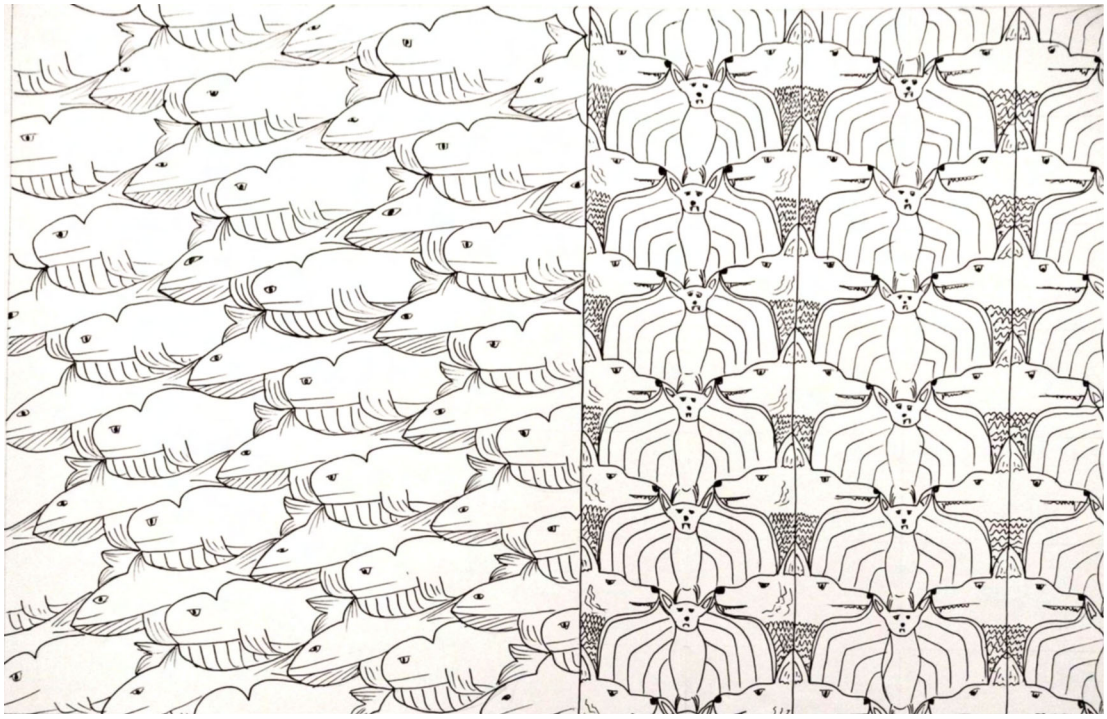

डिज़ाइन ड्राइंग मॉड्यूल से छात्रों की चित्रकारिता

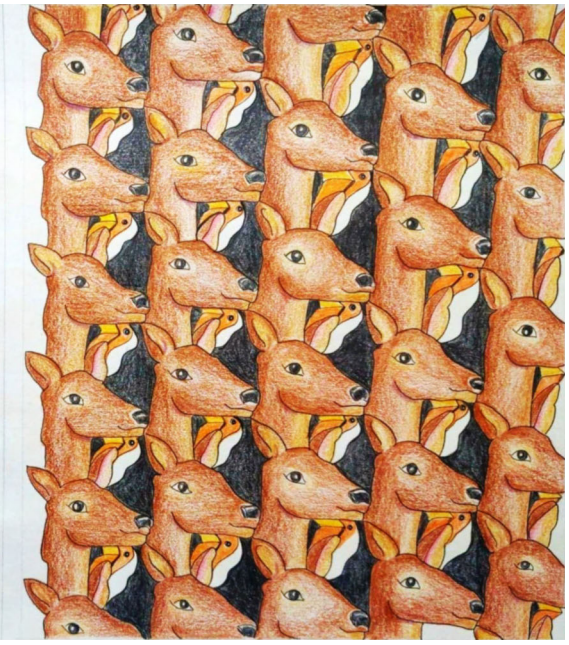

सेकर्ड जियोमेट्री मॉड्यूल से छात्रों की चित्रकारिता

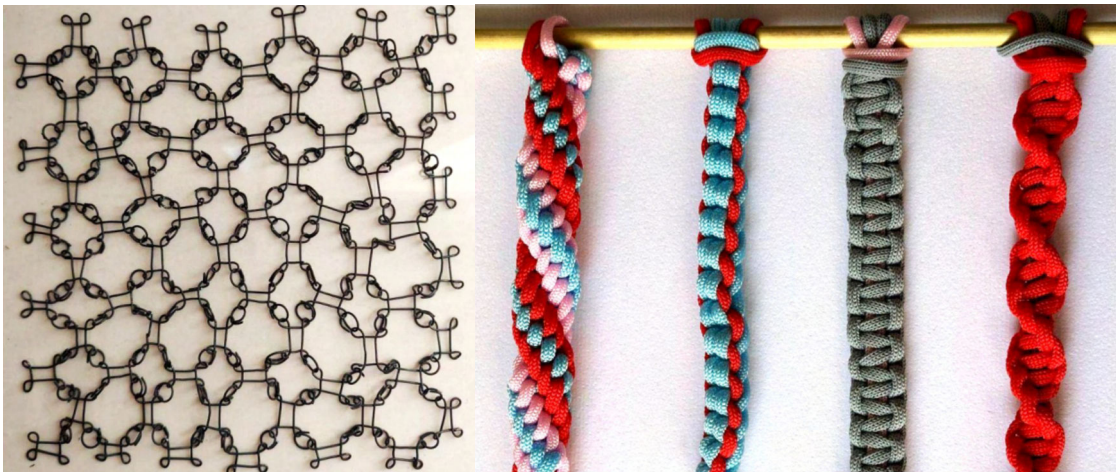

बेसिक मैटिरियल्स मॉड्यूल से छात्रों कीचित्रकारिता

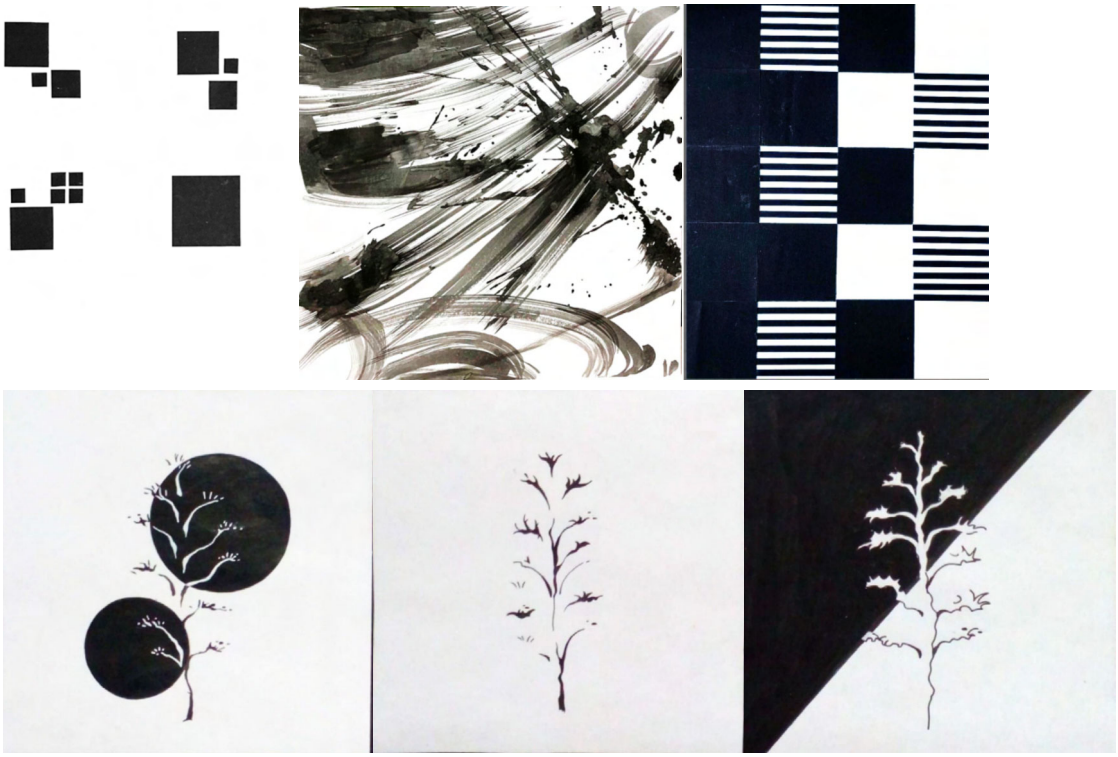

कम्पोजिशिन मॉड्यूल के घटकों से छात्रों की चित्रकारिता

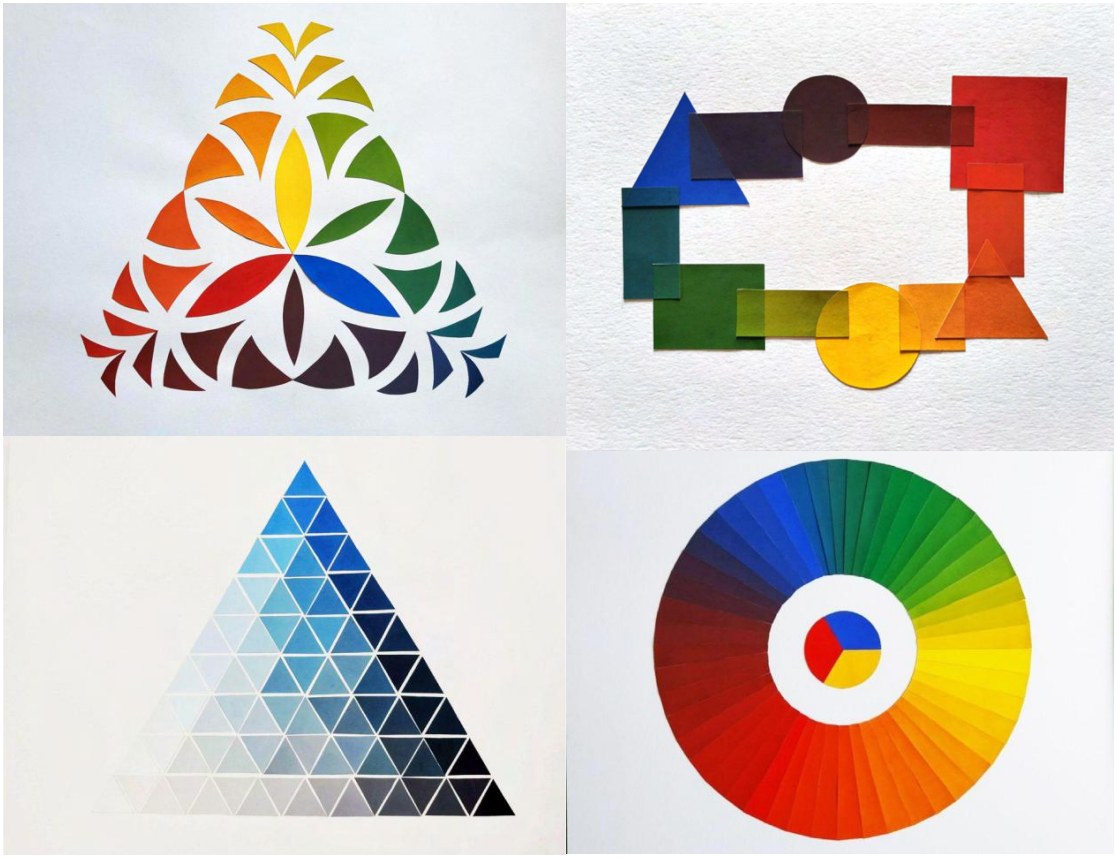

कलर मॉड्यूल के घटकों से छात्रों की चित्रकारिता

कलर मॉड्यूल के घटकों के दौरान म.प्र. जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में छात्र कलर की संवेदनशीलता की खोज करते हुए

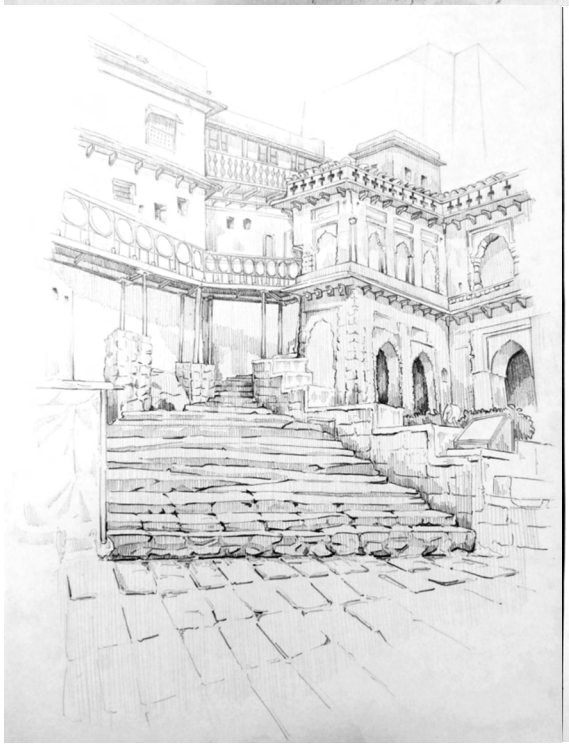

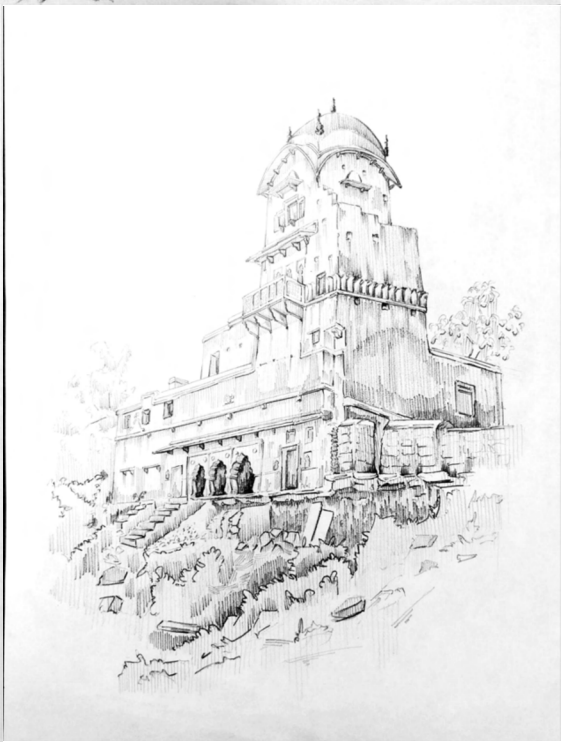

फ्रीहैंड ड्राइंग II मॉड्यूल से छात्रों की चित्रकारिता

3D जियोमेट्री से छात्रों की चित्रकारिता और सामग्रियों का संयोजन

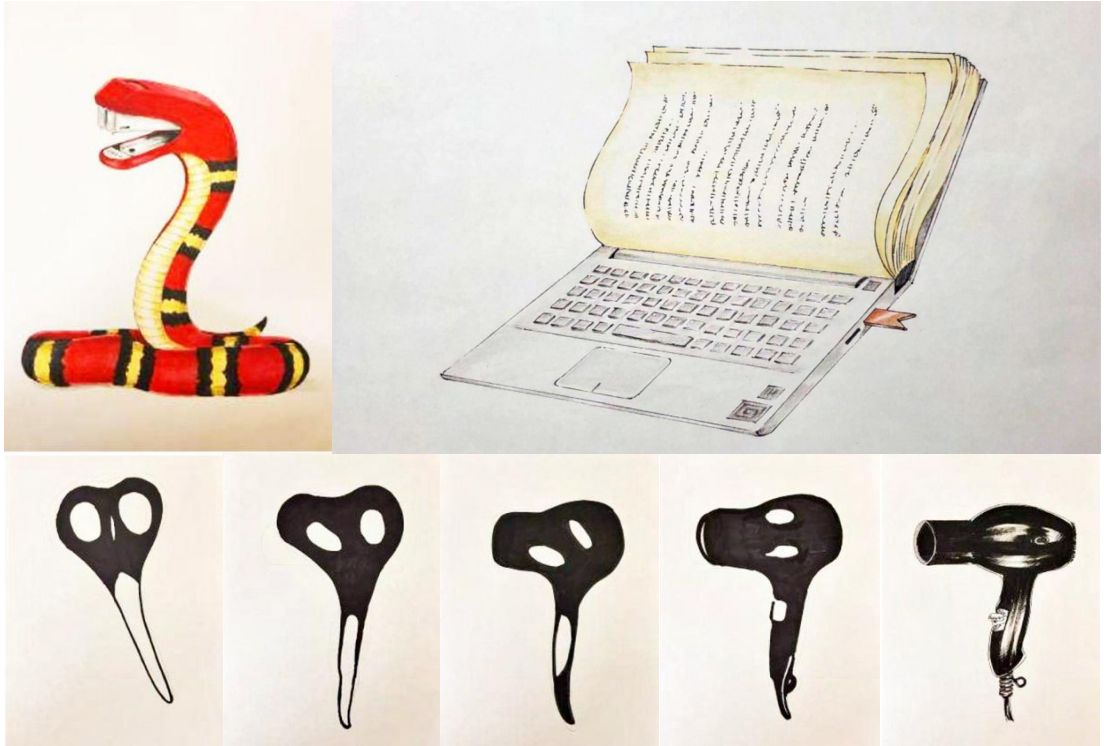

स्पेस मॉड्यूल से छात्रों की चित्रकारिता

डिज़ाइन मैथोडोलॉजी मॉड्यूल के दौरान छात्र अपना शोधप्रबंध प्रस्तुत करते हुए

2023-27 के फाउंडेशन स्टूडीज बैच, सेमेस्टर 2, के समापन दिवस की तस्वीरें

सेमेस्टर I और II के लिए जूरी (निर्णायक-मंडल)

2023-27 के बैच के लिए सेमेस्टर सत्रांत जूरी का आयोजन बाह्य और आंतरिक जूरी सदस्यों द्वारा किया गया।

आंतरिक जूरी के सदस्य

सुश्री नितिका देवगन
श्री अमित के. गहलोत
सुश्री सुव्रता यादव
सुश्री अदिति शर्मा
सुश्री श्रुति निगम
श्री संदीप जयसवाल

बाह्य जूरी के सदस्य

श्री चन्द्र शेखर भेड़ा
सुश्री रेबोनी साहा
सुश्री विभु मित्तलश
श्री राजशेखर नारायण
सुश्री आरती यादव
सुश्री ममता वोल्वोइकर

जूरी सदस्य छात्र से बात करते हुए (सेमेस्टर I एवं II)

उद्योग विशेषज्ञ एवं अतिथि संकाय के दौरे

फाउंडेशन स्टडीज संकाय कई विशेषज्ञों और अतिथि संकाय सदस्यों को आमंत्रित करता है जिनके पास भिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में व्यापक अनुभव होता है।

विशेषज्ञों और अतिथि संकाय सदस्यों की सूची जो 2023-27 बैच से जुड़े रहेंगे:

श्री इरफ़ान यू तबानी

कलर मॉड्यूल्स के फ्रीहैंड ड्राइंग I और एलिमेंट्स ऑफ कलर के दौरान छात्र विशेषज्ञों और अतिथि संकाय से बातचीत करते हुए

फाउंडेशन स्टडीज की उपलब्धियां

छात्रों द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन

फाउंडेशन स्टडीज के छात्रों ने डिज़ाइन मेथोडोलॉजी मॉड्यूल के दौरान केंद्रीय विद्यालय और सागर पब्लिक स्कूल, भोपाल में डिज़ाइन थिंकिंग कार्यशालाएंआयोजित कीं।

संकाय सदस्यों का योगदान

भोपाल साहित्य महोत्सव 2024 में सुश्री सुव्रता यादव द्वारा डिस्पले।

सुश्री सुव्रता यादव और श्री अमित के. गहलोत ने रचनात्मकता, नवोन्मेष और उत्पाद विकास पर क्षमता निर्माण अल्पावधिक पाठ्यक्रम कार्यक्रम के तहत एनआईटीटीटीआर भोपाल में डिज़ाइन थिंकिंग पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की।

श्री संदीप जायसवाल ने एनआईएफटी, नई दिल्ली में एनआईएफटी के 39वें स्थापना दिवस पैनल चर्चा में भाग लिया।

सुश्री अदिति शर्मा ने एमजीआईआरआई, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित पैपियर माशे पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

सुश्री श्रुति निगम ने इंडिया रिपोर्ट कमेटी (विज़ुअल डिज़ाइन) में सीआईआई फ्यूचर ऑफ डिज़ाइन एजुकेशन के टीम सदस्य के रूप में योगदान दिया।

श्री नवल सिंह
श्री दुर्गेश पवार
डॉ. पराग व्यास
सुश्री मोनिका चौधरी
सुश्री जननी नारायण
श्री भार्गव मिस्त्री

डिज़ाइन शिविर 2024 में फाउंडेशन स्टडीज संकाय की सहभागिता

1. सुश्री श्रुति निगम और श्री संदीप जायसवाल : बुनाई कार्यशाला
2. सुश्री नीतिका देवगन और सुश्री सुव्रता यादव : डिज़ाइन वार्ता
3. सुश्री अदिति शर्मा : क्ले मॉडलिंग
4. श्री अमित कुमार गहलोत : मॉडल निर्माण

कला शिक्षक कार्यशाला 2024 में फाउंडेशन स्टडीज संकाय की सहभागिता

1. सुश्री सुव्रता यादव और सुश्री नीतिका देवगन : डिज़ाइन का परिचय और इतिहास
2. श्री अमित कुमार गहलोत: 'स्कूली शिक्षण में डिज़ाइन थिंकिंग का महत्व', डॉ. सुकन्या बोर सैकिया के सानिध्य में।

छात्रों की चित्रकला व शोध कार्य का दस्तावेज़ीकरण

छात्रों (बैच 23-27 फाउंडेशन स्टडीज) की चित्रकला शीर्षक 'बुनियाद भाग I और II' का दस्तावेजीकरण सुश्री अदिति शर्मा (संकाय) द्वारा किया गया।

फाउंडेशन स्टडीज के छात्रों द्वारा शैक्षणिक दौरे

फाउंडेशन स्टडीज के छात्रों ने शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए कई स्थ्लों का दौरा किया। इनमें एलिमेंट्स ऑफ कलर मॉड्यूल के दौरान जनजातीय संग्रहालय, भोपाल; विज्ञान और लिबरल आर्ट्स मॉड्यूल के दौरान आईजीआरएमएस, भोपाल; और फ्रीहैंड ड्राइंग II मॉड्यूल के दौरान गौहर महल, जगदीशपुर किला एवं ताजुल मसजिद, भोपाल का दौरा शामिल है।

जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में 2023-27 बैच का शैक्षणिक दौरा

आईजीआरएमएस, भोपाल में संकाय सदस्यों के साथ छात्र

वेलनेस काउंसलर के साथ विशेष सत्र

बैच 2023-27 के छात्रों ने वेलनेस काउंसलर सुश्री सोनम चटवानी के साथ एक विशेष सत्र में भाग लिया, जहाँ उन्होंने जूरी प्रेप सप्ताह/जूरी सप्ताह के दौरान तनाव से निपटने के बारे में बातचीत की।

जूरी पैनल के साथ वार्ता सत्र

2023-27 बैच के छात्रों ने सभी जूरी सदस्यों (बाहरी और आंतरिक) के साथ सेमेस्टर II की जूरी के बाद एक वार्ता सत्र में भाग लिया। सत्र अकादमिक उत्कृष्टता में मार्गदर्शन पर केंद्रित था।

फाउंडेशन फैकल्टी

श्री अमित के. गहलोत
(ज्ञानानुशासन प्रमुख और वरिष्ठ संकाय - फाउंडेशन स्टडीज)

सुश्री नीतिका देवगन
(वरिष्ठ संकाय - फाउंडेशन स्टडीज)

सुश्री सुव्रता यादव
(संकाय और ज्ञानानुशासन सह-प्रमुख - फाउंडेशन स्टडीज)

सुश्री अदिति शर्मा
(संकाय)

सुश्री श्रुति निगम
(संकाय)

श्री संदीप जायसवाल
(संकाय)

श्री राहुल मीना
(एमटीएस)

श्री अंकित सिंह
(एमटीएस)

4.2 बैचलर ऑफ डिज़ाइन (औद्योगिक डिज़ाइन)

ज्ञानानुशासन का परिचय

यह कार्यक्रम ऐसे उत्पादों को डिज़ाइन करने की क्षमता विकसित करने पर केंद्रित है जो न केवल सौंदर्य की दृष्टि से मनमोहक हों बल्कि कार्यात्मक, सुरक्षित और टिकाऊ भी हों। औद्योगिक डिज़ाइन कार्यक्रम के अंतर्गत कई तरह के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसकी पाठ्यचर्या को इस प्रकार रूपरेखा दी गई है कि छात्रों को डिज़ाइन प्रक्रिया की समग्र समझ प्राप्त हो, वे पर्यावरणीय प्रभाव एवं विनिर्माण व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए ऐसे नवोन्मेषी उत्पाद (जो उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं की पूर्ति करें) डिज़ाइन करने हेतु अपेक्षित कौशलों के साथ समर्थ हो जाएं। कार्यक्रम सैद्धांतिकीय, व्यावहारिक/अभ्यासिक और शोध-आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण का मिश्रण प्रदान करता है, जिससे छात्रों को परियोजनाओं के माध्यम से और उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग के माध्यम से वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

अभिविन्यास कार्यक्रम

दो दिवसीय कार्यक्रम में ज्ञानानुशासन प्रमुख (औद्योगिक डिज़ाइन) द्वारा तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के अभिविन्यास के लिए एक स्वागत संबोधन दिया गया।

इसके बाद नए तीसरे सेमेस्टर बैच को औद्योगिक डिज़ाइन संकाय टीम और शिल्पशाला कर्मचारियों से परिचित कराया गया। तदुपरांत संकाय सदस्यों और शिल्पशाला कर्मचारियों के साथ एक छोटा सा वार्ता सत्र आयोजित किया गया।

औद्योगिक डिज़ाइन पाठ्यक्रम/मॉड्यूल

सेमेस्टर III आइकोनिक उत्पाद एवं नवोन्मेषक उत्पाद चित्रकारिता - I फॉर्म स्टडीज - I फोटोग्राफी का परिचय सामग्रियां और विनिर्माण प्रक्रियाएँ- I क्रिएटिविटी एवं आइडिएशन डिज़ाइन सेमिनार प्रकृति और डिज़ाइन	**सेमेस्टर IV** उत्पाद चित्रकारिता - II फॉर्म स्टडीज - II सामग्रियां और विनिर्माण प्रक्रियाएँ - II भौतिक श्रमदक्षता प्रोटोटाइप विकास-I (मोशन निर्देशित खिलौने) डिज़ाइन प्रोजेक्ट - I (एसपीडी-सामान्य उत्पाद डिज़ाइन) ऐच्छिक - I
सेमेस्टर V डिज़ाइन अनुसंधान विधियाँ संज्ञानात्मक श्रमदक्षता (कॉग्निटिव एर्गोनॉमिक्स) प्रोटोटाइप विकास-I (काष्ठ और धातु बढ़ईखाना) स्थायी डिज़ाइन उत्पाद अर्थमीमांसा (प्रोडक्ट सिमैन्टिक) डिज़ाइन प्रोजेक्ट -II ग्रीष्मकालीन प्रोजेक्ट	**सेमेस्टर VI** पैकेजिंग डिज़ाइन सर्विस डिज़ाइन वैल्यू इंजीनियरिंग समावेशी डिज़ाइन डिज़ाइन प्रोजेक्ट III ऐच्छिक II इंटर्नशिप
सेमेस्टर VII डिज़ाइन प्रबंधन इंटरैक्टिव डिज़ाइन डिज़ाइन प्रोजेक्ट IV: सिस्टम डिज़ाइन डिज़ाइन प्रोजेक्ट V: विशेष आवश्यकताओं के लिए डिज़ाइन इंटर्नशिप	**सेमेस्टर VIII (स्नातक प्रोजेक्ट)** स्नातक स्तर पर प्रोजेक्ट **(प्रायोजित या स्व-प्रायोजित)**

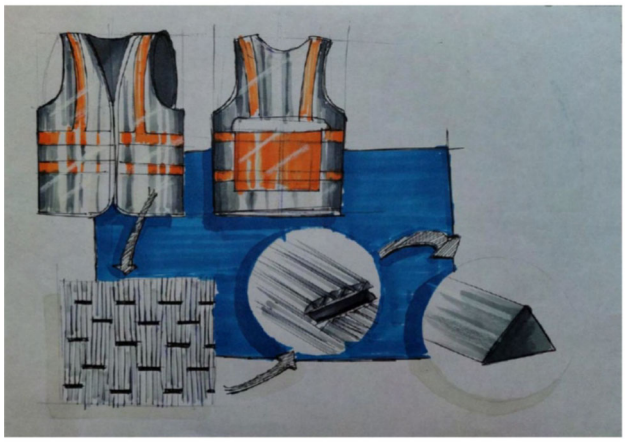

प्रकृति प्रेरणास्रोत डिज़ाइन, यानी बायोमिमिक्राइ, जो निर्माण कार्य स्थल पर कामगारों के सम्मुख उष्मा तरंगों और विकिरण के प्रभाव की समस्या का समाधान करता है।

विवरण

इस समस्या के समाधान का प्रेरणास्रोत सहारन सिल्वर ऑन्ट्स हैं, जैकेट के ऊपरी भाग में लेयर का प्रेरणास्रोत रोए हैं, जो सीधे सूर्य के संपर्क में आती हैं।

इसका क्या लाभ है?

इस त्रिकोणीय क्रॉस सेक्शन्ड, ट्रांसलुसेंट अर्थात पारभासी रेशों का उपयोग एक दूसरे के समानांतर उर्ध्वगामी एवं अधोगामी मुखाकृतियों के संयोजन में किया जाता है। मुखाकृतियां अधिकतर सूर्य उष्मा तरंगों और विकिरण को परिलक्षित करती हैं और रेशों के अभाव में तापमान में वृद्धि कर सकते हैं।

जैकेट में छोटे छिद्र एवं अंतराल (गैप्स) हैं जो उसकी सतह को संवातन एवं वायुसंचारण उपलब्ध कराते हैं।

प्रोटाइप का विकास: डोरी रहित

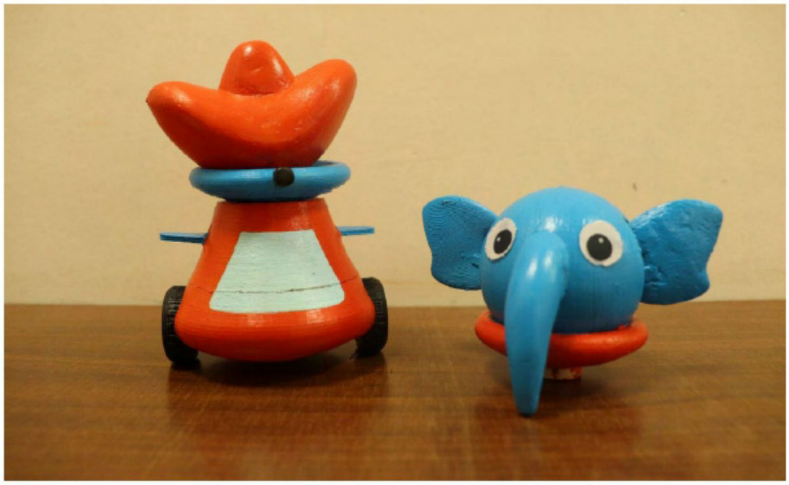

टॉय डिज़ाइन कन्सेप्ट में सिंगल मैकेनिज्म के साथ एक मुख्य बॉडी और मल्टीप्ल हैड तथा बॉडी पार्ट्स हैं जिन्हें अलग किया जा सकता है, संलग्न प्रत्येक हैड भिन्न मोशन देता है जिसके कारण टॉय की लाइफ, उपयोगिता बढ़ जाती है तथा उसकी लागत कम हो जाती है, और बच्चे के वैज्ञैषिकी कौशलों में सुधार आता है।

लघुआकृतिक प्रोटोटाइप, जिसका प्रेरणास्रोत थियो जानसेन के स्ट्रांडबीस्ट्स हैं। इसे निर्मित करने के लिए भिन्न सामग्रियों और हमारे डिज़ाइन उपागम का प्रयोग किया गया है। ये मॉडल हमें मूल मूर्तिकलाओं की मुवमेंट एवं क्रियावलियों को समझने एवं प्रतिचित्रित करने में सहायता करते हैं।

सेमेस्टर III, IV, V, VI, VII, VIII (स्नातक स्तर पर प्रोजेक्ट)

छात्र मोशन गाइडेड मैकेनिकल टॉय (प्रोटोटाइप डेवलपमेंट) मॉड्यूल पर कार्य करते हैं।

छात्र जॉइनरीज मॉड्यूल में कार्य करते हैं।

छात्र फर्नीचर प्रोडक्ट डिज़ाइन (डिज़ाइन प्रोजेक्ट) मॉड्यूल पर कार्य करते हैं।

छात्र डिज़ाइन प्रोजेक्ट मॉड्यूल पर कार्य करते हैं।

छात्र वैल्यू इंजीनियरिंग मॉड्यूल पर कार्य करते हैं।

छात्र नेचर इंस्पायर्ड डिज़ाइन (बायोमिमिक्री) मॉड्यूल पर कार्य करते हैं।

छात्र क्रिएटिविटी और आइडिया मॉड्यूल पर कार्य करते हैं।

बायोमिमिक्री और प्रोडक्ट डिज़ाइन मॉड्यूल के छात्रों के कोर्स वर्क को पेटेंट और डिज़ाइन पंजीकरण प्राप्त हुआ है।

छात्र पैकेजिंग डिज़ाइन मॉड्यूल पर कार्य करते हैं।

सेमेस्टर के लिए जूरी

सेमेस्टर सत्रांत जूरी का संचालन बाह्य और आंतरिक जूरी सदस्यों द्वारा किया गया।

आंतरिक जूरी सदस्य

श्री राहुल साहनी - अध्यक्ष
डॉ. सुकन्या बोर सैकिया - सदस्य
सुश्री शिखा अग्रवाल - सदस्य
श्री अनिल कुमार भास्कर - सदस्य
डॉ. राकेश विधाते - सदस्य
सुश्री नीतिका देवगन - सदस्य

बाह्य जूरी सदस्य

डॉ. गुरदीप सिंह
श्री अर्पित अग्रवाल
श्री नचिकेता चरखवाल
सुश्री अल्पी जैनसु
श्री अर्चना
श्री अर्पण जौहरी
सुश्री दीपिका कश्यप
डॉ सुकांत मजूमदार
श्री आशीष जोशी

जूरी सदस्य शिक्षा, उद्योग और शोधकर्ता सहित विभिन्न क्षेत्रों से होते हैं।

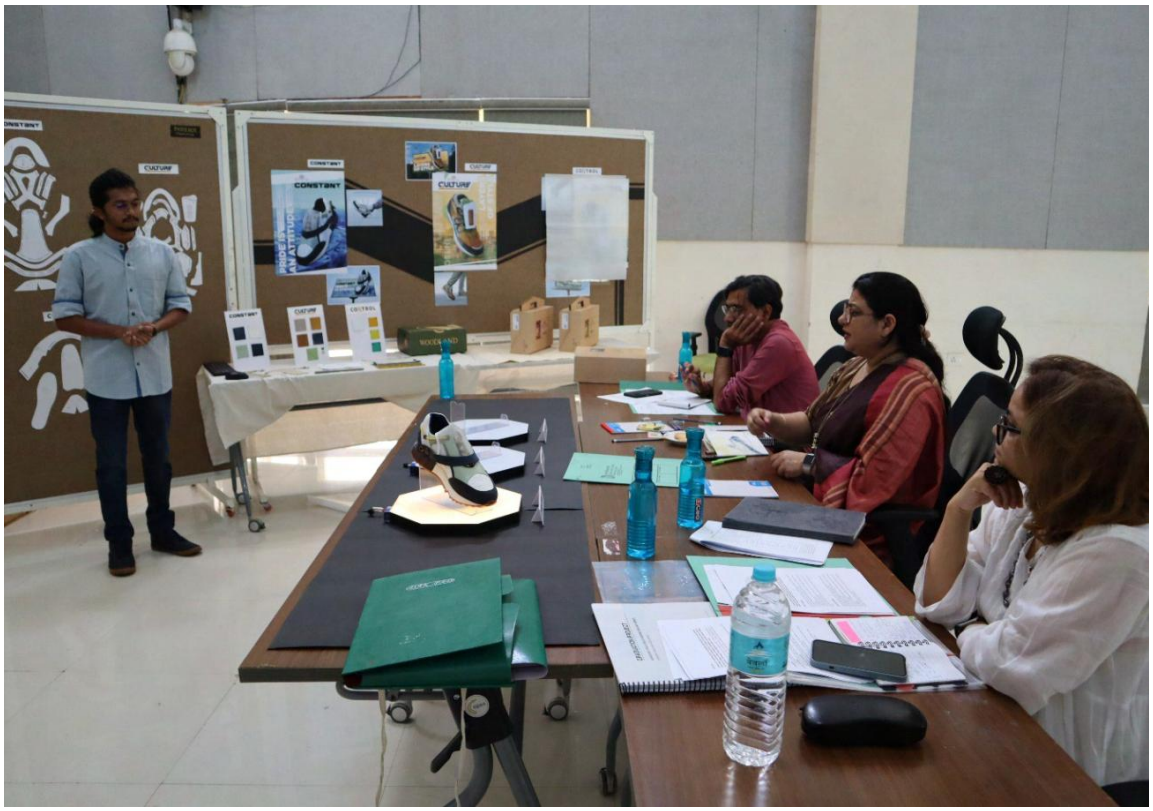

Made Friends with Sharda and picked some waste!
And got rewarded at the Mulund landfill entrance..Yay!

उद्योग विशेषज्ञों और अतिथि संकाय का दौरा

औद्योगिक डिज़ाइन संकाय कई विशेषज्ञों और अतिथि संकाय को आमंत्रित करता है, जिनके पास विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में विविध अनुभव होता है।

आईडी छात्रों के साथ कार्य करने वाले विशेषज्ञों और अतिथि संकाय की सूची इस प्रकार है:

प्रो. उर्मी आर साल्वे
श्री जगन मुरुगन
सुश्री इंदु एल हरिकुमार
सुश्री अल्पी जैन
सुश्री रश्मी मलिक
श्री सिद्धेश वाज़े
श्री राजू कुमार
श्री रजत नामदेव पाटले
श्री ब्रजेन्द्र नंदन पंडा
डॉ.सौरभ सिंगनपल्ली
डॉ. शर्मिला सिन्हा
श्री दुर्गेश पवार
श्री गगन खन्ना
प्रो देबकुमार चक्रवर्ती
श्री शरद चौहान
श्री सुदेश मोरे
श्री चैतन्य सोलंकी
सुश्री आशा रावत
सुश्री अंजनी कुमार
श्री सुकांत कुंडू

Achievements by Industrial Design

Student?s Work

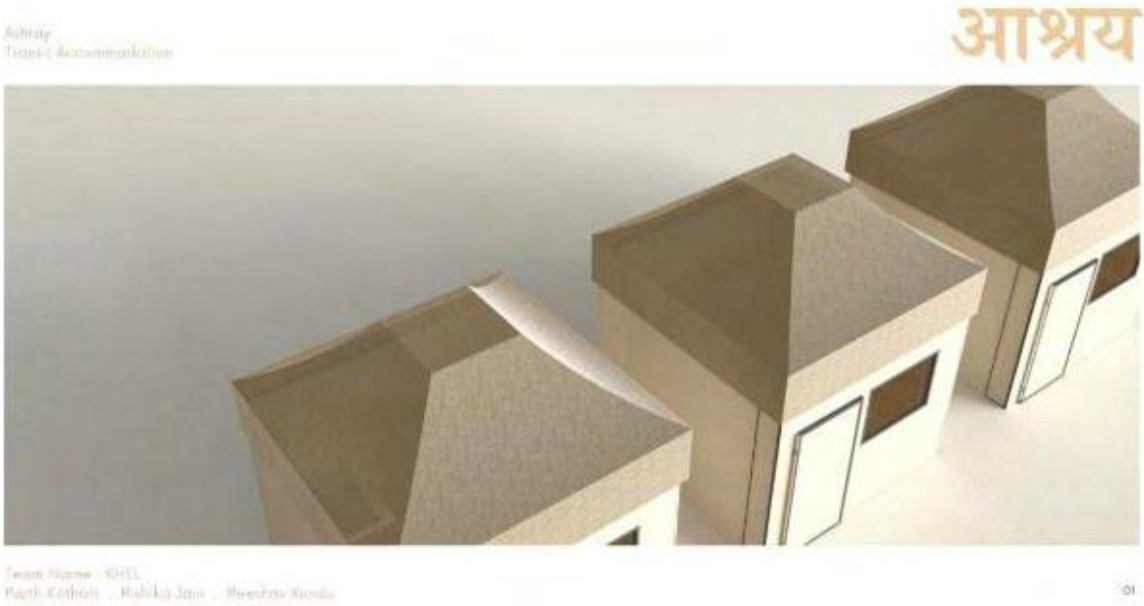

छात्रों के साथ विशेषज्ञों का सत्र प्रगति में है।

आईडी से टुमॉरो लैब के विजेता

क्र.सं.	नाम	ज्ञानानुशासन	शोध कार्यों का विवरण	श्रेणी
4	1. गायत्री रमन 2. रुचि शाह	आईडी	छात्रों के नवोन्मेष श्रेणी के तहत जिम्मेदार पैकेजिंग के लिए मान्यता हेतु प्रमाण-पत्र	FIPSA-2022 (छात्र)
5	सुश्री ऋषिका जैन, श्री पार्थ कोठारी, और श्री रीशव कुंडू	आईडी	टाटा द्वारा पुरस्कृत टुमॉरो लैब के विजेता	टाटा स्टील द्वारा आयोजित डिज़ाइन प्रतियोगिता: नकद पुरस्कार रु. 50,000 (छात्रों के लिए)
11	निवेदियाता महाजन और वैदेही संतोष पंडित, तेजस्वी पटवारी, राम सहस्रबुद्धे, प्रियतम गद्दाम	आईडी एवं टीएडी	पैकेजिंग डिज़ाइन प्रतियोगिता के लिए ट्रॉफी को डिज़ाइन करना	FIPSA

औद्योगिक डिज़ाइन संकाय एवं स्टाफ

श्री राहुल साहनी
(ज्ञानानुशासन प्रमुख - औद्योगिक डिज़ाइन)

सुश्री शिखा अग्रवाल
(ज्ञानानुशासन सह-प्रमुख - चौथा वर्ष)

श्री अनिल कुमार भास्कर
(ज्ञानानुशासन सह-प्रमुख - तीसरा वर्ष)

डॉ. राकेश केशवराव विधाते
(ज्ञानानुशासन सह-प्रमुख - दूसरा वर्ष)

डॉ. श्रीमती सुकन्या बोर सैकिया
(संयुक्त वरिष्ठ संकाय)

श्री मनोज पवार
(सह वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक)

श्री शैलेन्द्र ओझा
(तकनीकी प्रशिक्षक)

श्री आशीष पाल
(एमटीएस)

4.3 बैचलर ऑफ डिज़ाइन (संचार डिज़ाइन)

संचार डिज़ाइन (सी डी) कार्यक्रम छात्रों को मजबूत तकनीकी, रचनात्मक और सहयोगात्मक कौशल प्रदान करके संचार डिज़ाइन के क्षेत्र में उभरते और प्रौद्योगिकीय मांग वाले व्यवसायों में योगदान देने के लिए तैयार करता है। यह कार्यक्रम इस ज्ञानानुशासन के व्यापक परिदृश्य के भीतर निहित अत्यधिक विविधता से बोध कराता है। छात्र संचार डिज़ाइन के विभिन्न क्षेत्रों में जटिल समस्याओं को हल करने के लिए रचनात्मक परिणाम प्राप्त करने हेतु स्वयं में वैचारिक, सौंदर्यशास्त्र अथवा कलात्मक और तकनीकी कौशल विकसित करते हैं।

कार्यक्रम डिजाइन से संबंधित जटिल मुद्दों को दृश्य रूप में हल करने के बारे में शिक्षण प्रदान करता है, जो छात्रों के विचारों और कार्यों को प्रभावित करेगा। शिक्षार्थी को विभिन्न स्टूडियो/लैब असाइनमेंट के माध्यम से इस विस्तृत क्षेत्र के विभिन्न उप-डोमेन से अवगत कराया जाता है, और वे सांस्कृतिक, सामाजिक, पारिस्थितिक और आर्थिक संदर्भ में कन्टेंट को समझना सीखते हैं। छात्रों को बहुआयामी संदेश और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए विभिन्न प्रोजेक्टों पर कार्य करने और परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

स्टोरी-टेलिंग मॉड्यूल के दौरान संकाय के साथ छात्र

डिजिटल फोटोग्राफी मॉड्यूल से परिचय के दौरान छात्र डिजिटल फोटोग्राफी का अन्वेषण करते हुए

आनुभविक एनिमेशन मॉड्यूल में शोध कार्य करते हुए छात्र

साउंड स्टूडियो में छात्र साउंड डिज़ाइन मॉड्यूल का शिक्षण प्राप्त करते हुए

विज़ुअल डिज़ाइन II मॉड्यूल के दौरान अतिथि संकाय के साथ छात्र

जूरी सत्र

1	**दिलु मलियाक्कल**	दील् की 'चलचित्र फिल्म "बगावत" जो चंबल क्षेत्र के डकैती के इतिहास पर आधारित है - जिसे केरल के 15वें अंतर्राष्ट्रीय चलचित्र एवं लघु फिल्म महोत्सव अर्थात इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री एंड शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल ऑफ केरला में मान्यता मिली। दील् की लघु फिल्म "अलविदा - लास्ट गुड बाय" ने Ca' Foscari लघु फिल्म महोत्सव में वेनेज़िया, मुरानो का 'पाटेह सबली' पुरस्कार जीता। 'अलविदा - लास्ट गुड बाय' ने न्यू वेव अंतर्राष्ट्रीय चलचित्र लघु फिल्म महोत्सव,
2	**श्रीजीत गायत्री**	गायत्री की फिल्म "विवर्त" – ने केरल अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव में दूसरा सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ साउंड प्रोडक्शन, 10000 रुपये का नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह जीता। गायत्री की फिल्म "विवर्त" - रोमानिया के रासोव में नेचर स्टोरीज फेस्टिवल यानी प्रकृति संबंधी कहानी महोत्सव के लिए आधिकारिक रूप से चयनित की गई। गायत्री की फिल्म "विवर्त" – को वीजीआईके अंतर्राष्ट्रीय छात्र फिल्म महोत्सव, 2023 में आधिकारिक रूप से चयनित किया गया। गायत्री की फिल्म "विवर्त" - को ७वें अंतर्राष्ट्रीय लोकगीत फिल्म महोत्सव २०२४, केरल, में आधिकारिक रूप से चयनित किया गया। गायत्री की फिल्म "विवर्त" – को बाहरी सी एंड कोस्टल फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक रूप से चयनित किया गया। गायत्री की फिल्म "विवर्त" - को 25वें मदुरै अंतर्राष्ट्रीय चलचित्र और लघु फिल्म महोत्सव में आधिकारिक रूप से चयनित किया गया।
3	**तेजस्वत कादम**	तेजस्वत की "पंडारी" ने वर्ल्ड इंडी फिल्म अवार्ड्स, 2024 में सर्वश्रेष्ठ विश्व टीवी पायलट/वेब सीरीज का पुरस्कार जीता। तेजस्वत की "पंडारी" को आधिकारिक तौर पर चितकारा इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल में चुना गया।
4	**स्वीकृति सोनी**	स्वीकृति ने अमेज़न प्राइम वीडियो की वेडिंग.कॉन वेब सीरीज के लिए स्टोरीबोर्ड और एनिमेटिक, टाइटल सीक्वेंस डिज़ाइन किए।
5	**अरिका शुक्ला**	अरिका के प्रोजेक्ट "वान्या" - को लघु फिल्म 'ए डे इन द लाइफ ऑफ वनरक्षक' (स्पेशियल मेंशन II) के लिए एमपीटीएफएस विशेष पुरस्कार मिला। अरिका की परियोजना "ऑफ पीरियड पॉवर्टी" ने एसोसिएशन ऑफ डिज़ाइनर्स ऑफ इंडिया (एडीआई) द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय छात्र परियोजना डिज़ाइन प्रतियोगिता में फिल्म और एनीमेशन डिज़ाइन श्रेणी के लिए रेलिभेंस पुरस्कार, जूरी चॉइस पुरस्कार, प्रथम रनर अप पुरस्कार जीता।
6	**शुभम नेवारे**	परियोजना वान्या को लघु फिल्म 'ए डे इन द लाइफ ऑफ वनरक्षक' के लिए एमपीटीएफएस स्पेशियल मेंशन (विशेष पुरस्कार II) प्राप्त हुआ।
7	**अयाना सिंह**	एम एंड सी साची ने अपना ब्रांड/प्रोडक्ट oteria.com लॉन्च किया
8	**इशिता सिंघल**	एम एंड सी साची ने अपना प्रोडक्ट Skootr.com लॉन्च किया
9	**कार्तिक महाजन**	कार्तिक की एनीमेशन फिल्म "फूल देई" को चितकारा इंटरनेशनल एनीमेशन फिल्म फेस्टिवल, सिलेक्शन कीफ्रेम्ड 2024, 14वें पुणे शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल, युगांडा फिल्म फेस्टिवल, सिफ्सी 2024 इंडिया, द वेस्ट वर्जीनिया माउंटेनियर शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2024, ओआईएफएफ 2024, ड्यूविल ग्रीन अवार्ड्स 2024, ड्यूमिलाओ 30, 2024, वॉच आउट टेटोवो फिल्म फेस्टिवल, ट्रैवल फेस्ट अल्बानिया 2024, एफआईसी टीएलएक्स 2024 मैक्सिको, II एफआईसीबीईएच कोलंबिया आदि में आधिकारिक रूप से चुना गया। कार्तिक की एनीमेशन फिल्म "फूल देई" – को ४६वें मॉस्को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एमआईएफएफ) में आउट-ऑफ-कम्पिटशन एनिमिनेशन चयन के लिए आधिकारिक रूप से चयनित किया गया। कार्तिक की एनिमेशन फिल्म "फूल देई" को फेस्टिवल डी साइन डी एन्काश, पेरू में विशेष जूरी पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्तिक की एनिमेशन फिल्म "फूल देई" को मॉस्को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, रूस में इंटरनेशनल प्रीमियर और रिकॉग्निशिन पुरस्कार मिला। कार्तिक की एनिमेशन फिल्म "फूल देई" ने 'II वोरोनिश इंटरनेशनल एनिमेशन फेस्टिवल अवार्ड, रूस' जीता
10	**अग्नि माया**	चलचित्र फिल्म "चार" को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए आधिकारिक रूप से चयनित किया गया। इसे लखनऊ में सीएमएस, अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव (आईसीएफएफ, २०२४) में एक विशेष स्क्रीनिंग के साथ ऑनरेरी अवार्ड प्राप्त हुआ। ' इसे 'स्नो लेपर्ड फिल्म फेस्टिवल (डब्ल्यू एल आई एफ एफ), स्टॉकहोम, स्वीडन, २०२४ में आधिकारिक रूप से चयनित किया गया। इसे निकोमीडिया फिल्म अवार्ड्स (तुर्की) में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री विनर - स्प्रिंग २०२४ का पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसे 'वेसुवियस इंटरनेशनल फिल्म अवार्ड्स, २०२४, जो कि इटली में ४१वां संस्करण था, में सर्वश्रेष्ठ लघु चलचित्र फिल्म के लिए फाइनलिस्ट घोषित किया गया, जहां इसने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार भी प्राप्त किया। इसे ४थिएटर सलेक्शन २०२४ में आधिकारिक रूप से चयनित किया गया, जिसे उनके आधिकारिक सामूहिक ऑनलाइन में प्रदर्शित किया गया था।

"अलविदा" का पोस्टर – दिलु मलियाक्कल (बैच 2019-2023) द्वारा प्रस्तुत एक फिल्म।

दिलु मलियाक्कल (बैच २०१९-२०२३ का एक छात्र) फिल्म बिरादरी के साथ आईडीएफएफके २०२३ में।

श्रीजीत गायत्री (बैच 2019-2023) द्वारा प्रस्तुत फिल्म "विवर्त" का पोस्टर

श्रीजीत गायत्री (बैच २०१९-२०२३) मॉस्को, रूस में अपने द्वारा निर्देशित फिल्म – विवर्त'' का प्रतिनिधित्व करते हुए फिल्म बिरादरी के साथ आईडीएफएफके 2023 में।

'पंडारी'' 5 तेजस्वत कादम (बैच 2019-2023) द्वारा प्रस्तुत एक एनिमेटेड फिल्म का पोस्टर

''फूल देई'' – कार्तिक महाजन (बैच 2019-2023) द्वारा प्रस्तुत एक एनिमेशन फिल्म का पोस्टर

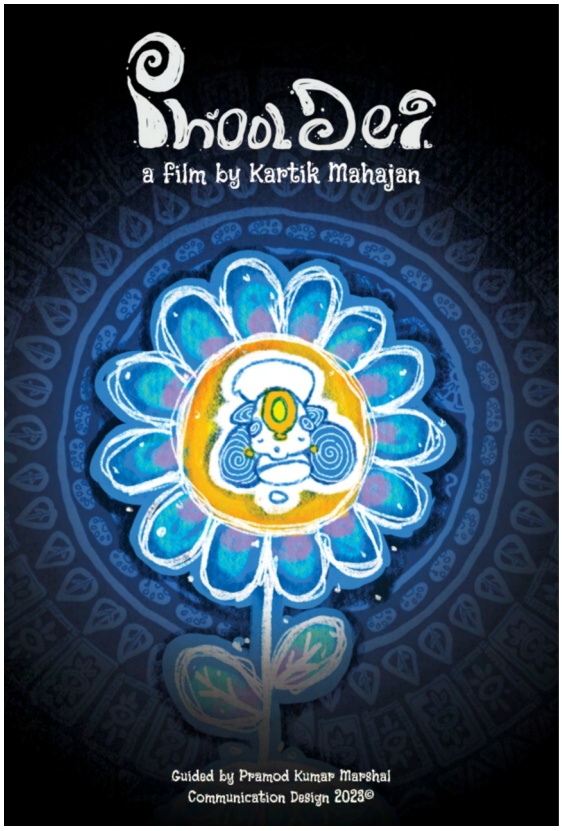

कार्तिक महाजन (बैच २०१९-२०२३) द्वारा प्रस्तुत एक एनिमेशन फिल्म का पोस्टर

"फूल देई" – कार्तिक महाजन (बैच २०१९-२०२३) द्वारा एक एनिमेटेड फिल्म - II वोरोनिश इंटरनेशनल एनिमेशन फेस्टिवल अवार्ड, रूस में विजेता

अमेज़न प्राइम पर Wedding.Con शीर्ष वेबसिरीज के लिए स्वीकृति सोनी (बैच २०१९-२०२३) द्वारा प्रस्तुत एनिमेशन एवं टाइटल सिक्वेंस डिज़ाइन

संचार डिजाइन ज्ञानुशाशन के संकाय और कर्मचारी सदस्य

शश्री प्रमोद कुमार मार्शल
(सयुंक्त वरिष्ठ संकाय एवं
ज्ञानुशाशन प्रमुख)

डॉ सेतु शर्मा
(संकाय)

श्री मयंक शर्मा
(वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक)

श्री वैभव पाठक
(सह वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक)

श्री शुभम राजपूत
(तकनीकी सहायक)

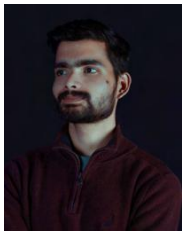

श्री आकाश
(एमटीस)

4.4 बैचलर ऑफ डिज़ाइन बी.डेस. (कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन)

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन संकाय एक अद्वितीय कार्यक्रम प्रदान करता है जिसमें कपड़ा, परिधान, फैशन, इंटीरियर और असेसरी डिज़ाइन को एकीकृत किया गया है। यह शाखा व विभाग कपड़ा उत्पादों, परिधान डिज़ाइन, जीवनशैली एवं फैशन असेसरीज के विकास तथा उनके वाणिज्यकरण के लिए समग्र उपागम (एप्रोच) पर जोर देता है। इस शाखा के अंतर्गत कार्यक्रम गहन वैज्ञानिक प्रक्रियाओं पर तैयार किए गए हैं, जिनमें कपड़ा विकास, परिधान विनिर्माण प्रौद्योगिकी, और जीवन-शैली एवं फैशन असेसरीज को सम्मिलित किया गया है। छात्रों को पारंपरिक हस्तनिर्मित तकनीकों और आज के युग में कपड़ा, परिधान और असेसरीज उद्योगों से संबंधित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में कौशल व दक्षता प्राप्त करने में समर्थ बनाया जाता है। हमारे संकाय सदस्य कपड़ा, परिधान, जीवन-शैली फैशन और असेसरी डिज़ाइन में विशेषज्ञ होते हैं जो छात्रों के लिए एक व्यापक और सकारात्मक चिंतनशील शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित करते हैं।

ज्ञानानुशासन का संक्षिप्त परिचय

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन कार्यक्रम में कपड़ा, फैशन, जीवन-शैली साधन, और इंटीरियर डिज़ाइन क्षेत्रों की विधि आवश्यकताओं से संबंधित उपागमों को सम्मिलित किया गया है। यह कपड़ा उत्पाद विकास और परिधान डिज़ाइन के बीच बेहतर संतुलन बनाता है और कपड़ा विकास एवं परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी, दोनों के वैज्ञानिक पहलुओं पर जोर देता है।इस कार्यक्रम में छात्र पारंपरिक हस्तनिर्मित तकनीकों में कौशल प्राप्त करते हैं और कपड़ा एवं परिधान उद्योग के भीतर प्रगत आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना सीखते हैं। पाठ्यक्रम डिज़ाइन, कपड़ा और ऐतिहासिक संदर्भ को सहजता से समावेशित करता है, जिससे छात्र को एक गतिशील और चुनौतीपूर्ण शिक्षण प्राप्त होता है और वे उद्योग के रचनात्मक अग्रभाग में स्थान पाते हैं।स्नातक पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र में तथा कपड़ा, परिधान और असेसरीज के प्रौद्योगिकीय रूप से प्रगत क्षेत्रों, दोनों में दक्षता प्राप्त करने ने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो जाते हैं।

अधिगम-शिक्षण गतिविधियां

एडवांस्ड सरफेस डिज़ाइन मॉड्यूल के दौरान बुनाई शिल्पशाला में छात्र स्वैचिज (चकती) की बुनाई करते हुए (बैच २०२१-२५)

बुनाई शिल्पशाला में शोध कार्य करते हुए छात्र संकाय के साथ

थीयेटर एवं कस्त्यूम एलेक्टिव के दौरान छात्र कस्त्यूम प्रदर्शित, अभिनय करते हुए और स्टेज का दृश्य

फैशन, कला एवं कस्ट्यूम मॉडल्यू के इतिहास में छात्र कार्य करते हुए

डाइ शिल्पशाला

कपड़ा और परिधान डिजाइन संकाय द्वारा आयोजित डिजाइन कार्यशाला

जैकर्ड बुनाई शिल्पशाला

हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग शिल्पशाला

ट्राइडेंट लिमिटेड, बुधनी में शैक्षणिक दौरा (बैच २०२२-२६)

भारत टेक्स 2024 में शैक्षणिक दौरा

सेमेस्टर सत्रांत जूरी

सत्र के दौरान जूरी (बैच २०२२-२६)

कपड़ा और परिधान डिजाइन ज्ञानुशाशन के संकाय और कर्मचारी सदस्य

श्रीमती ज्योति पाल
(ज्ञानुशाशन समन्वयक)

डॉ शेखर चटर्जी
(वरिष्ठ संकाय)

सुश्री लुबना सैफ़ी
(संकाय)

सुश्री सोनल वणजारे
(संकाय)

डॉ शबरीधरण
(प्रधान तकनीकी प्रशिक्षक)

श्री पिंटू प्रताप सिंह
(तकनीकी प्रशिक्षक)

श्री राजेंद्र विश्वकर्मा
(एमटीस)

4.5 गुणवत्ता प्रबंधन

रा.डि.सं. म. प्र. गुणवत्ता प्रबंधन पर बहुत ज़ोर देता है, जिसके लिए हम अपने प्रसंस्करणों में उच्चतम मानकों को कायम रखने के लिए कई तरह के उपायों और विधियों का प्रयोग करते हैं। हमारी गुणवत्ता तंत्र आवश्यक संरचनाएँ स्थापित करता है, प्रक्रियाओं को परिभाषित करता है, और उच्च-गुणवत्ता के परिचालनों के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए ज़िम्मेदारियाँ सौंपता है। इसमें प्रक्रियाएँ, दिशा-निर्देश, फ़ीडबैक तंत्र और मौजूदा तंत्रों को बढ़ाने के लिए एक फ्रेमवर्क सन्निहित है - सभी का उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता की प्रदायगी व परिदेय में निरंतरता अथवा स्थिरता को बढ़ावा देना है।

गुणवत्ता प्रबंधन के लिए हमारे दृष्टिकोण के केंद्रबिंदु में निरंतर सुधार लाना है। रा.डि.सं. म. प्र. कार्यक्रमों को परिष्कृत करने, उद्योग की माँगों के अनुसार छात्रों के कौशल को बढ़ाने और संस्थान एवं उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। रा.डि.सं. म. प्र. छात्रों और कर्मचारियों दोनों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए नियमित कदम उठाते हुए संस्थान के समुदाय को अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से अवसर प्रदान करता है। संस्थान सौर पैनलों, जल पुनर्भरण गड्ढों, और सौर वॉटर हीटरों के उपयोग सहित विभिन्न पहलों व क्रियाकलापों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देता है। पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रथाओं में पौधों और मैदान की सिंचाई के लिए पुनर्चक्रित जल का उपयोग, बैठकों और कार्यक्रमों में पुन: उपयोग की जाने वाली पानी की बोतलों का इस्तेमाल करना, और विवेकपूर्ण खाद्य उपभोग को बढ़ावा देना शामिल है। कम्पोस्ट मशीन जैविक कचरे को मूल्यवान कम्पोस्ट में परिवर्तित करती है, जो संस्थान की हरित पहलों के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

4.6 प्रवेश

रा.डि.सं. म. प्र. ४-वर्षीय बैचलर ऑफ डिज़ाइन (बी.डेस.) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। छात्रों को एक केंद्रीकृत डीएटी (डिज़ाइन एप्टीट्यूड टेस्ट) के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। रा.डि.सं. म. प्र. में बेचलर ऑफ डिज़ाइन कार्यक्रमों में प्रवेश डीएटी के दो चरणों में उम्मीदवार के प्रदर्शन पर आधारित है। इन परीक्षाओं का उद्देश्य उम्मीदवारों के ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक क्षमताओं का आकलन करना है। रा.डि.सं. म. प्र. में बेचलर ऑफ डिज़ाइन कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले सफल उम्मीदवारों को एक वर्ष की अवधि के अनिवार्य फाउंडेशन कार्यक्रम में भाग लेना होगा। फाउंडेशन कार्यक्रम के सफल समापन के बाद ही उम्मीदवार की योग्यता और वरीयता के आधार पर उसके पसंद के विषय का आवंटन किया जाता है।बैचलर ऑफ डिज़ाइन प्रोग्राम में भारतीय नागरिकों के लिए आरक्षित श्रेणियों सहित सीटों की संख्या पचहत्तर (७५) है।

बैचलर ऑफ डिज़ाइन प्रोग्राम में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए सीटों की संख्या ग्यारह (११) है। विभिन्न आरक्षित श्रेणियों से संबंधित उम्मीदवारों (भारतीय नागरिकों) के लिए आरक्षित सीटों का प्रतिशत भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित किया जाता है।

बैच 2023-27 में प्रवेश दिए गए छात्रों के विवरण :

श्रेणी	कुल सीटें	आवंटित/ भरी गई सीटें
सामान्य श्रेणी	30	30
ई डब्ल्यू एस	8	8
अन्य पिछड़ा वर्ग-एनसीएल श्रेणी	20	20
अ.जा. श्रेणी	11	11
अ.ज.जा. श्रेणी	6	6
आधिक्य (सुपरनुमेरी)*	11*	3*
कुल (* विदेशी छात्र श्रेणी सहित)	75 + 11*	75+3*

अंतिम चयन सीटों की उपलब्धता और प्रवेश प्रक्रिया में उम्मीदवार के स्कोर पर आधारित है। यह ध्यान देने योग्य है कि प्रवेश प्रक्रिया अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है और प्रत्येक वर्ष प्रवेश के लिए केवल सीमित संख्या में छात्रों को चयनित किया जाता है। रा.डि.सं. म. प्र. में सीटों का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	सीटें (शैक्ष. वर्ष 2022 - 23)
1	बेचलर ऑफ डिज़ाइन (औद्योगिक डिज़ाइन)	25 + * (आधिक्य सीटें)
2	बेचलर ऑफ डिज़ाइन (संचार डिज़ाइन)	25 + * (आधिक्य सीटें)
3	बेचलर ऑफ डिज़ाइन (कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन)	25 + * (आधिक्य सीटें)

विदेशी उम्मीदवारों की 11 (4+4+3) सीटों सहित कुल सीटों की संख्या 86 है, जिसे ज्ञानानुशासन/शाखा के लिए प्राथमिकता एवं मेरिट के आधार पर विभाजित किया जाएगा।

छात्रों को प्रथम वर्ष में एक सामान्य फाउंडेशन अध्ययन कार्यक्रम से गुजरना होता है। इस कार्यक्रम के सफल समापन पर, छात्रों को प्रथम वर्ष के दौरान उनके प्रदर्शन और उनकी चुनी हुई प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए ज्ञानानुशासन व शाखा आवंटित की जाएगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य दुनियाभर के छात्रों का स्वागत कर अधिक संख्या में विविध छात्रों के निकाय को बढ़ावा देना और समावेशिता को पोषित करना है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों से विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विविधता में योगदान करने, वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करने और सभी छात्रों को तेजी से पारस्परिक रूप से जुड़े वैश्विक समाज के लिए तैयार करने में सहायता करने की अपेक्षा की जाती है।

बैचलर ऑफ डिज़ाइन (बी.डेस.) बैच 2022-26

वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत (एजीपीए) के अनुसार मेरिट के क्रम, छात्र द्वारा चुने गए विकल्प और विभिन्न ज्ञानानुशासनों में सीटों की उपलब्धता के आधार पर, 2022-26 बैच के छात्रों को ज्ञानानुशासन के आवंटन के विवरण निम्न प्रकार हैं:

औद्योगिक डिज़ाइन	25
संचार डिजाइन	25+1
कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन	16

प्रथम दीक्षांत समारोह
First Convocation
2023
प्रथम दीक्षांत समारोह
First Convocation
2023
प्रथम दीक्षांत समारोह
First Convocation
2023

5
उपलब्धियां और गतिविधियां

5.1 संबद्धन, सदस्यताएँ और एमओयू

5.1.1 सदस्यताएँ

संस्थान निम्नलिखित संघों अर्थात एसोसिएशनों का सदस्य है:

क्र. सं.	संगठन का नाम
i	वर्ल्ड डिज़ाइन आर्गेनाइजेशन – डब्ल्यू डी ओ
ii	कुमुलस
iii	भारतीय उद्योग संघ (राष्ट्रीय)
iv	भारतीय विश्वविद्यालय संघ
v	इंडिया हेबिटेट सेंटर

औद्योगिक क्षेत्र के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उपरोक्त संघों के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सार्थक वार्तालाप करने हेतु संस्थान के निदेशक और अन्य सम्मानित संकाय सदस्य इन संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इन बैठकों के दौरान, हमारी चर्चाएँ मुख्य रूप से शिक्षाविदों और उद्योग के बीच अमूल्य सहयोग के इर्द-गिर्द रहती हैं। हम अन्य प्रासंगिक विषयों के बीच टॉपिक्स को इस रूप में निर्धारित करते हैं - कौशल विकास, उद्योग की ज़रूरतों के अनुरूप पाठ्यचर्या डिज़ाइन, छात्रों के लिए इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अवसर, अनुसंधान और विकास में भागीदारियां, उद्योग समर्थित परियोजनाएँ, संयुक्त कार्यक्रम, और शिल्पशालाएँ। उद्योग के साथ हमारा संबद्धन (एफिलिएशन) हमें कई गुना लाभ प्रदान करता है। यह हमें उद्योग-विशिष्ट संसाधनों, वित्तीय सहायता और महत्वपूर्ण भागीदारियों से पहुँच प्रदान करता है। इन संबद्धनों ने छात्रों को व्यावहारिक शिक्षण के अनुभव प्रदान करने, स्वयं को नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों से अपडेट रखने और स्वयं को कार्यबल के लिए अपेक्षित कौशलों से समर्थ होने में संस्थान की क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

5.1.2 समझौता ज्ञापन

क. सामान्य उद्देश्य

(i) व्यावसायिक दक्षताओं के क्षेत्र में प्रत्येक संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए सूचना, आलेखों, रिपोर्टों और शिक्षण सामग्री का आदान-प्रदान करना।

(ii) दोनों संस्थानों के सदस्यों के बीच शिक्षा और अनुसंधान में संचार और सहयोग को मजबूत और प्रोत्साहित करना।

(iii) लचीले एवं मुक्त दूरस्थ शिक्षण और डिज़ाइन के क्षेत्रों में दोनों संस्थानों के अन्वेषकों के बीच संबंधों को बढ़ाना।

(iv) सहयोगात्मक अनुसंधान, अध्यापन, तकनीकी सहयोग, मूल्यांकन और प्रकाशन जैसी शैक्षणिक परियोजनाएं विकसित करना। मानव और तकनीकी संसाधन प्रत्येक संस्था/संस्थान से निर्दिष्ट किए जाएंगे, जो इन शैक्षणिक परियोजनाओं को डिज़ाइन करने और संचालित करने में योगदान देंगे। साथ ही, शैक्षणिक परियोजनाओं के उत्पादों का मूल्यांकन, पर्यवेक्षण और उपयोग करने के लिए तंत्र एवं कार्रवाइयां संयुक्त रूप से की जाएंगी। लचीले और मुक्त दूरस्थ शिक्षण तथा डिज़ाइन के क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षा में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना, जिसमें निम्न शामिल हैं:

क) शोधकर्ताओं का शिक्षण और आदान-प्रदान

ख) व्याख्यान, सेमिनार, संगोष्ठी, बैठकें आदि आयोजित करना

ग) साझा हित की परियोजनाओं का विकास

घ) दोनों संस्थानों के पारस्परिक लाभ के लिए संकाय और छात्रों का दौरा

ङ) संयुक्त शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना

च) अनुसंधान के संचालन में सहयोग करना (वित्तों को छोड़कर)।

(v) विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यावसायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विशेषज्ञता और सूचना का आदान-प्रदान।

(vi) इन केंद्रों के व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देकर प्रौद्योगिकी संवर्धन केंद्रों, इनक्यूबेटर्स, एक्सीलेटर्स और अन्य ऐसी पहलों का समर्थन करना और मध्य भारत में उद्योग को मजबूत करने के लिए ज्ञान हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करना।

ख. शोधार्थियों का आदान-प्रदान और शैक्षणिक सहयोग

(i) दोनों संस्थानों के शैक्षणिक कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रमों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और अन्य माध्यमों से शिक्षण व अधिगम के अवसरों को विकसित करना।

(ii) व्यावसायिक दक्षताओं को सीखने के लिए संस्थानों के बीच छात्रों की यात्राओं में सुविधा प्रदान करना, साथ ही साथ ऐच्छिकों में भाग लेना।

(iii) शिक्षण और अनुसंधान में भाग लेने के लिए समर्पित संकाय सदस्यों, व्यावसायिकों और छात्रों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना।

ग. बौद्धिक संपदा आविष्कार और नवोन्मेष

बौद्धिक संपदा (ट्रेडमार्क और सेवा मानदंड, कॉपीराइट, पेटेंट, डिज़ाइन और उक्त बौद्धिक संपदाओं, आविष्कारों और नवोन्मेषों के बारे में गोपनीय सूचना सहित) के टाइटल और उपयोग के संबंध में शर्तों पर अनुसंधान-विशेष परियोजना में परियोजना-दर-परियोजना आधार पर बातचीत की जाएगी जो मोटे तौर पर दोनों संस्थानों की आईपीआर नीति द्वारा शासित होगी। यदि यह किसी परियोजना के बारे में निर्दिष्ट नहीं है, तो संपत्ति डिफ़ॉल्ट आधार पर संयुक्त स्वामित्व में होगी।

क्र.सं.	हस्ताक्षरित एमओयू के विवरण	तिथि
1	ओडीओपी, उद्योग निदेशालय, विभाग (एमएसएमई), मध्य प्रदेश सरकार के साथ प्रस्ताव पर हस्ताक्षर	9 अगस्त 2023
2	वान्या (जनजातीय कार्य विभाग, मध्य प्रदेश सरकार) के साथ समझौता ज्ञापन	10 अगस्त 2023
3	एमएएनआईटी भोपाल के साथ समझौता ज्ञापन	9 अक्टूबर 2023
4	एनआरडीसी के साथ समझौता ज्ञापन	20 अक्टूबर 2023
5	केरल स्टेट कॉयर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, केरल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	3 जनवरी 2024
6	मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के साथ समझौता ज्ञापन	5 जनवरी 2024

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश, (रा.डि.सं. म.प्र.) द्वारामैनिट, भोपाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश, (रा.डि.सं. म.प्र.) द्वारा केरल स्टेट कॉयर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, केरल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश, (रा.डि.सं. म.प्र.) द्वारा मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

5.2 पुरस्कार एवं सम्मान

रा.डि.सं. म.प्र. में आईएसओ 9001:2015
कार्यान्वयन और आईएसओ प्रमाणन

रा.डि.सं. म.प्र. ने भारतीय गुणवत्ता परिषद की नामित एजेंसियों में से एक द्वारा डिज़ाइन शिक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में उत्कृष्टता की अक्षुण्णता के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन सफलतापूर्वक प्राप्त किया।

IRCLASS
SYSTEMS AND SOLUTIONS PRIVATE LIMITED

CERTIFICATE OF APPROVAL
Issued by Indian Register Quality Systems
(A Division of IRCLASS Systems and Solutions Private Limited)

This is to certify that the Quality Management Systems of

Organisation: National Institute of Design,Madhya Pradesh

Address: Acharpura, Eint Khedi,
Post Arwaliya, Bhopal,
Madhya Pradesh - 462 038

has been assessed and found conforming to the following requirement

Standard: ISO 9001:2015

Scope: Offering 4 Years Bachelor's Degree Courses for:
1. Industrial Design,
2. Communication Design
3. Textile & Apparel Design

Certificate No.: IRQS/230100746

Initial Certification Date : 19/07/2023

Current Date of Granting : 19/07/2023

Expiry Date : 18/07/2026

Indian Register Quality Systems

Shashi Nath Mishra
Head IRQS

This approval is subject to continued satisfactory maintenance of the Quality Management Systems of the organization to the above standard which will be monitored by IRQS. The use of the Accreditation Mark indicates accreditation with respect to activities covered by the certificate with accreditation no. QM 006. Condition Overleaf

Head Office: 52A, Adi Shankaracharya Marg, Opp.Powai Lake, Powai, Mumbai - 400 072, India.

रा.डि.सं. म.प्र. आईपीआर प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म.प्र.) में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रकोष्ठ ने नवोन्मेष को बढ़ावा देने और बौद्धिक संपदा के संरक्षण में महत्वपूर्ण अहम उपलब्धियां हासिल की हैं। भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी किया गया डिज़ाइन पंजीकरण, रा.डि.सं. म.प्र. की उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो प्रभावकारी आईपी प्रबंधन के माध्यम से संस्थान के अनुसंधान और विकास क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उसके समर्पण को रेखांकित करता है।

1. पंजीकृत डिज़ाइन (प्रमाणपत्र जारी) - ०६
2. दायर किए गए पूर्ण पेटेंट आवेदन - ०१
3. दाखिल किए गए अनंतिम पेटेंट आवेदन - ०१
4. प्रक्रियाधीन डिज़ाइन आवेदन - ०१
5. दायर किए गए ट्रेडमार्क आवेदन - ०१ (रा.डि.सं. म.प्र. लोगो)

क्र. सं.	डिज़ाइन पंजीकरण शीर्षक	पंजीकृत व्यक्ति का नाम
1	''डिज़ाइन पंजीकरण शीर्षक वर्क बेंच का प्रमाणपत्र	रा.डि.सं. म.प्र., सुश्री विनया रूपेश शिदोरे
2	''डिज़ाइन पंजीकरण शीर्षक हॉट केस का प्रमाणपत्र	रा.डि.सं. म.प्र., सुश्री मीरा प्रकाश रायचुरा, डॉ. राकेश केशवराव विधाते
3	''डिज़ाइन पंजीकरण शीर्षक वेंडिंग कार्ट का प्रमाणपत्र	रा.डि.सं. म.प्र., श्री रुशिकेश प्रमोद पिंगले, सुश्री नित्या नितिन नावेलकर, श्री उत्कर्ष अशोक बनकर, श्री अमित कुमार गेहलोत
4	''डिज़ाइन पंजीकरण शीर्षक सोलर स्ट्रीट लाइट का प्रमाणपत्र	रा.डि.सं. म.प्र., श्री राहुल साहनी, डॉ. शबरीधरन, डॉ. राकेश केशवराव विधाते
5	''डिज़ाइन पंजीकरण शीर्षक ग्राटर का प्रमाणपत्र	रा.डि.सं. म.प्र., श्री रुशिकेश प्रमोद पिंगले, श्री अनिल कुमार भास्कर
6	''डिज़ाइन पंजीकरण शीर्षक चेयर का प्रमाणपत्र जिसे विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिज़ाइन किया गया है	रा.डि.सं. म.प्र., सुश्री ऋषिका जैन

संचार डिज़ाइन

1.**तेजस्वत वी कादम (सीडी बैच 2019-23) की एनिमिनेशन फिल्म "पंडारी"** ने वर्ल्ड इंडी फिल्म अवार्ड्स, 2024 में सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड टीवी पायलट/वेब सीरीज का पुरस्कार जीता।

तेजस्वत वी कादम की एनिमिनेशन फिल्म "पंडारी" को आधिकारिक तौर पर चितकारा इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल में चयनित किया गया।

WORLD INDIE FILM AWARDS

WINNERS

Best World Short Film – Who Did This? (Director: Zhang Qu, China)

Best Africa Short – The Fetish (Director: Kouamé Mathurin Samuel Codjovi, Togo)
Best Asia Short – Who Did This? (Director: Zhang Qu, China)
Best Europe Short – Esther's Tale (Director: Simone Barletta, Italy)
Best North-America Short – Relieve (Director: Rajesh Vemula, United States)
Best Oceania Short – Hard to Swallow (Director: Claire Riverland, Australia)
Best South-America Short – On Sundays (Director: Olavo Junior, Brazil)
Best World Feature Film – Mimist (Director: Gunho Jang, Korea, Republic of)
Best World Documentary Feature – Feminine Singular (Director: Dorian Shine, Argentina)
Best World Animation Short – The diary of a projectionist (Director: Dani Segui Florit, Spain)
Best World Dance Short – Aquaballet (Director: Marianne Aventurier, France)
Best World Documentary Short – Cash Cow (Director: Dora Szelei, Hungary)
Best World First-Time Filmmaker Movie – Curiosity (Director: Kaja Jakubowska, Poland)
Best World Music Video – Closure (Director: Faraz Alam, Czech Republic)
Best World Smartphone Short – Farm to Fork (Director: Tschenda Rigzin Wangdi, Bhutan)
Best World Student Short – Don´t Leave Me (Director: Manuel Muñoz Valdez, Mexico)
Best World Trailer – The Legend of Us (Director: Robert L. Poole, United States)
Best World TV Pilot/Web Series – Pandari (Director: Tejaswat Kadam, India)

HONORABLE MENTIONS

On/Off (Director: Jurg Slabbert, South Africa)
Dark but Bright (Director: Nazanin Karimi – Iran, Islamic Republic of)
The Last Sketch (Director: Edgar Huebert, Germany)
Daisy (Directors: Aditi Dixit, Joffrey Atienza Zamora, Shecid Domínguez Aguilera – Spain)
The Patriot (Director: Cornelius Chen, China)

2. **दीलू मलियाक्कल (सीडी बैच २०१९-२३) की 'लघु फिल्म "अलविदा - लास्ट गुड बाय"** ने Ca' Foscari लघु फिल्म महोत्सव, इटली में वेनेज़िया, मुरानो का 'पाटेह सबली' पुरस्कार जीता।

दीलू की 'लघु फिल्म "बगावत" ने नेवर एंडिंग स्टोरी फिल्म फेस्टिवल २०२३ के प्रथम संस्करण में नॉन फिक्शन फिल्म श्रेणी में 'सिल्वर एनईएस पुरस्कार' जीता।

"अलविदा – लास्ट गुड बाइ" को आधिकारिक तौर पर कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2023 में चयनित किया गया।

3.**स्वीकृति सोनी (सीडी बैच २०१९-२३)** ने अमेज़न प्राइम वीडियो की Wedding.con वेब सीरीज के लिए स्टोरीबोर्ड और एनिमेटिक, टाइटल सीक्वेंस डिज़ाइन किए।

4. **श्रीजीतगायत्री (सीडी बैच २०१९-२३) की फिल्म "विवर्त"** ने केरल अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव में दूसरा सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ साउंड प्रोडक्शन, 10000 रुपये का नकद पुरस्कार और स्मृति-चिन्ह जीता।

गायत्री की फिल्म "विवर्त" को रासोव में नेचर स्टोरीज फेस्टिवल के लिए आधिकारिक रूप से चयनित किया गया।

5.**कार्तिक महाजन (सीडी बैच २०१९-२३) की एनीमेशन फिल्म "फूल देई"** को चितकारा अंतर्राष्ट्रीय एनीमेशन फिल्म महोत्सव में आधिकारिक रूप से चयनित किया गया।

6.**सुश्री अग्नि माया (सीडी बैच २०२०-२४) की चलचित्र फिल्म "चार"** को सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए आधिकारिक रूप से चयनित किया गया। इसे सीएमएस, अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव (आईसीएफएफ, २०२४) में लखनऊ में एक विशेष स्क्रीनिंग के साथ ऑनरेरी अवार्ड प्राप्त हुआ।

औद्योगिक डिज़ाइन

१. श्री ऋषिकेश पिंगले 'बैटल ऑफ प्रोजेक्ट', जो कि एसोसिएशन ऑफ डिज़ाइनर्स इंडिया (एडीआई) द्वारा आयोजित 18वें पुणे डिज़ाइन फेस्टिवल में वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय छात्र शैक्षणिक प्रोजेक्ट प्रतियोगिता थी, के दूसरे उपविजेता थे।

2.सुश्री प्रियंगा राजकुमार और सुश्री कावेरी खंडेलवाल सॉल्व द एसडीजीज' हैकथॉन की विजेता थीं, जिसे जंक्शन द्वारा आयोजित और आईआईटी मद्रास, एक्सेंचर और सस्टेनेबिलिटी मेफिया द्वारा आयोजित किया गया। यह एक ऐप बनाने की ४८ घंटे की प्रतियोगिता (चुनौती) थी और निम्न छात्रों ने "ईवी चार्जिंग स्टेशन लोकेटर" नामक ऐप निर्मित करने में भाग लिया।

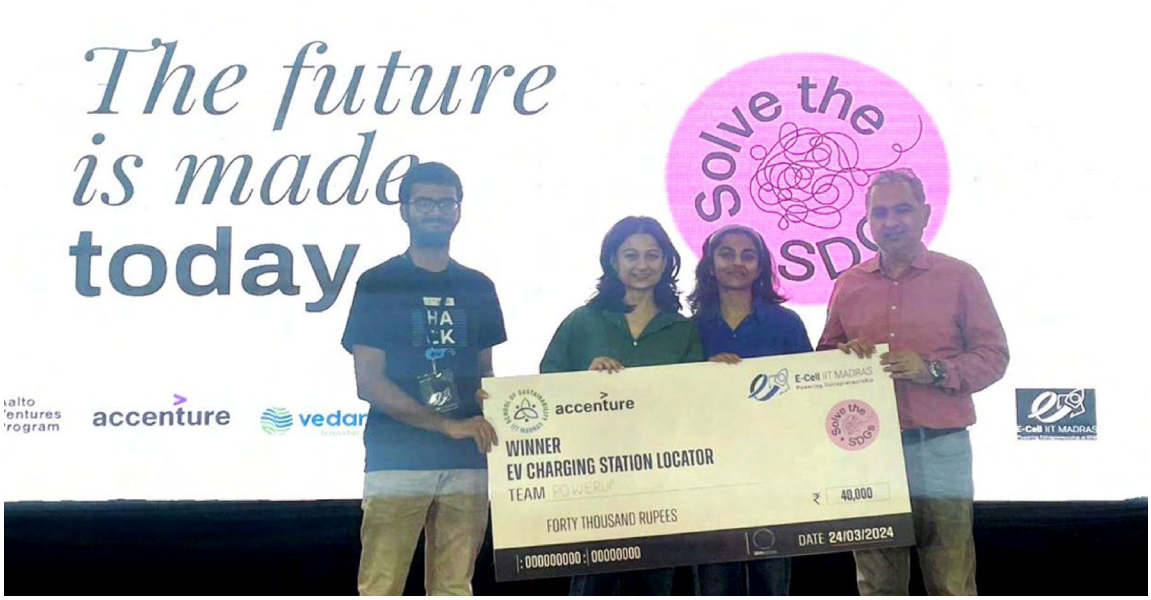

3. अंतिम वर्ष २०२४ की छात्रा, सुश्री रुचि शाह को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार अर्थात एसआईटी फर्नीचर डिज़ाइन अवार्ड २०२४ से सम्मानित किया गया। रुचि इनोवेटिव क्रिएशन ने पब्लिक पार्क पब्लिक एरिया फर्नीचर श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

4. श्री आर्य प्रभुकेलुस्कर (आईडी छात्र) के एक अनंतिम पेटेंट दायर "ए फिटनेस ट्रैकिंग डिवाइस" को आविष्कारक के नाम पर दायर किया गया, 2023

5. श्री रुशिकेश प्रमोद पिंगले (आईडी छात्र) और श्री अनिल कुमार भास्कर (आईडी संकाय) के डिज़ाइन पंजीकरण "ग्रेटर' ', 2023 को पुरस्कृत किया गया।

6. सुश्री मीरा प्रकाश रायचुरा (सीडी छात्र) और डॉ राकेश के. विधाते (आईडी संकाय) के डिज़ाइन पंजीकरण "हॉट केस", २०२३ को पुरस्कृत किया गया।

7. श्री रुशिकेश प्रमोद पिंगले (आईडी छात्र), सुश्री नित्या नितिन नावेलकर (सीडी), श्री उत्कर्ष अशोक बनकर (सीडी) और श्री अमित कुमार गहलोत (एफएस संकाय) के डिज़ाइन पंजीकरण "वेंडिंग कार्ट", 2023 को पुरस्कृत किया गया।

8. श्री राहुल साहनी (आईडी संकाय), डॉ. शबरीधरन (टीएडी संकाय), डॉ. राकेश के. विधाते (आईडी संकाय) के डिज़ाइन पंजीकरण "सोलर स्ट्रीट लाइट", 2023 को पुरस्कृत किया गया।

9. श्री नंदीश महेश पटेल (आईडी छात्र) और सुश्री नीतिका देवगन (एफएस संकाय) के डिज़ाइन पंजीकरण "पैकेजिंग टॉय कार", २०२४ को पुरस्कृत किया गया।

5.3 गणमान्य आगंतुक 2023-24

1. डॉ. गोविंद भार्गव, विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) भोपाल, संस्थागत तालमेल के लिए बातचीत शुरू करने हेतु २० अप्रैल, २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

2. लेफ. कर्न. आशीष अग्रवाल, निदेशक, एनआईएफटी तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए तथा एक स्टूडियो स्थापित करने में यात्रा को सुविधा प्रदान करने के लिए अपने संकाय सदस्यों यानी श्री अयान तिवारी - सह प्रोफेसर, श्री ऋषिकांत - सहायक प्रोफेसर, श्री बीरेंद्र बलियार सिंह - सहायक प्रोफेसर, सुश्री चित्रा एस - सहायक प्रोफेसर, श्री सिकंदर बख्त - कंप्यूटर इंजीनियर के साथ निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आए और यह निर्णय लिया गया कि श्री प्रमोद कुमार मार्शल, डीएल सीडी टीम का मार्गदर्शन और सहायता करने के लिए २१ अप्रैल, २०२३ को वहां मौजूद रहेंगे।

3. डॉ. सुशील चंद्रा, वैज्ञानिक 'जी', इनमास, डीआरडीओ, रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए और उन्होंने इनक्यूबेशन सेंटर और एआरएनआर लैब के बारे में २४ अप्रैल २०२३ को संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।

4. डॉ. रवि मोकाशी पुणेकर, पूर्व प्रोफेसर, डिज़ाइन विभाग आईआईटी गुवाहाटी, श्री सुप्रदीप दास, सहायक प्रोफेसर, डिज़ाइन विभाग आईआईटी गुवाहाटी, श्री शेखर भट्टाचार्य, संकाय, एनआईडी अहमदाबाद, श्री अर्पित अग्रवाल, नेस्ट डिज़ाइन एजेंसी, गुवाहाटी तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए ०४ मई २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

5. प्रो. सविता राजे, अध्यक्ष स्पीकमैके, श्री सुनील शुक्ला, कुलपति स्पीकमैके, और सुश्री रश्मि सारस्वत, सचिव स्पीकमैके स्कूली छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के आयोजन के संबंध में चर्चा करने के लिए ९ मई २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

6. आईआईआईटी भोपाल के संस्थापक निदेशक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. अमित भगत, सहायक प्रोफेसर, आईआईआईटी, भोपाल के साथ ११ मई २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए और उन्होंने संस्थान के परिसर का दौरा किया।

7. आईआईसीडी, जयपुर की निदेशक सुश्री तूलिका गुप्ता आईआईसीडी के संकायों के साथ १२ मई २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आईं और उन्होंने संस्थान के परिसर का दौरा किया।

8. डॉ. पी. के. नंदी, महानिदेशक, राष्ट्रीय मानव बस्तियां और पर्यावरण केंद्र (एनसीएचएसई) विज्ञान और पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली के वरिष्ठ निदेशक श्री रिचर्ड महापात्रा द्वारा ६ जून २०२३ को भोपाल में दिए जाने वाले महेश बुच स्मृति व्याख्यान में रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक को आमंत्रित करने के लिए १७ मई २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

9. (डॉ.) अजय सिंह, कार्यकारी निदेशक और सीईओ, एम्स भोपाल प्रो. कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार- उप निदेशक (प्रशासन), प्रो. शशांक पुरवार - चिकित्सा अधीक्षक (कार्यवाहक), प्रो. रजनीश जोशी - प्रोफेसर और जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष, डॉ. अभिजीत आर रोजतकर - कार्यवाहक विभागाध्यक्ष मनोचिकित्सा, प्रो. प्रदीप सक्सेना - प्रोफेसर और जनरल सर्जरी विभागाध्यक्ष, एम्स भोपाल एनआईडी संस्थान में छात्रों और कर्मचारियों के लिए 'चिकित्सा सुविधा' स्थापित करने के बारे में चर्चा करने हेतु रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से २२ जून २०२३ को मिलने आए। उन्होंने एक पौधा भी लगाया और परिसर का दौरा किया।

10. श्री जॉन कैबेका, दक्षिण एशिया के लिए अमेरिकी आईपी काउंसलर, सुश्री शिल्पी झा, वरिष्ठ आईपी नीति सलाहकार - दक्षिण एशिया और श्री दिनेश शर्मा, वरिष्ठ आईपी नीति सलाहकार, भारत सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए २३ जून २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए और डॉ. आर. के. विधाते ने टीम के साथ समन्वय किया तथा उन्हें परिसर का दौरा कराया।

11. प्रो. (डॉ.) कमलेश कुमार शुक्ला, निदेशक, मैनिट १४ जुलाई २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए और उन्होंने परिसर का दौरा किया। उन्होंने संकाय संकुल अथवा फैकल्टी फोरम के दौरान संकाय के साथ बातचीत भी की।

12. श्री वीरमाचनेनी रघु राम (डिज़ाइन समुदाय के वरिष्ठ सदस्य) तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए ११ सितंबर २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

13. डॉ. भुवन विक्रम, निदेशक आईजीआरएमएस ने अपने आईजीआरएमएस क्यूरेटोरियल स्टाफ के साथ निदेशक, एनआईडी म.प्र. के साथ मुलाकात की और उन्होंने आईजीआरएमएस के लिए वे-फाइंडिंग और साइनेज पर प्रोजेक्ट कोर्स के संबंध में डिज़ाइन प्रस्तुतियों के लिए २२ सितंबर, 2023 को रा.डि.सं. म.प्र. का दौरा किया और एक पौधे का रोपण भी किया।

14. डॉ. शैला बंटनूर, निदेशक, बीएमएस बैंगलोर, ९ अक्टूबर २०२३ को निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आईं।

15. श्री पीयूष दत्ता, एसोसिएट डीन, जेएलएनयू, तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए ११ अक्टूबर २०२३ को निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आए।

16. सुश्री रश्मि गुप्ता, कार्यक्रम समन्वयक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, एमपीएसईडीसी तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए २० अक्टूबर २०२३ को निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आईं।

16. श्री राघव चंद्रा (आईएएस सेवानिवृत्त), संस्थापक सीईओ @

लिए २० अक्टूबर २०२३ को निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आईं।

17. श्री राघव चंद्रा (आईएएस सेवानिवृत्त), संस्थापक सीईओ @ CUNSULT, पूर्व अध्यक्ष एनएचएआई और सचिव, भारत सरकार तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए २२ दिसंबर २०२३ को निदेशक से मिलने आए।

18. डॉ. प्रभा देसिकन, पूर्व निदेशक बीएमएचआरसी संभावित तालमेल के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए ३१ दिसंबर २०२३ को निदेशक से मिलने आईं।

19. श्री सेंथिलकुमार, परीक्षा नियंत्रक, अवंतिका विश्वविद्यालय की खेल टीम के साथ ८ जनवरी २०२४ को राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के संबंध में चर्चा करने के लिए रा.डि.सं. म.प्र. की कार्यवाहक निदेशक सुश्री नीतिका देवगन से मिलने आए।

सुश्री तूलिका गुप्ता, निदेशक, आईआईसीडी, जयपुर अपने आईआईसीडी संकायों के साथ निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आईं और उन्होंने 12 मई 2023 को परिसर का दौरा किया।

डॉ. रवि मोकाशी पुणेकर, पूर्व प्रोफेसर, डीओडी आईआईटी गुवाहाटी, श्री सुप्रदीप दास, सहायक प्रोफेसर, डीओडी आईआईटी गुवाहाटी, श्री शेखर भट्टाचार्जी, संकाय, एनआईडी अहमदाबाद, श्री अर्पित अग्रवाल, नेस्ट डिज़ाइन एजेंसी, गुवाहाटी 04 मई 2023 को निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आए।

प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, संस्थापक निदेशक, आईआईआईटी भोपाल डॉ. अमित भगत, सहायक प्रोफेसर, आईआईटी, भोपाल के साथ निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आए और उन्होंने 11 मई 2023 को परिसर का दौरा किया।

प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, कार्यकारी निदेशक और सीईओ, एम्स भोपाल, कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार- उप निदेशक (प्रशासन), प्रो. शशांक पुरवार - चिकित्सा अधीक्षक (कार्यवाहक), प्रो. रजनीश जोशी - प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, जनरल मेडिसिन, डॉ. अभिजीत आर. रोजतकर - कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा, प्रो. प्रदीप सक्सेना - प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, जनरल सर्जरी, एम्स भोपाल निदेशक, एनआईडी म.प्र. से मिलने आए।

प्रो. (डॉ.) कमलेश कुमार शुक्ला, निदेशक, मैनिट 14 जुलाई 2023 को निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आए और उन्होंने परिसर का दौरा किया। उन्होंने संकाय संकुल के दौरान संकाय सदस्यों से भी बातचीत की।

निदेशक आईजीआरएमएस ने अपने आईजीआरएमएस क्यूरेटोरियल स्टाफ के साथ, आईजीआरएमएस के लिए वे-फाइंडिंग और साइनेज पर प्रोजेक्ट कोर्स के बारे में डिज़ाइन प्रस्तुतियों के लिए निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. से मुलाकात की और उन्होंने २२ सितंबर २०२३ को रा.डि.सं. म.प्र. का दौरा किया और एक पौधा लगाया।

5.4. कार्यक्रम:-

5.4.1 निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर:-

१ मई २०२३ को विश्व श्रम दिवस के अवसर पर आउटसोर्स कर्मचारियों और रा.डि.सं. म.प्र. कर्मचारियों के लिए अपोलो अस्पताल टीम के समन्वय में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

5.4.2 निःशुल्क नेत्र जांच शिविर:-

संस्थान ने ०७ जून २०२३ को AKAM (आज़ादी का अमृत महोत्सव) के तहत रा.डि.सं. म.प्र. के कर्मचारियों, उनके आश्रितों और आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया।

5.4.3 एक शिक्षण एवं प्रेरणात्मक सत्र:-

कर्मचारियों के व्यक्तिगत एवं कार्य जीवन में स्व-विकास, कौशल दक्षता प्राप्त करने तथा कल्याण की भावना को बढ़ावा देने के लिए, बाह्य विशेषज्ञ श्री ऋषि नंदा द्वारा ३० मई २०२३ को एक शिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

5.4.4 विश्व रक्तदाता दिवस:-

१४ जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर, संस्थान के कर्मचारियों एवं छात्रों ने "रक्तदान सभी की एकजुटता का प्रतीक है। प्रयासों में शामिल हों और जीवन बचाएं" थीम पर रक्तदान करने की शपथ ली।

5.4.5 हिंदी पखवाड़ा:-

'हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में संस्थान ने १६ सितंबर २०२३ से ३० सितंबर २०२३ तक "हिंदी पखवाड़ा" मनाया। "हिंदी पखवाड़ा" के दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण/प्रारूपण, कविता पाठ और संस्थान की आउटसोर्स जनशक्ति, छात्रों और कर्मचारियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी सत्र शामिल है।

हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह १० अक्टूबर २०२३ को संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया, जहां हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

5.4.6 स्वच्छता अभियान 3.0:-

व्यापक विशेष स्वच्छता अभियान ३.० की शुरूआत के रूप में, संस्थान के कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ ०१ अक्टूबर २०२३ को भोजपुर ऐतिहासिक स्थल पर एक बाह्य सफाई अभियान चलाया गया। एक घंटे के श्रमदान के बाद प्रतिभागियों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई।

5.4.7 विशेष स्वच्छता अभियान 3.0 के तहत गतिविधियां एवं घटनाक्रम:-

एसएचएस-२०२३ अभियान और विशेष अभियान ३.० के भाग के रूप में, शासकीय विघालय अचारपुरा में कई गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में स्वास्थ्य, स्वाथ्यकर और स्वच्छता पर जागरूकता सत्र, स्वच्छता शपथ लेना, विघालय को पौधे भेंट करना, विघालय परिसर में वृक्षारोपण, कूड़ेदानों का वितरण और छात्रों के लिए रंगोली प्रतियोगिता आयोजित करना शामिल था। कार्यक्रम का समापन रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण और जलपान के साथ हुआ।

5.4.8 सतर्कता जागरूकता सप्ताह:-

संस्थान ने ३१ अक्टूबर २०२३ से ६ नवंबर २०२३ के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह, २०२३ मनाया, जिस दौरान संस्थान के कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

5.4.9 कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर जागरूकता सत्र:-

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम २०१३ के प्रावधानों पर जागरूकता सत्र बाह्य संसाधन व्यक्ति श्री राम प्रकाश सेजवाल द्वारा १० नवंबर, २०२३ को सायंकाल ०४:०० बजे से ०६:०० बजे तक सभी संस्थान कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया।

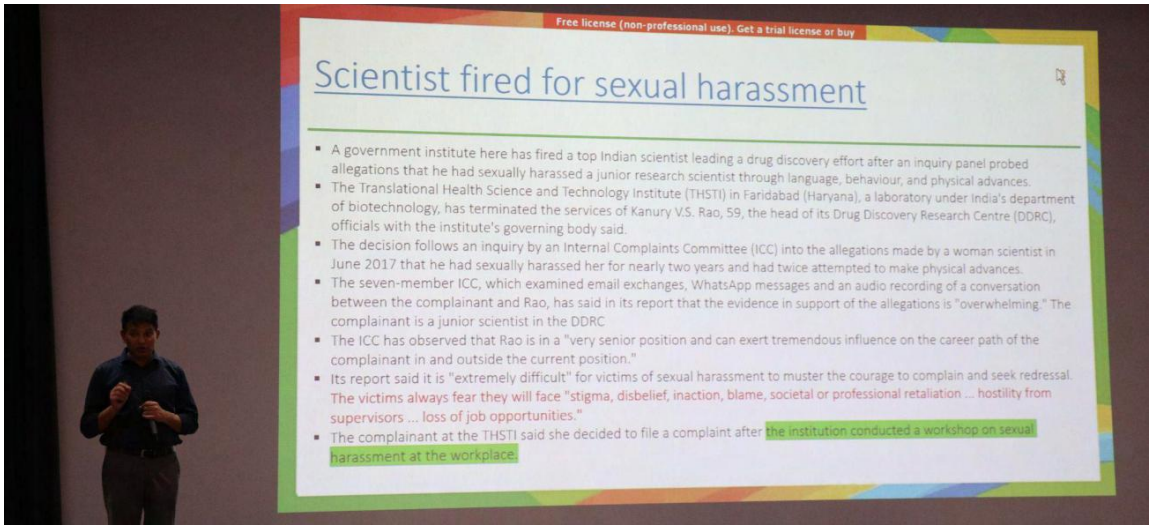

5.4.10 निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर:-

एनआईडी, एमपी के आउटसोर्स स्टाफ, संस्थान के कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए २१ फरवरी २०२४ को एपेक्स हॉस्पिटल टीम, भोपाल के सहयोग से ब्लड शुगर, ईसीजी टेस्ट और डॉक्टर परामर्श सहित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

5.5 संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ

संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। संकाय सदस्यों सहित संस्थान के कर्मचारियों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण नीति तैयार की जा रही है तथा स्टाफ एवं संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों हेतु एक प्रशिक्षण नीति शुरू की गई है।

कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन विकास गतिविधियां

क्र.सं.	संगठन / प्रमुख व्यक्ति का नाम	कार्यक्रम के विवरण	तिथि
1.	सुश्री **सेतु शर्मा**, संकाय	आईआईटी, बॉम्बे द्वारा एचसीआई पर मानसून पाठ्यक्रम	31.05.2023 से 14.06.2023 तक
2.	श्री अमन अंकुर, अधीक्षक	सार्वजनिक क्रय पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम (बेसिक)	21.08.2023 से 26.08.2023 तक
3.	श्री अंकित वर्मा, एएओ	सार्वजनिक क्रय पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम (बेसिक)	18.09.2023 से 23.09.2023 तक
4.	श्री रामप्रसाद विश्वकर्मा, वार्डन	एम्स भोपाल में प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट ऐड) प्रशिक्षण	25.08.2023 से 25.08.2023 तक
5.	सुश्री अंजनी अनघोरे, वार्डन	एम्स भोपाल में प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण	25.08.2023 से 25.08.2023 तक
6.	सुश्री सिमी मैथ्यू, वरिष्ठ अधीक्षक	1. सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता। 2. उभरती हुई प्रौद्योगिकियों का परिचय 3. साइबरस्पेस में सुरक्षित रहें 4. मिशन लाइफ पर ओरिएंटेशन मॉड्यूल 5. कार्यस्थल पर योग विश्राम 6. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम	कर्मयोगी पोर्टल के माध्यम से
7.	श्री राहुल चक्रवर्ती, सहायक		
8.	श्री शैलेन्द्र ओझा, तकनीकी प्रशिक्षक		
9.	श्री समर भांगे, सहायक		
10.	श्री अंकित शर्मा, सहा. अभियंता (सिविल)		
11.	श्री शशांक अग्रवाल, वरिष्ठ सहायक		
12.	श्री निपेन्द्र नायक, वरिष्ठ अभियंता (एलबीएम)		
13.	सुश्री सुकन्या बोर सैकिया, सहयुक्त वरिष्ठ संकाय		
14.	श्री अमन अंकुर, अधीक्षक		
15.	श्री अंकित वर्मा, एएओ		
16.	श्री एम.डी. साहू, सहायक		
17.	सुश्री अंजनी अनघोरे, वार्डन		
18.	श्री मुर्तजा हुसैन, उप अभियंता		
19.	डॉ. आर. के. विधाते, एस.टी.आई.		

20.	श्री शुभम राजपूत, तकनीकी सहायक		30 मार्च 2024 तक
21.	श्री राम सिंह यादव, प्रमुख सुरक्षा सेवाएँ		
22.	श्री मयंक शर्मा, एस.टी.आई. (सीडी)		
23.	श्री रामप्रशाद विश्वकर्मा		
24.	श्री वैभव पाठक, एएसटीआई		
25.	श्री असजद अली, वरिष्ठ सहायक		
26.	श्री पिंटू प्रताप सिंह, तकनीकी अनुदेशक		
27.	डॉ. शेखर चटर्जी, वरिष्ठ संकाय		
28.	श्री कार्तिक कुमार साहू, वरिष्ठ सहायक		
29.	श्री आर.के. सैनी, ए.ओ		
30.	श्री दीपक कुशवाह, सहायक		
31.	श्री मनिंदर सिंह, तकनीकी सहायक		
32.	श्री पुष्पेन्द्र यादव, वरिष्ठ सहायक		
33.	श्री प्रमोद के. मार्शल, सहयुकत वरिष्ठ संकाय		
34.	सुश्री सेतु शर्मा, संकाय		
35.	श्री आर.के. सैनी, प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासनिक सतर्कता - आईओ/पीओ की भूमिका	04.03.2024 से 08.03.2024 तक
		अभियोग प्रबंधन पाठ्यक्रम	26.03.2024 से 27.03.2024 तक
		सीपीआईओ और अपीलीय प्राधिकारियों के लिए आरटीआई अधिनियम	11.04.2024 से 12.04.2024 तक
36.	श्री नीरज ताहिलियानी, सीएफए	प्रशासनिक सतर्कता - आईओ/पीओ की भूमिका	04.03.2024 से 08.03.2024 तक
37.	डॉ. सुदीप शर्मा, हेड लाइब्रेरियन	प्रशासनिक सतर्कता - आईओ/पीओ की भूमिका	04.03.2024 से 08.03.2024 तक
38.	डॉ. मोहित कुमार, डिप्टी रजिस्ट्रार	प्रशासनिक सतर्कता - आईओ/पीओ की भूमिका	04.03.2024 से 08.03.2024 तक

5.6 डिज़ाइन शिविर

डिज़ाइन शिविर, जो कि डिज़ाइन के प्रति जिज्ञाषु लोगों के लिए एक सप्ताह की लंबी अवधि की कार्यशाला थी, का आयोजन ५ जून, २०२३ से ११ जून, २०२३ के बीच रा.डि.सं. म.प्र. में किया गया। उद्घाटन समारोह का नेतृत्व रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक प्रो. धीरज कुमार, स्पीकमैके, भोपाल शाखा के उपाध्यक्ष श्री सुनील शुक्ला, रा.डि.सं. म.प्र. के आयोजन सचिवों अर्थात डॉ. शबरीधरन, श्री राहुल साहनी और डॉ. राकेश विधाते, सीएओ, सीएफए, प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान रा.डि.सं. म.प्र. के विभिन्न ज्ञानानुशासनों व शाखाओं के ज्ञानानुशासन प्रमुख (डीएल), संकाय सदस्य और कर्मचारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में ४० पंजीकृत उम्मीदवारों और उनके अभिभावकों के साथ-साथ संकाय सदस्य तथा कर्मचारियों ने भाग लिया।

रा.डि.सं. म.प्र. टीम शिविर के उम्मीदवारों के साथ

शिविर ५ जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया, जिस दिन रा.डि.सं. म.प्र. के पुस्तकालय के समीप वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। श्री कृष्ण बिरहमान (सीएओ) जैसे प्रमुख अधिकारियों के नेतृत्व में उम्मीदवारों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस पर्यावरण-अनुकूल पहल के बाद पहली फोटोग्राफी कार्यशाला गतिविधि आयोजित की गई। उम्मीदवारों ने संकाय सदस्यों द्वारा निर्देशित डीएसएलआर को संचालित करने और व्यावहारिक फोटोग्राफी कौशल सीखे।

सुबह सवेरे
A Daily News Magazine
06 Jun 2023 - Page 3

वृक्षारोपण के साथ शुरू हुआ डिजाइन शिविर

भोपाल। प्रकृति सबसे बड़ी डिजाइन है और जितना समृद्ध पर्यावरण होगा उतना ही सुखद और स्वस्थ हमारा जीवन होगा। ये बात नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन मध्यप्रदेश के निदेशक प्रो. धीरज कुमार ने कही। वो रा. आई. डी. द्वारा आयोजित सात दिवसीय आवासीय डिजाइन शिविर का शुभारम्भ करते हुए प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिजाइन की दुनिया दरअसल हम सबकी जीवनशैली को बेहतर बनाने की निरन्तर कोशिश है।

औपचारिक उद्घाटन के बाद निदेशक सहित अन्य फैकल्टी ने परिसर में दो पेड़ लगाए। इस अवसर पर आई प्रमोटर सुनिल शुक्ल ने प्रतिभागियों के स्वागत करते हुए कहा कि जरूरी नहीं आप डिजाइनर ही बनें लेकिन ऐसा शिविर निश्चित ही आपको कल्पनाशक, सृजनशील और बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

डिजाइन शिविर के समन्वयक डॉ. शम्भोभरत ने बताया कि आज फोटोग्राफी और स्केचिंग के बाद शाम को रोज सांस्कृतिक गतिविधियां होंगी जिसमें विक्रम द्वारा बच्चों का नाटक 'गुगल' खेला जाएगा। कल की गतिविधियों में ट्रेड एंड ट्रांड, क्रॉफ्ट प्रिंटिंग एवं पंच श्री दुर्गा माई स्लम द्वारा गोंड ड्रापन पेंटिंग सीखेंगे होंगी।

इस शिविर में करीब 40 प्रतिभागी शामिल होंगे हैं जिनमें भोपाल के अलावा इंदौर, ग्वालियर एवं दिल्ली के भी लोग है। शिविर का समापन 11 जून को होगा।

प्रतिभागियों ने स्केचिंग और चित्रकारिता में भाग लिया, जिसमें संकाय सदस्यों ने वास्तविक जीवन की यथार्थताओं को चित्रित करने का व्यावहारिक अभ्यास कराया। प्रतिभागियों को रा.डि.सं. म.प्र. की सुविधाओं से परिचित कराने के लिए उसके परिसर और उसके बाद टाई और डाई गतिविधि केंद्र का दौरा कराया गया। उम्मीदवारों ने विभिन्न रंगोली ई-तकनीकों का अन्वेषण किया और उत्कृष्ट वस्त्र डिज़ाइन किए।

डिज़ाइन शिविर में स्पीकमैके के सहयोग से गोंड परधान चित्रकला पर एक गहन कार्यशाला आयोजित की गई। पद्म श्री पुरस्कार विजेता श्रीमती दुर्गाबाई व्याम ने प्रशिक्षक के रूप में सत्र का संचालन किया और गोंड परधान चित्रकला के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने प्रतिभागियों को चित्रकला के तकनीकी पहलुओं, नए रंगों को मिश्रित एवं निर्मित करने की प्रक्रियाओं तथा चित्रकला के तकनीकों में महारत हासिल करने में मार्गदर्शन दिया ताकि वे अपनी चित्रकला कौशल को गहन बना सकें। चार दिवसीय दोपहर उपरांत सत्रों ने व्यावहारिक अनुभव प्रदान किए, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी अनूठी चित्रकला बनाने का अवसर मिला।

प्रतिभा नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डिजाइन में गोंड परधान चित्रकला कार्यशाला का हुआ आयोजन

पद्मश्री दुर्गाबाई से फैशन के विद्यार्थियों ने सीखी गोंड चित्रकारी

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डिजाइन (एनआइडी) के डिजाइन शिविर में स्पीकमैके के सहयोग से गोंड-परधान चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर पद्मश्री दुर्गाबाई व्याम फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों को गोंड चित्रकारी की बारीकियों से अवगत करा रही हैं। इस मौके पर सुभाष व्याम भी उनकी मदद कर रहे हैं।

दुर्गाबाई ने उल्लू और मोर की एक आदिवासी कहानी सुनाई और उसके चरित्र के चित्र बनवाए। इस मौके पर क्ले मॉडलिंग वर्कशाप में प्रतिभागियों ने सेंटरिंग की प्रैक्टिस, व्हील वर्क और कोइलिंग टेक्निक से पाट बनाए।

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डिजाइन में गोंड परधान चित्रकला कार्यशाला में चित्र बनाना सीखती छात्राएं। ● सौजन्य आयोजक

बन सकते हैं अच्छे कलाकार

इस मौके पर वरिष्ठ कलाकार देवी लाल पाटीदार ने कहा कि आदिवासी कलाकार अपने जनजीवन, रीति-रिवाज, रहन-सहन, परंपरा आदि को चित्रित करते हैं। साथ ही आजकल उसमें भी नए-नए प्रयोग करते हैं, जबकि बहुत से आधुनिक कलाकार अपना परिवेश छोड़कर कुछ अलग करने के चक्कर में कुछ सार्थक नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की सहजता और प्रेम से हमारी संवेदनाएं मुखरित होती हैं और इनसे जुड़कर हम अच्छे कलाकार बन सकते हैं।

प्रतिभागियों ने ताना बाना में भाग लिया, जिसमें उन्होंने सूत और लकड़ी के फ्रेम के साथ बुनाई की मौलिक बातें सीखीं। बेसिक रिपेयरिंग वर्कशॉप में उम्मीदवारों ने लकड़ी और कांच जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की मरम्मत में व्यावहारिक कौशल प्राप्त किए। क्ले मॉडलिंग सत्र में छात्रों ने अद्वितीय डिज़ाइन तैयार किए और उन्हें वुडवर्क डिज़ाइन से परिचित कराया गया, जिससे उनके रचनात्मक कौशलों में निखार आया। प्रतिभागियों को विश्राम और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्राथमिक योगासन सिखाने के लिए एक योग सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षक एम.डी. साहू के नेतृत्व में, सत्र के दौरान शारीरिक मुद्राओं पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि शारीरिक लचीलापन आए और तनाव को कम किया जा सके। सत्र ने प्रतिभागियों को अपने दिमाग और शरीर को तरोताजा करने का अवसर प्रदान किया।

मिट्टी की खुशबू और मार्गी बैंड की परफॉर्मेंस से महका कैंपस

एनआईडी के डिजाइन शिविर में क्ले वर्कशॉप

क्ले वर्कशॉप

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) भोपाल में चल रहे है। इसके तहत रोजाना अलग-अलग एक्टिविटीज हो रही हैं। इसी कड़ी में इन दिनों एनआईडी के स्टूडेंट्स पद्मश्री गोण्ड कलाकार दुर्गाबाई व्याम से गोण्ड चित्रकारी सीख रहे हैं। सिरेमिक आर्टिस्ट देवीलाल पाटीदार ने भी वर्कशॉप में स्टूडेंट्स से इंटरैक्ट किया। देवीलाल पाटीदार ने कहा- आदिवासियों की सहजता और प्रेम से हमारी संवेदनाएं बेहतर बनतीं हैं और इनसे जुड़कर हम अच्छे कलाकार बन सकते हैं। इस वर्कशॉप में पद्मश्री दुर्गाबाई व्याम और सुभाष व्याम ने उल्लू और मोर की एक आदिवासी कहानी सुनाई और उसके चरित्र के हिसाब से स्टूडेंट्स से चित्र भी बनवाए।

वहीं क्ले मॉडलिंग में पार्टिसिपेंट्स ने सैंडिंग की प्रैक्टिस की, व्हील वर्क और क्वाइलिंग टेक्निक से क्ले पॉट्स भी तैयार किए। स्टूडेंट्स के लिए यह बिल्कुल नया अनुभव रहा। वहीं, शाम में विहान ड्रामा वर्कर्स के कलाकारों ने मार्गी बैंड की प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने कवियों की रचनाएं संगीत के साथ पेश कीं।

डिज़ाइन शिविर कार्यशाला में एक कैलिग्राफी (हस्तलिपि) सत्र शामिल किया गया, जहां उम्मीदवारों ने विभिन्न अंक्षराकन (अर्थात lettering) अथवा हस्तलिपि तकनीकें सीखीं। कार्यशाला का समापन ११ जून को एक समारोह के साथ हुआ, जिसमें कथक नृत्य और आयोजकों की टिप्पणियां शामिल थीं। प्रतिभागियों ने सप्ताह भर चले डिज़ाइन शिविर में अपने कौशल और समर्पण को प्रदर्शित करते हुए अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामों से उनके माता-पिता और संकाय दोनों ही प्रसन्न हुए।

डिज़ाइन शिविर के उम्मीदवार अपने परिवार के सदस्यों और रा.डि.सं. म.प्र. के अधिकारियों और आयोजन टीम के साथ

5.7 रा.डि.सं. म.प्र. में पहला डिज़ाइन सम्मेलन

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म.प्र.) द्वारा १५ और १६ दिसंबर, २०२३ को पहला डिज़ाइन सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इनसाइट्स, इनक्लूज़न और इनोवेशन (I-३) थीम के साथ, सम्मेलन में भारतवर्ष से डिज़ाइन व्यावसायिक और शिक्षाविद एक साथ आए। यह कार्यक्रम पाँच प्रमुख संस्थानों : पाँच राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (रा.डि.सं.), राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी), फुटवियर डिज़ाइन और विकास संस्थान (एफडीडीआई) , भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), और भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी)। के सहयोग से आयोजित किया गया।

सम्मेलन में कुल ३९ प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो आईआईटी गुवाहाटी, निफ्ट मुंबई, निफ्ट जोधपुर, एफडीडीआई हैदराबाद और नोएडा, एनसीईआरटी, डब्ल्यूयूडी दिल्ली, एलपीयू पंजाब और अन्य जैसे संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। सम्मेलन में दो आकर्षक पैनल चर्चाएँ हुईं, प्रत्येक पैनल में तीन विशेषज्ञ वक्ता थे। पैनलिस्टों में प्रो. धीरज कुमार (निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र.), श्री अनूप सिंह राणा (एचओएस, एलजीएडी, एफडीडीआई), डॉ. तपस मित्रा (विभागाध्यक्ष, डिज़ाइन, एसपीए भोपाल), डॉ. शकुंतला आचार्य (आईआईटी गुवाहाटी), प्रो. दिवाकर शुक्ला (जेएलयू भोपाल), और डॉ. संगीता जौहरी (प्रो वीसी, आरएनटीयू) शामिल थे।

साईं इन्वेंट कंसल्टेंसी के डॉ. व्युरू अमरनाथ और वरिष्ठ आभूषण डिज़ाइनर सुश्री अर्चना मित्रो द्वारा दो शीर्ष व्याख्यान दिए गए। इसके अलावा, देशभर के प्रख्यात संस्थानों से अग्रणी शोधार्थियों द्वारा १४ शोधपत्रों का प्रस्तुतीकरण किया गया जिनमें उन्होंने डिज़ाइन के विभिन्न आयामों पर मूल्यवान अंतदृष्टियों को उजागर किया।

सम्मेलन को समापन सत्र के साथ संपन्न किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रद्युम्न व्यास, विश्व डिज़ाइन संगठन के निर्वाचित अध्यक्ष, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वरिष्ठ सलाहकार, टाइटन कंपनी लिमिटेड, डायनेमैटिक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, कैरीसिल लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक उपस्थित थे, जिन्होंने इस पहल और इसमे की गई चर्चाओं की गुणवत्ता की प्रशंसा की। प्रोफेसर व्यास ने डिज़ाइन शिक्षा में सहयोग और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया।

5.8 रा.डि.सं. म.प्र. का पहला दीक्षांत समारोह

डिज़ाइन शिक्षा के लिए एक विस्मरणीय पल के रूप में, २०१९ में स्थापित राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म.प्र.) ने अपना पहला दीक्षांत समारोह १२ दिसंबर, २०२३ को सफलतापूर्वक आयोजित किया। परिसर में आयोजित इस समारोह में संचार डिज़ाइन, औद्योगिक डिज़ाइन और कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन में विशेषज्ञता रखने वाले ४५ प्रतिभाशाली छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जिन्होंने भावी स्नातक वर्गों के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया और एक चिरकालिक प्रभाव छोड़ा।

रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक ने स्वागत भाषण दिया और संस्थागत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

दीक्षांत समारोह संबोधन प्रतिष्ठित उद्योगपति डॉ. उदयंत मल्होत्रा ने दिया, जिन्होंने स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्रों को प्रेरणादायी और विचारप्रेरक मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. मल्होत्रा ने एनआईडी के पहले दीक्षांत समारोह में भाग लेकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "मैं यहाँ आकर बहुत खुश हूँ। इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।" उन्होंने अपने छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए एनआईडी की सराहना की और उभरते डिज़ाइनरों एवं उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण गुणों पर अंतर्दृष्टि साझा की। डॉ. मल्होत्रा ने अपनी "दूध मलाई" रणनीति अर्थात उत्पाद डिज़ाइन में गुणवत्ता और स्थिरता पर जोर देने के लिए एक फ्रेमवर्क पेश किया, जो छात्रों को उत्कृष्टता के स्तंभ के रूप में पुनरावृत्ति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। स्थायी प्रथाओं की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने स्नातकों से उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त उपयोगिता के डिज़ाइन बनाने का आग्रह किया, आधुनिक डिज़ाइन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में तकनीकी पहलुओं के साथ-साथ उससे इतर एक समृद्ध जीवन की नैतिक नींव पर भी प्रकाश डाला। डॉ. मल्होत्रा ने नैतिक व्यवहार और कर्तव्य में निहित 'धार्मिक-कर्मिक' जीवन जीने के बारे में बात की। उन्होंने गायत्री मंत्र और 'पंच तत्व' (पांच तत्वों) के संदर्भों के साथ समापन किया और दार्शनिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान की परतों का जोड़ा जिसने दर्शकों के दिल को गहराई से छूआ तथा यह स्नातक छात्रों के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक पल रहा।

रा.डि.सं. म.प्र. के पहले दीक्षांत समारोह का विषय था "यूनीक कनेक्शन: यूनीक | इंटरसेक्शन | इन्फिनिट | ग्रोथ।"

दीक्षांत समारोह के दौरान युवा डिज़ाइनर पुस्तिका का विमोचन किया गया जिसमें स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्रों के नवोन्मेषी शोध कार्यों की झलकें थीं और इन छात्रों को प्रदर्शनी दीर्घा ले जाया गया जहां उन्होंने छात्रों के शोध कार्य को दृष्टिगोचर किया।

रा.डि.सं. म.प्र. में यह अभिलेखागार स्थान पूछताछ, ज्ञान और अभिप्रेरणा के लिए एक प्रकाश-स्तंभ है, जो दैनिक जीवन पर डिज़ाइन के प्रभाव को बढ़ावा देकर स्थानीय और आगंतुकों, दोनों को ज्ञान-समृद्ध करता है। अभिलेखागार प्रदर्शनी में रचनात्मक विचार उभरकर आए जो हमारे जीवित अनुभवों का वर्धन करते हैं। छात्रों, शिक्षकों, डिज़ाइनरों और समुदाय को एक ज्ञानवर्धक अनुभव प्राप्त हुआ। आगंतुकों ने डिज़ाइन स्ट्रीट पर ग्रेजुवेट आर्केड में और विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए एक वेब एप्लिकेशन के माध्यम से छात्रों के शोध कार्यों का अवलोकन किया और इससे रा.डि.सं. म.प्र. से शिक्षा प्राप्त नई प्रतिभाओं के साथ व्यापक पहुंच और इंटरैक्टिव वार्ता सुनिश्चित हुई।

दीक्षांत समारोह का उद्घाटन सत्र रा.डि.सं. म.प्र. के लिए एक महत्वपूर्ण पल था, जहां संस्थान ने समाज और पर्यावरण के प्रति सार्थक योगदान देने हेतु समृद्ध डिज़ाइनरों की नई पीढ़ी तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

स्नातक की शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों का ज्ञानानुशासन-वार सारांश

बैचलर ऑफ डिज़ाइन (बी. डेस.)	24
औद्योगिक डिज़ाइन	18
संचार डिज़ाइन	03
कपड़ा और परिधान डिज़ाइन	45

प्रथम दीक्षांत समारोह के दौरान मेडल व पदक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के विवरण निम्न प्रकार हैं:		
विजेता	ज्ञानानुशासन/शाखा	पुरस्कार
श्री रचित सिंघी	औद्योगिक डिज़ाइन	उच्चतम टीजीपीए
श्री कार्तिक महाजन	संचार डिज़ाइन	उच्चतम टीजीपीए
श्री कथिर ईश्वर नागेंद्रन	औद्योगिक डिज़ाइन समग्र	उच्चतम टीजीपीए
सुश्री स्वेता चौधरी	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन	उच्चतम टीजीपीए

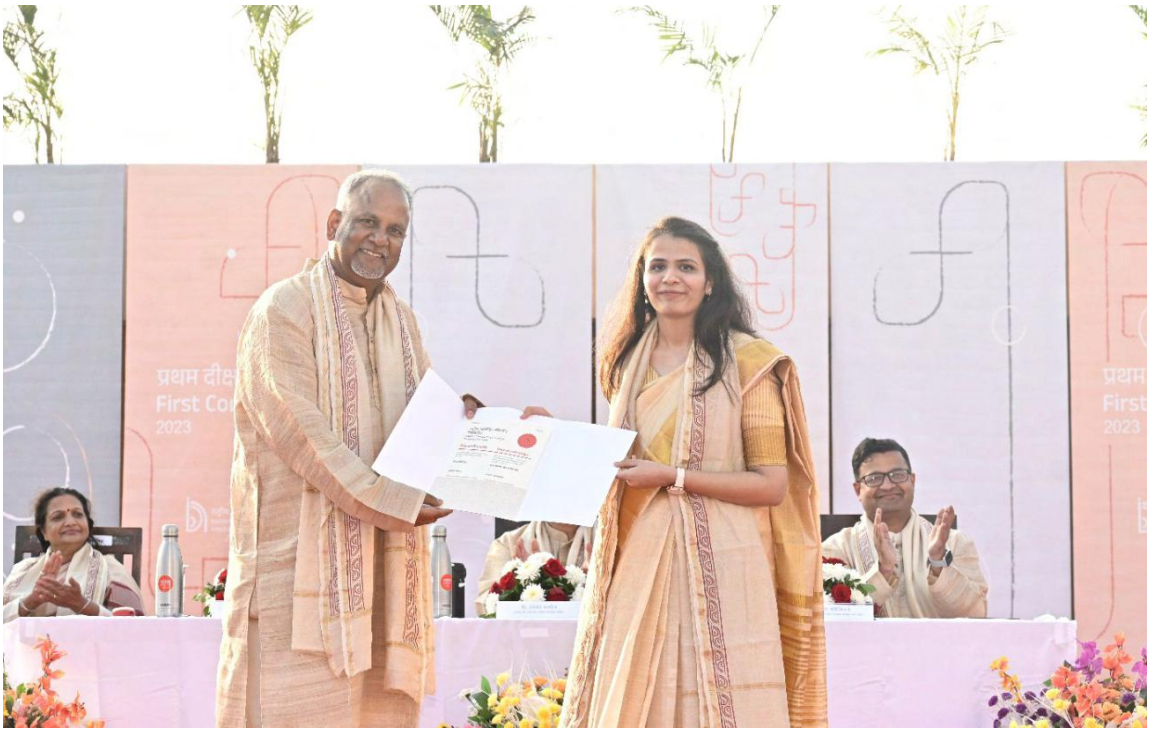

प्रथम दीक्षांत समारोह
First Convocation
2023

प्रथम दीक्षांत समारोह
First Convocation
2023
प्रथम दीक्षांत समारोह
First Convocation
2023

YOUNG
DESIGNERS

5.9 संस्थापक निदेशक प्रो. धीरज कुमार के 5 वर्ष के कार्यकाल की निवृत्ति

प्रो. धीरज कुमार ने संस्थापक निदेशक के रूप में राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म.प्र.) में ०७ जनवरी २०१९ को कार्यभार ग्रहण किया जिन्होंने संस्थान की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो. धीरज कुमार एक जिज्ञाषु, परिश्रमी और उद्यमिता डिज़ाइन शिक्षाविद्, प्रशासक और व्यावसायिक थे। उन्होंने डिज़ाइन शिक्षा और नवोन्मेष पर ध्यान केंद्रित करते हुए संस्थान के विज़न और पाठ्यचर्या को मूर्त रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रा.डि.सं. म.प्र. में उनका नेतृत्व छात्रों को डिज़ाइन के उभरते परिदृश्य के लिए तैयार करने के लक्ष्य के साथ पारंपरिक डिज़ाइन सिद्धांतों को आधुनिक प्रथाओं के साथ एकीकृत करने पर जोर देता रहा।

उनके मार्गदर्शन में, डिज़ाइन शिक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से रा.डि.सं. म.प्र. ने कई पहलें शुरू कीं। उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान ने कार्यक्रमों और आउटरीच प्रयासों की दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त कीं। रा.डि.सं. म.प्र. के संस्थापक निदेशक, प्रो. धीरज कुमार ने ६ जनवरी २०२४ को अपना कार्यकाल पूरा किया और कार्यभार वरिष्ठ संकाय सुश्री नीतिका देवगन को सौंपा।

निदेशक का कार्यभार ग्रहण करने के दौरान

6

अध्यापन एवं अधिगम संसाधन

6
अध्यापन एवं अधिगम संसाधन

6.1 31 मार्च 2024 को स्वीकृत पदों की स्थिति

वेतन लेवल और मूल वेतन संबंधी सूचना	कर्मियों की सं.
वेतन लेवल - 14 (144200-218200) निदेशक	**01**
वेतन लेवल - 13 (123100-215900) प्रधान डिज़ाइनर (प्रोफेसर), कुलसचिव	**00**
वेतन लेवल - 12 (78800-209200) **वरिष्ठ डिज़ाइनर (सह प्रोफेसर), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, वित्त एवं लेखा नियंत्रक**	**05**
वेतन लेवल - 11 (67700-208700) प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष/ संसाधन केंद्र, उप कुलसचिव, सह वरिष्ठ डिज़ाइनर (सहायक प्रोफेसर), प्रधान तकनीकी अनुदेशक	**07**
वेतन लेवल - 10 (56100-177500) वरिष्ठ तकनीकी अनुदेशक, डिज़ाइनर/ संकाय, वरिष्ठ डिज़ाइन अनुदेशक, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता (एल बी एम)	**11**
वेतन लेवल - 07 (44900-142400) वरिष्ठ सहायक प्रस्तकालयाध्यक्ष, वरिष्ठ अधीक्षक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, प्रधान सुरक्षा सेवा, सह वरिष्ठ तकनीकी अनुदेशक, सह वरिष्ठ डिज़ाइन अनुदेशक, उप अभियंता (इलेक्ट्रिकल), सहायक अभियंता (सिविल)	**09**
वेतन लेवल - 06 (35400-112400) अधीक्षक, वरिष्ठ सहायक, डिज़ाइन अनुदेशक, तकनीकी अनुदेशक, सहायक अभियंता (आईटी)	**07**
वेतन लेवल - 05 (29200-92300) वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष सहायक, वरिष्ठ सहायक (प्रशा./स्टूडियो), वार्डन, पर्यवेक्षक (इलेक्ट्रिकल), सुरक्षा, तकनीकी सहायक	**12**
वेतन लेवल - 04 (25500-81100) सहायक (लेखा/ प्रशा./ पुस्तकालय)	**04**

कर्मियों की सूची निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	कर्मी का नाम	पदनाम	विभाग
1	प्रो. धीरज कुमार	निदेशक	संस्थान के प्रमुख (एचओआई) (06.01.2024 को कार्यमुक्त)
2	श्री प्रमोद कुमार मार्शल	सह वरिष्ठ डिज़ाइनर/ संकाय	संचार डिज़ाइन
3	श्रीमती सेतु शर्मा	डिज़ाइनर/ संकाय	संचार डिज़ाइन
4	सुश्री नीतिका देवगन	वरिष्ठ डिज़ाइनर/ संकाय	फाउंडेशन स्टडी
5	डॉ. (श्रीमती) सुकन्या बोर सैकिया	सहयोगी वरिष्ठ संकाय/ डिज़ाइनर	औद्योगिक डिज़ाइन
6	सुश्री लुबना सैफी	डिज़ाइनर/ संकाय	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन
7	सुश्री शिखा अग्रवाल	सह वरिष्ठ डिज़ाइनर/ संकाय	औद्योगिक डिज़ाइन
8	सुश्री सुव्रता यादव	डिज़ाइनर/ संकाय	फाउंडेशन स्टडी
9	श्री अनिल भास्कर	डिज़ाइनर/ संकाय	औद्योगिक डिज़ाइन
10	श्री अमित कुमार गेहलोत	वरिष्ठ डिज़ाइनर/ संकाय	फाउंडेशन स्टडी
11	डॉ. शेखर चटर्जी	वरिष्ठ संकाय (टीएडी)	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन
12	श्रीमती अदिति शर्मा	संकाय/ डिज़ाइनर	फाउंडेशन
13	डॉ. राकेश केशवराव विधाते	वरिष्ठ तकनीकी अनुदेशक	औद्योगिक डिज़ाइन
14	श्री राहुल साहनी	प्रधान तकनीकी अनुदेशक	औद्योगिक डिज़ाइन
15	श्रीमती ज्योति पाल	संकाय /डिज़ाइनर	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन
16	सुश्री सोनल वंजारे	संकाय/ डिज़ाइनर	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन
17	डॉ शबरीधरन	प्रधान तकनीकी अनुदेशक	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन
18	सुश्री श्रुति निगम	संकाय/ डिज़ाइनर	फाउंडेशन स्टडी
19	श्री संदीप जयसवाल	संकाय/ डिज़ाइनर	फाउंडेशन स्टडी
20	श्री मयंक शर्मा	वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक	संचार डिज़ाइन
21	सुश्री स्वाति व्यास	संकाय/ डिज़ाइनर	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन
22	श्री श्री कृष्ण बिरहमान	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासन
23	श्री नीरज ताहिलियानी	वित्त एवं लेखा नियंत्रक	प्रशासन
24	डॉ. सुदीप शर्मा	प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष	अकादमिक
25	श्री मोहित कुमार	उप कुलसचिव	प्रशासन
26	श्री निपेन्द्र नायक	वरिष्ठ अभियंता (भूमि, भवन एवं रखरखाव)	प्रशासन
27	श्री राजेश कुमार सैनी	प्रशासनिक अधिकारी	प्रशासन
28	श्री रोहित सरैया	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	प्रशासन
29	श्री राम सिंह यादव	प्रधान सुरक्षा सेवाएँ	प्रशासन
30	सुश्री सिमी मैथ्यू	वरिष्ठ अधीक्षक (लेखा)	प्रशासन
31	श्री शैलेन्द्र ओझा	तकनीकी अनुदेशक	अकादमिक
32	श्री पिंटू प्रताप सिंह	तकनीकी अनुदेशक	अकादमिक
33	श्री आदित्य शांडिल्य	अधीक्षक	प्रशासन
34	श्री राम प्रसाद विश्वकर्मा	वार्डन	प्रशासन

35	श्री निशांत कुमार	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो) (एसआरएएएस)	प्रशासन
36	श्री कार्तिक कुमार साहू	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो)	प्रशासन
37	श्री नितेश कुमार गुप्ता	वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक	प्रशासन
38	श्री सैयद असजद अली	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो)	प्रशासन
39	श्री पवन कुमार गेहानी	वरिष्ठ सहायक (लेखा)	प्रशासन
40	श्री पुष्पेन्द्र यादव	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/स्टूडियो)	प्रशासन
41	सुश्री शेजल दीवान	सहायक अभियंता (आईटी)	आईटी
42	श्री अंकित शर्मा	सहायक अभियंता (सिविल)	संपदा
43	श्री आकाश जैन	वरिष्ठ अधीक्षक (लेखा)	लेखा
44	श्री अंकित वर्मा	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	भंडार एवं क्रय
45	श्रीमती श्वेता प्रियदर्शनी	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	अकादमिक
46	श्री अमन अंकुर	अधीक्षक	भंडार एवं क्रय
47	श्री दीपक सिंह कुशवाहा	सहायक (लेखा/ प्रशासन/ पुस्तकालय)	लेखा
48	श्री मुरली धर साहू	सहायक (लेखा/ प्रशासन/ पुस्तकालय)	प्रशासन
49	श्री समर भांगे	सहायक (लेखा/ प्रशासन/ पुस्तकालय)	स्थापना
50	श्री राहुल चक्रवर्ती	सहायक (लेखा/ प्रशासन/ पुस्तकालय)	लेखा
51	श्री शुभम राजपूत	तकनीकी सहायक (सीडी और आईटी)	सीडी और आईटी (05.08.2024 को कार्यमुक्त)
52	श्री शशांक अग्रवाल	वरिष्ठ सहायक (प्रशासन/ स्टूडियो)	भंडार एवं क्रय
53	श्री मुर्तज़ा हुसैन	उप अभियंता (विद्युत)	संपदा
54	श्री वैभव पाठक	एएसटीआई	संचार डिज़ाइन
55	श्री मनोज कुमार	एएसटीआई	औद्योगिक डिज़ाइन
56	सुश्री अंजनी अनघोरे	वार्डन	अकादमिक
57	श्री प्रशांत	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	अकादमिक (29.02.2024 को कार्यमुक्त)
58	श्री मनोज कुमार	एई (आईटी)	आईटी (28.02.2024 को कार्यमुक्त)
59	सुश्री आयुषी साहू	वरिष्ठ सहायक	भंडार एवं क्रय (20.02.2024 को कार्यमुक्त)
60	श्री मनिन्दर मौर्य	तकनीकी सहायक	संपदा (20.03.2024 को कार्यमुक्त)
61	श्री जय प्रकाश	तकनीकी सहायक	आईडी (03.10.2023 को कार्यमुक्त)

6.1 परिसर और बुनियादी ढांचा

रा.डि.सं. म.प्र. अपने असाधारण परिसर और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए जाना जाता है, जहां डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में कुछ अति प्रगत शिक्षण सुविधाएं प्रदान की जाती है। भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र के समीप स्थित, रा.डि.सं. का परिसर विंध्यांचल पहाड़ियों के प्राकृतिक मनोरम भूभाग में 29.49 एकड़ में फैला हुआ है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र शैक्षणिक और सामाजिक दोनों रूप से विकसित हों, रा.डि.सं. म.प्र. वर्षभर बड़े पैमाने पर मनोरंजक और सामाजिक घटनाक्रमों का आयोजन करता है जिससे परिसर का वातावरण एवं समुदाय जीवंत एवं ऊर्जामयी रहता है।

सुसंगत शिक्षण वातावरण में सुविधा प्रदान करने में बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका को महसूस करते हुए, परिसर में एवी सिस्टम, प्रोजेक्टर और वाई-फाई कनेक्टिविटी सहित कक्षाओं में आधुनिक शैक्षिक उपकरण स्थापित किए गए हैं। हमारी शिल्पशालाएँ, स्टूडियो और प्रयोगशालाएँ नवोन्नत मशीनरी और उपकरणों से सुसज्जित हैं, जो छात्रों को कक्षा में सीखी गई बातों को मूर्त, व्यावहारिक आउटपुट में बदलने में सक्षम बनाती हैं।

6.2 परिसर और बुनियादी ढांचा

रा.डि.सं. म.प्र. अपने असाधारण परिसर और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए जाना जाता है, जहां डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में कुछ अति प्रगत शिक्षण सुविधाएं प्रदान की जाती है। भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र के समीप स्थित, रा.डि.सं. का परिसर विंध्यांचल पहाड़ियों के प्राकृतिक मनोरम भूभाग में 29.49 एकड़ में फैला हुआ है।यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र शैक्षणिक और सामाजिक दोनों रूप से विकसित हों, रा.डि.सं. म.प्र. वर्षभर बड़े पैमाने पर मनोरंजक और सामाजिक घटनाक्रमों का आयोजन करता है जिससे परिसर का वातावरण एवं समुदाय जीवंत एवं ऊर्जामयी रहता है। सुसंगत शिक्षण वातावरण में सुविधा प्रदान करने में बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका को महसूस करते हुए, परिसर में एवी सिस्टम, प्रोजेक्टर और वाई-फाई कनेक्टिविटी सहित कक्षाओं में आधुनिक शैक्षिक उपकरण स्थापित किए गए हैं। हमारी शिल्पशालाएँ, स्टूडियो और प्रयोगशालाएँ नवोन्नत मशीनरी और उपकरणों से सुसज्जित हैं, जो छात्रों को कक्षा में सीखी गई बातों को मूर्त, व्यावहारिक आउटपुट में बदलने में सक्षम बनाती हैं। संस्थान में आईटी लैब में नवीनतम शिल्पशाला और सिंटिक सिस्टम हैं, जो विभिन्न प्रकार के सॉफ़्टवेयर से परिपूर्ण हैं, और नवोदित डिज़ाइनरों को विभिन्न रूपों में अपनी रचनात्मकता के साथ प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाते हैं।

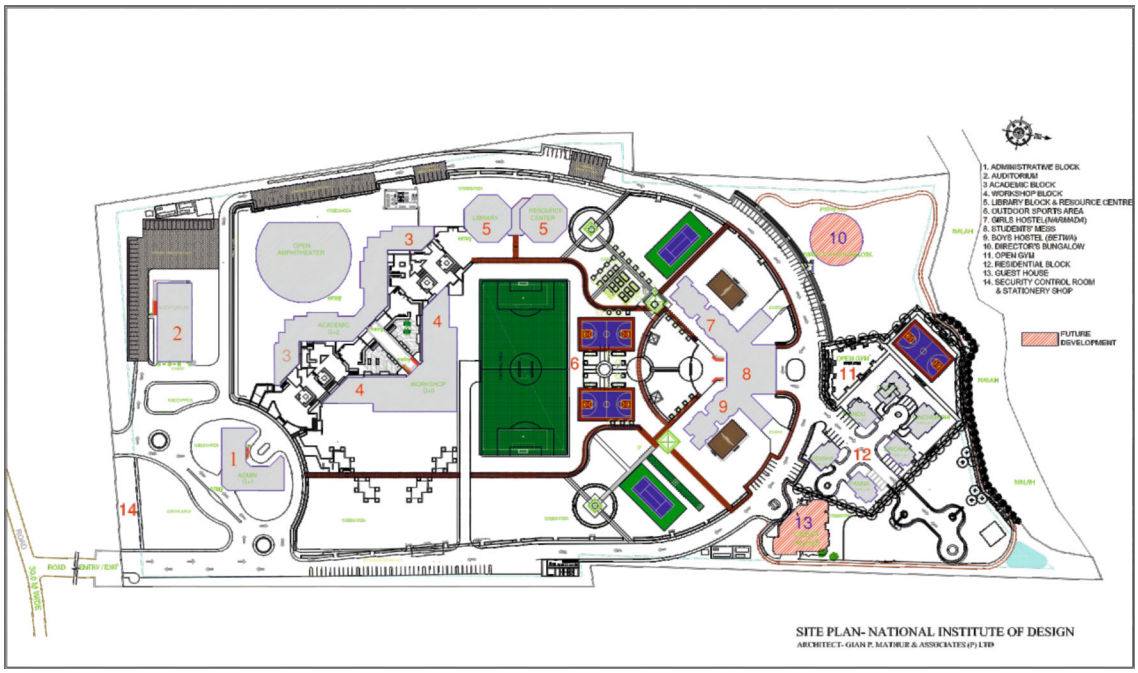

प्रशासनिक खंड

प्रशासनिक खंड संस्थान के प्रशासनिक कार्यों के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो छात्रों और कर्मचारियों दोनों को हर प्रकार की सहायता प्रदान करता है। इस खंड के भीतर, कई महत्वपूर्ण कार्यालय हैं, जिनमें से प्रत्येक खंड संस्थान के परिचालनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।संस्थान के नेतृत्व के शीर्ष पर, निदेशक का कार्यालय समग्र मार्गदर्शन और विज़न प्रदान करता है। इसके अलावा, विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों में कुलसचिव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ), वित्त एवं लेखा नियंत्रक (सीएफए), अकादमिक सेवाएं, प्रशासन, मानव संसाधन, क्रय एवं स्टोर प्रबंधन, संपदा/निर्माण कार्य, वित्त एवं लेखा तथा आईटी सेवाएं आदि शामिल हैं। ये कार्यालय सामूहिक रूप से संस्थान के सुचारू एवं कुशल परिचालन को सुनिश्चित करते हैं। छात्र प्रवेश संबंधी पूछताछ, शुल्क भुगतान, छात्रवृत्ति आवेदन, परिणाम तथा अन्य प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए सहायता प्राप्त करने हेतु इन कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं। इसी तरह, कर्मचारी एवं संकाय सदस्य विभिन्न प्रशासनिक मामलों के लिए इन कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं। इस प्रकार सभी के लिए एक उत्तरदायी एवं सहायक वातावरण सुनिश्चित किया गया है।

अकादमिक खंड

अकादमिक खंड के अंतर्गत बहुआयामी स्थल हैं जहां पाठशालाओं, प्रयोगशालाओं, स्टूडियो और संकाय कार्यालयों का निर्माण किया गया है। संपूर्ण ब्लॉक को सहजता एवं दक्षता के साथ कार्य करने के लिए एक केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग सिस्टम से सुसज्जित किया गया है। इसमें दो लिफ्ट, आने-जाने के लिए रैंप की सुविधा भी है।

इस खंड के भीतर, विभिन्न स्टूडियो और पाठशालाएँ अत्याधुनिक प्रस्तुतीकरण प्रणालियों से पूरी तरह सुसज्जित हैं, जो अध्यापन एवं अधिगम/शिक्षण के अनुभव को बढ़ाती हैं। इसके अतिरिक्त, इस ब्लॉक में विशिष्ट सुविधाएं भी हैं, जिनमें परिधान निर्माण प्रयोगशाला, ग्राफिक स्टूडियो, साउंड रिकॉर्डिंग स्टूडियो और फोटोग्राफी स्टूडियो शामिल हैं, जो कई प्रकार की अकादमिक और रचनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

शिल्पशाला खंड

यह खंड हमारे परिसर की आधारशिला के रूप में कार्य करता है, जो रचनात्मकता और नवोन्मेष को आश्रय प्रदान करता है। इसकी दीवारों के भीतर, हमारे विशेषज्ञता वाले विषयों के अनुरूप सावधानीपूर्वक डिज़ाइन की गई समर्पित शिल्पशालाएँ हैं, जो हमारे छात्रों की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं और उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देती हैं।

औद्योगिक डिज़ाइन के क्षेत्र में, हमारी शिल्पशालाएँ विभिन्न प्रकार की सामग्रियों और शिल्प कौशल का प्रयोग करती हैं। सिरेमिक वर्क, क्ले मॉडलिंग, वुड क्राफ्टिंग और मेटल फैब्रिकेशन के लिए विशेष सुविधाएँ हैं। यहाँ, छात्रों के पास अपने रचनात्मक विजन को मूर्त, कार्यात्मक और सौंदर्यपरक रूप से मनमोहक डिज़ाइन में बदलने के लिए स्थान और उपकरण हैं। कपड़ा और परिधान डिज़ाइन शाखा के लिए, यह खंड रचनात्मकता और शिल्प कौशल का केंद्र प्रदान करता है। हमारी शिल्पशालाओं में छपाई और रंगाई, पैटर्न बनाने और करघे की बुनाई के लिए आवश्यक उपकरण और यंत्र हैं। छात्रों को कपड़े और फैशन की दुनिया का पता लगाने का अवसर मिलता है, जहां वे कपड़ा और परिधान डिज़ाइन बनाने के लिए अपने कौशलों में निखार लाते हैं।

प्रौद्योगिकी के प्रभुत्व वाले युग में, हमारी सूचना एवं प्रौद्योगिकी शिल्पशालाएँ नवोन्मेष के प्रतीक के रूप में कार्य करती हैं। नवोन्नत प्रौद्योगिकी और संसाधनों से सुसज्जित, ये सुविधाएँ हमारे छात्रों को डिजिटल डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में गहराई से उतरने में सशक्त बनाती हैं। यहाँ, वे ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं जिनकी आवश्यकता सूचना प्रौद्योगिकी की शक्ति के माध्यम से भविष्य को मूर्ति रूप देने के लिए पड़ती है। सामूहिक रूप से, हमारे समर्पित खंड में ये शिल्पशालाएँ रचनात्मकता और विशेषज्ञता को पोषित करने की हमारी प्रतिबद्धता को परिलक्षित करती हैं। ये ऐसे स्थान हैं जहाँ कल्पना और तकनीकी कौशलों को एक साथ पिरोया जाता है जो हमारे छात्रों को अपने शिल्प को निखारने, अपनी रुचि के अनुसार स्वयं का आत्मनिरीक्षण करने और अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने का अवसर प्रदान करते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी (आई टी) केंद्र

आईटी केंद्र सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग संस्थान की डिजिटल रीढ़ है, जो संस्थान के मिशन को प्रश्रय देने, संचालनों को बढ़ाने और शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रबंधन और दोहन करने के लिए जिम्मेदार है। संस्थान में आईटी विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाएँ और सेवाएँ निम्न प्रकार हैं: -

कंप्यूटर प्रयोगशालाएं: आईटी विभाग आमतौर पर छात्रों और शिक्षकों द्वारा उपयोग के लिए उच्च निष्पादनीय कंप्यूटर, सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन और इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला का रखरखाव करती है। ये प्रयोगशालाएँ प्राय: कोर्स वर्क और शोध को प्रश्रय देने के लिए नवीनतम हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर से सुसज्जित हैं।

वायरलेस और वायर्ड नेटवर्क: रा.डि.सं.एमपी के पास वायर्ड और वायरलेस कनेक्टिविटी दोनों सहित एक मजबूत कैंपस-वाइड नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर है। छात्र और संकाय परिसर में विभिन्न स्थानों से इंटरनेट और अन्य नेटवर्क संसाधनों तक पहुँच सकते हैं।

ईमेल और संचार सेवा: आईटी विभाग छात्रों और संकाय को ईमेल सेवाएँ तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सहयोगात्मक प्लेटफ़ॉर्म जैसे अन्य संचार उपकरण भी प्रदान करते हैं।

बायोमैट्रिक हाजिरी: बायोमैट्रिक द्वारा हाजिरी लगाने और मासिक रिपोर्ट उपलब्ध कराना आईटी सेवा अनुभाग का कार्य है।

सीसीटीवी निगरानी: परिसर के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सीसीटीवी निगरानी के तहत लाना, आईटी अनुभाग के तहत है।
शोध सहायता: आईटी विभाग विशेषीकृत सॉफ़्टवेयर, उच्च-निष्पादनीय कंप्यूटिंग क्लस्टरों और डेटा संग्रहण समाधानों तक पहुँच प्रदान कर, शोध गतिविधियों को संबल प्रदान करते हैं। वे शोधकर्ताओं को उनकी कम्प्यूटेशनल और डेटा विश्लेषण आवश्यकताओं को स्थापित करने और प्रबंधित करने में भी सहायता करते हैं।

तकनीकी सहायता: आईटी विभाग छात्रों, संकाय और कर्मचारियों द्वारा सामना किए जा रहे हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर मुद्दों को हल करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। इसमें हेल्पडेस्क सेवाएँ, समस्या निवारण और आईटी उपकरणों का रखरखाव शामिल है।
सुरक्षा और डेटा संरक्षण: कैंपस के नेटवर्क की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संवेदनशील डेटा को संरक्षित करना आईटी विभागों की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। वे सुरक्षा उपायों को क्रियान्वित करते हैं और डेटा सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ: आईटी विभाग छात्रों और शिक्षकों को अपने आईटी कौशल बढ़ाने और प्रौद्योगिकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने में सहायता करने के लिए प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएँ आयोजित करता है ।

वेब सेवाएँ: संस्थान की वेबसाइट और अन्य वेब-आधारित सेवाओं, यथा ई-ऑफिस, ईआरपी (समर्थ पोर्टल), इंटरानेट का प्रबंध और रखरखाव आमतौर पर आईटी विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है। वे सुनिश्चित करते हैं कि वेबसाइट अद्यतित और उपयोगकर्ता अनुकूल हो।

सॉफ़्टवेयर लाइसेंसिंग: आईटी विभाग प्राय: संस्थान के लिए सॉफ़्टवेयर लाइसेंसिंग समझौतों का प्रबंध करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सॉफ़्टवेयर उचित रूप से अनुज्ञप्त अर्थात लाइसेंस युक्त है और शैक्षणिक और शोध उपयोग के लिए उपलब्ध है।
हार्डवेयर का क्रय: आईटी विभाग संस्थान के लिए हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर के क्रय में सहायता करता है और बजट की सीमाओं को ध्यान में रखकर अकादमिक और शोध आवश्यकताओं की पूर्ति की सुनिश्चितता करता है।

एम्फीथिएटर

एम्फीथिएटर की मुख्य विशेषताएं और विहंगावलोकन:-

(i) बैठने की व्यवस्था: इसमें उपस्थित लोगों के लिए अच्छी साइटलाइनों के साथ आरामदायक, सहजता से बैठने और बेहतर दृश्यता की व्यवस्था की गई है।

(ii) बिजली व्यवस्था: सही वातावरण और रिकॉर्डिंग के उद्देश्य से समायोज्य बिजली व्यवस्था की गई है।

(iii) प्रदर्शन मंच: विशाल और अनुकूल प्रदर्शन-मंच विभिन्न प्रकार के आयोजनों को समायोजित कर सकता है।

(iv) पहुंच व अभिगम्यता: यहां तक पहुंचने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

(v) भूदृश्य: हरियाली, फूलों और अन्य भूदृश्यी तत्वों के साथ सौंदर्यता का विस्तार किया गया है।

(vi) भंडारण: इन्वेंट्री अर्थात माल-भंडारण और प्रबंधन के लिए अलग स्थान आवंटित किया गया है। ऐसे स्थान जिन्हें विभिन्न प्रकार के आयोजनों, जैसे कि व्याख्यान, संगीत कार्यक्रम, कार्यशालाओं आदि के लिए उपयोग किए जा सकते हैं।

आर्किटेक्ट, इंटीरियर डिज़ाइनर, ऑडियो-विज़ुअल विशेषज्ञों और लैंडस्केप आर्किटेक्ट की सहायता से एक अत्याधुनिक एम्फीथिएटर निर्मित किया गया है, जिसमें बैठने की जगह, चर्चा कक्ष और छात्रों के लिए एक दुकान है ताकि संस्थान और उसके उपयोगकर्ताओं दोनों की ज़रूरतों को पूरा किया जा सके।

ज्ञान प्रबंधन केंद्र (के एम सी)

ज्ञान प्रबंधन केंद्र (के एम सी) किसी भी संगठन के शोध और शैक्षणिक कार्यक्रमों को संबल प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शिक्षकों और छात्रों को अपने शिक्षण और अधिगम कौशलों को बढ़ाने के लिए अधिगम संसाधनों की पहचान, मूल्यांकन, क्रय, प्रसंस्करण में सहायता प्रदान करता है और उनका प्रसार करता है।

रा.डि.सं. म.प्र. में ज्ञान प्रबंधन केंद्र (केएमसी) सबसे आधुनिक मानकों के आधार पर निर्मित किया गया है, जो अपने बेहतरीन हाउसकीपिंग परिचालनों के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर कोहा-एलएमएस का प्रयोग कर पूरी तरह से वातानुकूलित और कम्प्यूटरीकृत है, और श्रमदक्षता की दृष्टि से डिज़ाइन किए गए फर्नीचर और फिक्स्चर से सुसज्जित है। केएमसी ने आरएफआईडी तकनीक को क्रियान्वित किया है जो उपयोगकर्ताओं को अपनी सुविधा के अनुसार सप्ताह के दौरान प्रात:काल ९:०० बजे से मध्यरात्रि १२:०० बजे तक केएमसी के कामकाजी समय में पुस्तकों को स्वयं चेक-इन और चेक-आउट करने की सुविधा प्रदान करता है।

केएमसी की वेबसाइट/पोर्टल संस्थान के समुदाय की सूचना आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। इसके संग्रह में मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का एक समृद्ध संग्रह है, जिसमें ई-पुस्तकें, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल, ई-मैग्जीन, ऑडियोबुक (ब्लूम्सबरी विज़ुअल एंड आर्ट लाइब्रेरी, ब्लूम्सबरी डिज़ाइन लाइब्रेरी, जेएसटीओआर, डब्ल्यूजीएसएन ट्रेंड्स एंड फोरकास्ट, राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, और डिज़ाइन के क्षेत्र से संबंधित अन्य ओपन एक्सेस संसाधन शामिल हैं।

ओपन-सोर्स डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर "डी स्पेस" का प्रयोग करके केएमसी ने संस्थान की डिजिटल रिपोजिटरी बनाई है, जिसमें सभी इन-हाउस अकादमिक, शोध और प्रशासनिक आउटपुट संग्रहीत किए गए हैं। इनमें संस्थान के घटनाक्रमों की फोटो दीर्घा, इन-हाउस प्रकाशन, नीतियां और संस्थान से संबंधित समाचार पत्र की कतरनें/क्लिपिंग आदि भी सम्मिलित हैं। केएमसी अपने उपयोगकर्ताओं को परिसर के अंदर और बाहर 24 X 7 की अवधारणा पर दूरस्थ पहुँच और खोज सेवा प्रदान करता है।

रा.डि.सं. म.प्र. का ई-पुस्तकालय, जो रेफ्रीड प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप का प्रयोग करता है, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश में छात्रों और शिक्षकों के लिए एक व्यापक डिजिटल संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है।

उपयोगकर्ता के अनुकूल मोबाइल ऐप: रा.डि.सं. म.प्र. ई-पुस्तकालय मोबाइल ऐप आईओएस और एंड्रॉइड प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल उपकरणों से संसाधनों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। ऐप को उपयोग में आसानी के लिए डिज़ाइन किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र और संकाय अपनी ज़रूरत की सामग्री को जल्दी से प्राप्त कर सकें और उसका उपयोग कर सकें।

रेफ्रीड प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण: रेफ्रीड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म को सशक्त बनाता है, इसकी कार्यक्षमता और उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाता है। यह एकीकरण डिजिटल संसाधनों के कुशल प्रबंधन और एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी सब्सक्राइब किए गए संसाधनों की सुव्यवस्थित पहुँच में सुविधा प्रदान करता है।

रा.डि.सं. म.प्र. का ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म: ई-लाइब्रेरी हजारों की संख्या में ई-संसाधन प्रदान करता है जिनके अंतर्गत डिज़ाइन और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न विषयों को शामिल किया गया है। इसमें ई-बुक और शोधार्थी संबंधी जर्नल दोनों तक एक्सेस है, जो उपयोगकर्ताओं के लिए एक समृद्ध शिक्षण वातावरण की सुविधा प्रदान करता है।

मुद्रित पुस्तकें: 5205

ऑडियो विज़ुअल सामग्री (डीवीडी): 414

ई-पुस्तकें (ओपन सोर्स): 5000+

मैजस्टर पर ई-पत्रिकाएँ: 5000+

मुद्रित और ई-समाचार पत्र: 100+

जेएसटीओआर अभिदान: 3000+ पत्रिकाएँ

राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय: 44,781,385 दस्तावेज़

दक्षिण एशियाई पुरालेख: ई-पुस्तकें और लेख

ब्लूम्सबरी डिज़ाइन ई-लाइब्रेरी: 174+

ब्लूम्सबरी आर्ट और विज़ुअल डिज़ाइन ई-लाइब्रेरी: 1024+ ई-पुस्तकें

डब्ल्यूजीएसएन: फैशन, इन्साइट, इंटीरियर और कंज्युमर टेक में प्रवृत्तियां और पूर्वानुमान

नेटफ्लिक्स और अन्य मूवी प्लेटफ़ॉर्म तक एक्सेस।

ज्ञान प्रबंधन केंद्र

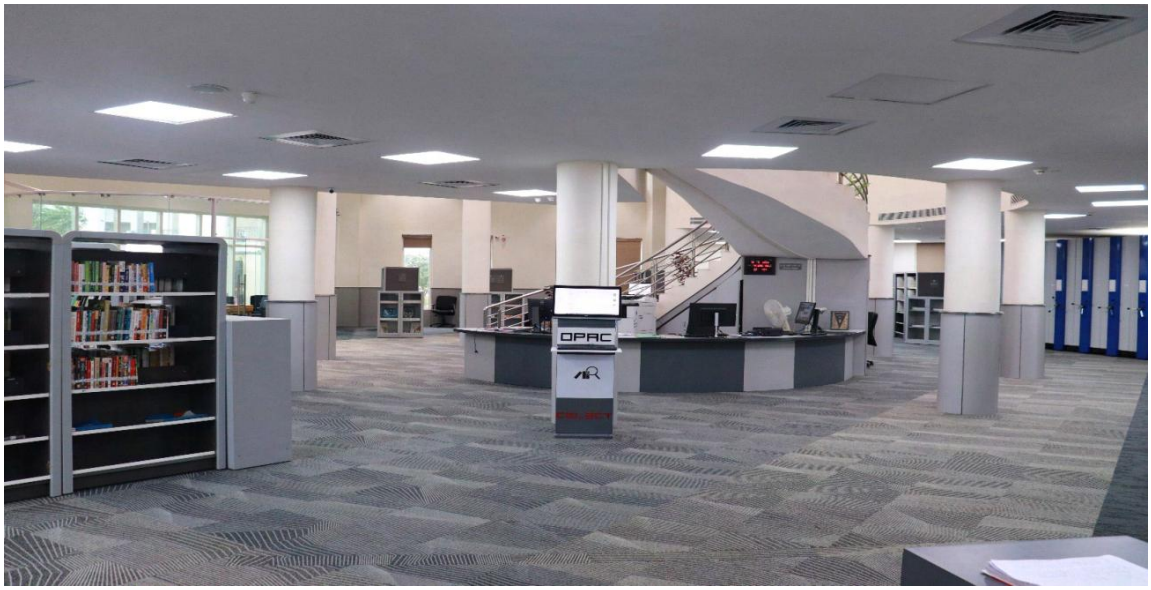

केएमसी पुस्तकालय

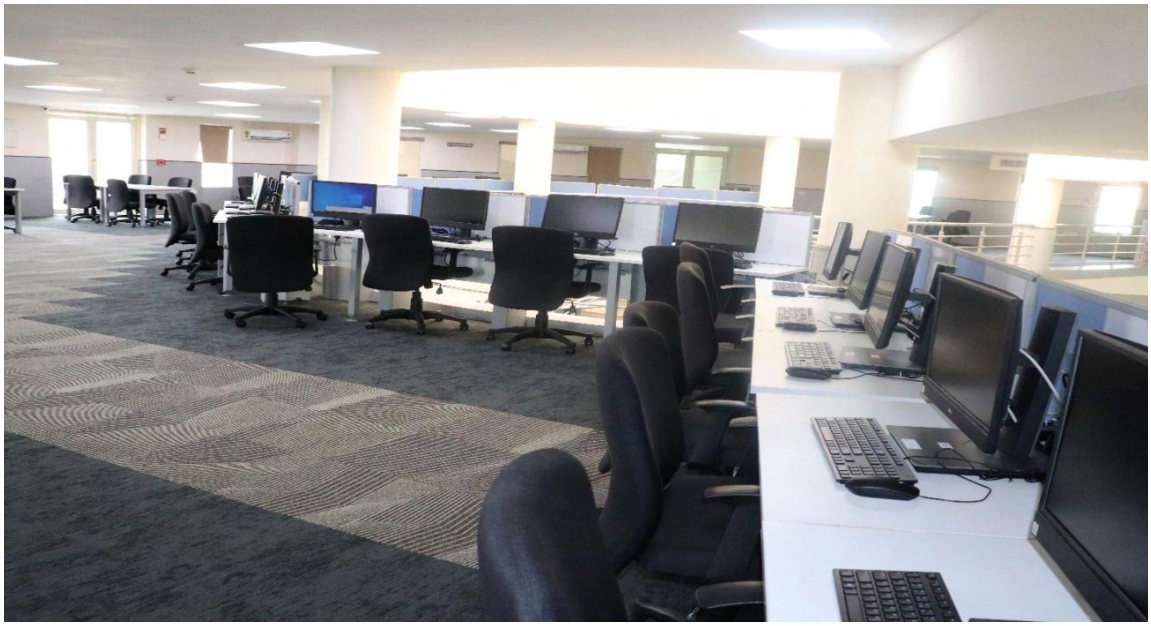

अवर सचिव श्री सुरेन्द्र सिंह का डीपीआईआईटी के ज्ञान प्रबंधन केंद्र में दौरा

सभागार (ऑडिटोरियम)

रा.डि.सं. म.प्र. में सभागार रचनात्मकता, नवोन्मेष और बौद्धिक आदान-प्रदान का एक बेहतरीन केंद्र है। यह सुसज्जित और बहुमुखी स्थान प्रेरणामयी केंद्र है, जहाँ डिज़ाइन के प्रति उत्कट छात्र, संकाय और अतिथि डिज़ाइन की कला और इसके असंख्य पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए इस सभागार पर एक साथ आते हैं।

अपने समकालीन डिज़ाइन और नवोन्नत सुविधाओं के साथ, हमारा सभागार कई तरह के आयोजनों यानी महत्वपूर्ण व्याख्यान और अभिप्रेरणीय प्रस्तुतियों से लेकर गतिशील पैनल चर्चाएँ और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं के लिए आदर्श वातावरण प्रदान करता है। बैठने के लिए खुली जगह, बेहतरीन ध्वनिकी और अत्याधुनिक ऑडियो-विज़ुअल उपकरण यह सुनिश्चित करते हैं कि इस सभागार में आयोजित हर कार्यक्रम एक गहन एवं उपयोगी अनुभव प्रदान करे। अकादमिक और रचनात्मक दोनों तरह के संवादों के लिए एक केंद्रीय स्थल के रूप में, सभागार प्रतिभा को पोषित करने, ज्ञान साझा करने और सामुदायिक बंधुत्व को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जहाँ डिज़ाइन अवधारणाएँ जीवंतता प्राप्त करती हैं और डिज़ाइनरों की अगली पीढ़ी का निर्माण होता है।

हमारा सभागर प्रेरणा, अधिगम व शिक्षण और सहयोग (कोलाब्रेशन) का केंद्र है जहाँ कई प्रकार के प्रस्तुतीकरण किए जाते हैं, चाहे वह किसी प्रसिद्ध डिज़ाइन विशेषज्ञ द्वारा विचारप्रेरक व्याख्यान हो, नवोन्मेषी छात्रों के प्रोजेक्टों को प्रदर्शित करना हो, या डिज़ाइन की विविधता के स्मरोणत्सव का कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम हो। यह हमारी एक ऐसा स्थान प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है जहाँ डिज़ाइन की दुनिया को जीवंतता प्राप्त होती है, और जहाँ डिज़ाइन के भविष्य की परिकल्पना की जाती है तथा डिज़ाइन से संबंधित प्राप्त उपलब्धियों का स्मरणोत्सव मनाया जाता है।

छात्रावास (लड़के और लड़कियाँ)

रा.डि.सं. म.प्र. के छात्रावास छात्रों को सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक जीवन-यापन वातावरण प्रदान करते हैं। वे सामुदायिक भावना को बढ़ावा देते हैं, विविध पृष्ठभूमियों और संस्कृतियों से संबंधित छात्रों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं। लड़कों और लड़कियों के छात्रावास पाँच मंजिला वाली इमारते हैं जिनमें सिंगल और डबल ऑक्यूपेंसी कमरे हैं, और जहां प्रत्येक कमरा हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी से सुसज्जित है। सुविधाओं में मनोरंजन कक्ष, इनडोर गेम, स्वचालित वाशिंग मशीन, आरओ पेयजल आपूर्ति, सोलर गीजर और कई अन्य सुविधाएँ शामिल हैं।

ये छात्रावास न केवल अध्ययन के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान करते हैं, बल्कि समाज से जुड़ने के अवसर भी प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को नए दोस्त बनाने, दोस्तों के नेटवर्क बनाने और एक-दूसरे के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

अपने मजबूत बुनियादी ढांचे से परे, रा.डि.सं. म.प्र. का छात्रावास बातचीत और चर्चा के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं। छात्रावास परिसर के भीतर आमतौर पर पाया जाता है वरिष्ठ छात्र अपने कनिष्ठों को उनके पाठ्यक्रम या प्रोजेक्ट को पूरा करने में मार्गदर्शन देते हैं।

संस्थान में, छात्रावास छात्रों के व्यक्तिगत और सामाजिक कौशलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और एक ऐसा वातावरण सृजित करते हैं जहाँ छात्र स्वतंत्र रूप से रहकर सीखते हैं। कुल मिलाकर, रा.डि.सं. म. प्र. के छात्रावास अपने छात्रों के समग्र विकास और चहुंमुखी शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

छात्रों के लिए मेस

रा.डि.सं. म. प्र. में छात्रों का मेस एक गतिशील सामाजिक केंद्र के रूप में सेवा प्रदान करता है, जो छात्र समुदाय के बीच संबंधों और सौहार्द को बढ़ावा देता है।

१२० व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ, केंद्रीय रूप से वातानुकूलित भोजन कक्ष में छात्र एकत्र होते हैं, जहां वे पंसदीदा भोज ग्रहण करते हैं और सार्थक सामाजिक चर्चाएं करते हैं। भोज कक्ष का सोच-समझकर निर्मित किया गया लेआउट सामुदायिक भाव को प्रोत्साहित करता है तथा छात्रों को चिरकालिक मित्रता और संबंध बनाने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

रा.डि.सं. म. प्र. ने न केवल खाना पकाने और परोसने की प्रक्रियाओं की सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए, बल्कि भोज्य (डाइनिंग) अनुभव को बढ़ाने के लिए आधुनिक रसोई उपकरण और बर्तनों में निवेश किया है। मेस सेवा प्रदाता द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता के उच्च मानकों को कायम रखने पर खासा जोर दिया जाता है जो छात्र समुदाय के कल्याण के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

छात्रों के मेस की एक खासियत यह है कि वह संस्थान की मेस समिति द्वारा आहार मेन्यू को सावधानीपूर्वक तैयार करता है। विविध प्राथमिकताओं और आहार संबंधी आवश्यकताओं पर सावधानीपूर्वक विचार करते हुए, मेन्यू को विभिन्न खाद्य पदार्थों को शामिल करने के लिए सोच-समझकर तैयार किया जाता है, जो छात्र समूह के भीतर विभिन्न जनसांख्यिकी की पूर्ति करता है। यह समावेशी दृष्टिकोण न केवल छात्रों को उनकी पंसदगी के विविधात्मक भोजनों से संतुष्ट करता है, बल्कि समुदाय और अपनेपन की मजबूत भावना के निर्माण में भी योगदान देता है।

मेस द्वारा प्रदान किया जाने वाला सामुदायिक भोज अनुभव रा.डि.सं. म. प्र. की यात्रा का एक अभिन्न अंग है। शरीर को पोषण देने के अलावा, यह एकजुटता की भावना को पोषित करता है, जिसके कारण मेस साझा अनुभवों और रा.डि.सं. म. प्र. में एक जीवंत एवं समावेशी समुदाय भाव जागृत करने का एक केंद्रीय केंद्र है।

छात्रों के मेस में डाइनिंग हॉल

बाह्य खेल सुविधाएं

"खेल उत्कृष्टता के ज्वलंत उदाहरण प्रस्तुत कर, समाज की सेवा करते हैं"।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) उत्कृष्टता, टीमवर्क और समग्र विकास को बढ़ावा देने में खेलों के महत्व को मान्यता देता है। हमारे ओजस्वी छात्र और कर्मचारी समुदाय को शारीरिक गतिविधि और मनोरंजन के अवसर प्रदान करने के लिए, हमने कई बाह्य व आउटडोर खेल सुविधाएँ निर्मित की हैं और हम सक्रिय भागीदारी और स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करते हैं। इन सुविधाओं में निम्न शामिल हैं:

फुटबॉल मैदान: हमारा सुव्यवस्थित फुटबॉल मैदान ऊर्जा और टीम-वर्क का केंद्र है, जहाँ छात्र और कर्मचारी इस रोमांचक खेल में भाग लेने के लिए एक साथ आते हैं।

लॉन टेनिस कोर्ट: टेनिस के शौकीन अपने कौशलों को निखारने हेतु हमारे दो सुसज्जित लॉन टेनिस कोर्ट पर खेल सकते हैं।

वॉलीबॉल कोर्ट: दो वॉलीबॉल कोर्ट गंभीर रैलियों और मैत्रीपूर्ण मैचों के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराते हैं जिससे हमारे समुदाय के सदस्यों के बीच भाईचारे और खेल भावना को बढ़ावा मिलता है।

बास्केटबॉल कोर्ट: बास्केट बॉल प्रेमी तेज़ गति वाले और रोमांचक खेलों के लिए इन कोर्टों का उपयोग करते हैं। ये कोर्ट न केवल मनोरंजन के लिए, अपितु बास्केटबॉल कौशल को निखारने के लिए भी सहायक हैं।

क्रिकेट प्रैक्टिस पिच: क्रिकेट प्रेमियों के लिए, एक समर्पित प्रैक्टिस पिच बनाई गई है। यह क्रिकेट प्रेमियों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी तकनीकों को निखारने और क्रिकेट मैचों की तैयारी करने के लिए आदर्श स्थान है।

ये बाह्य खेल सुविधाएँ मात्र शारीरिक गतिविधि के केंद्र नहीं हैं; बल्कि ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ हमारे समुदाय के सदस्य एक साथ आ सकते हैं, संबंध बना सकते हैं और उत्कृष्टता हासिल कर सकते हैं। रा.डि.सं. म.प्र. का मानना है कि खेल एक अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हम अपने समुदाय को शैक्षणिक गतिविधियों तथा खेल के मैदान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बहुआयामी-सुविधा पुनरुद्धार केंद्र

बहुआयामी सुविधा पुनरुद्धार केंद्र अथवा मल्टी-फैसिलिटी रिजुविनेशन सेंटर (एम एफ आर सी) संस्थान के समुदाय के भीतर स्वास्थ्य और जीवन शक्ति की आधारशिला के रूप में कार्य करता है और उनके शारीरिक, सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रा.डि.सं. म. प्र. में, एमएफआरसी एक बहुमुखी केंद्र है जो हमारे छात्रों और परिसर के निवासियों को अनेक प्रकार के संसाधन उपलब्ध करता है, जिससे उनका जीवन कई रूपों में समृद्ध होता है।

एमएफआरसी में एक सुसज्जित जिम है, जहाँ छात्र और परिसर के निवासी अपनी ऊर्जा, समग्र फिटनेस और स्वास्थ्य के कल्याण के लिए व्यायाम कर सकते हैं। संगीत के सुर एवं ताल के प्रति उत्सुक लोगों के लिए, एमएफआरसी संगीत वाद्ययंत्रों तक पहुँच प्रदान करता है, जो उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने और प्रसन्नचित रहने का अवसर प्रदान करता है। शारीरिक फिटनेस के अलावा, मनोरंजक गतिविधियों के लिए आंतरिक अथवा इनडोर खेल सुविधाएँ उपलब्ध की गई हैं।

फिटनेस और स्वास्थ्य से परे, एमएफआरसी एक सामाजिक संबंध-सूत्र के रूप में कार्य करता है। यह एक सुरक्षित और आकर्षक स्थान प्रदान करता है, जहाँ छात्र आराम कर सकते हैं और वे अपने साथियों के साथ जुड़ सकते हैं। यहाँ, वे सामाजिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं, जिससे समुदाय और सौहार्द की भावना को बढ़ावा मिलता है। रा.डि.सं. म.प्र. में एमएफआरसी केवल एक सुविधा-केंद्र नहीं है, बल्कि वह समग्र कल्याण के लिए संवर्ग की तरह भी है। यह संस्थान के समुदाय को अपने शारीरिक, सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य को पोषित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, क्योंकि उसका मानना है कि एक संतुलित और स्वस्थ जीवन शैली व्यक्तिगत और शैक्षणिक सफलता की कुंजी है।

आवासीय क्षेत्र

रा.डि.सं. म.प्र. में कर्मचारी आवास संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के बीच दृढ़ सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करने और अपने साथ जुड़े रखने की संस्थान की क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। संस्थान के परिसर में प्रवास के दौरान कर्मचारियों को परिसर में सेवाओं, मनोरंजक सुविधाओं और विभिन्न अन्य सुविधाओं तक सुविधाजनक पहुँच मिलती है, जिससे उनके समग्र कार्य-जीवन संतुलन में सुधार होता है।

आवासीय क्षेत्र की उल्लेखनीय विशेषता यह है कि आवासीय खंडों के समीप एक ओपन जिम स्थित है। इस सुविधा का लाभ न केवल कर्मचारी बल्कि उनके परिवार के सदस्य और छात्र भी लेते हैं, और वह रा.डि.सं. म.प्र. समुदाय के भीतर एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देता है। आवास सुविधा प्राप्त करने लिए कई आवास विकल्प हैं। टाइप V का आवास कार्यकारी अतिथि गृह के रूप में आवंटित किया जाता है, जबकि टाइप II के ०३ आवास, टाइप III के ०३ आवास, टाइप IV के ०६ आवास तथा टाइप V के ०४ आवास आवंटित किए जाते हैं। आवासों की विविध श्रेणी सुनिश्चित करती है कि कर्मचारियों के पास ऐसे आवास विकल्प हों जो उनकी प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के अनुरूप हों।

ये कर्मचारी आवास केवल रहने की जगह नहीं हैं; अपितु वे कर्मचारियों के कल्याण और बेहतर जीवन-यापन के लिए संस्थान के समग्र दृष्टिकोण में योगदान देते हैं। सहायक और सामुदायिक रूप से रहने का माहौल प्रदान करके, रा.डि.सं. म. प्र. नियोक्ताओं के लिए एक पसंदीदा जगह है। इससे एक सकारात्मक माहौल सृजित होता है और संकाय तथा कर्मचारियों के बीच सहयोग, अपनेपन की भावना को बढ़ावा मिलता है।

चिकित्सा केंद्र

रा.डि.सं. म. प्र. में चिकित्सा केंद्र छात्रों और कर्मचारियों दोनों के समग्र कल्याण के लिए एक स्तंभ के रूप में भूमिका निभाता है, जो उनके स्वास्थ्य की सुनिश्चितता हेतु एक स्वस्थ परिसर के माहौल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के प्रावधान से परे, यह केंद्र विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी मामलों और स्वास्थ्य संवर्धन पहलों पर चिकित्सा सलाह, सहायता और सूचना प्रसार के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है।

संस्थान में समर्पित चिकित्सा कर्मचारी कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। वे तत्काल प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने, टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच करने के लिए जिम्मेदार हैं। उपलब्ध चिकित्सा सहायता को बढ़ाने के लिए, संस्थान ने व्यापक चिकित्सा देखभाल तक नियमित पहुँच सुनिश्चित करने हेतु एक योग्य चिकित्सक को अभ्यागत (विजिटिंग) आधार पर नियुक्त किया है।

स्वास्थ्य सेवा के लिए लैंगिक-संवेदनशील दृष्टिकोण के महत्व को समझते हुए, संस्थान ने पुरुष और महिला दोनों परिचर्या सहायकों को नियुक्त किया है। ये परिचर्या सहायक छात्रों और कर्मचारियों दोनों की विशिष्ट चिकित्सा आवश्यकताओं का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और एक समावेशी तथा सहायक स्वास्थ्य सेवा वातावरण में योगदान करते हैं।

पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका से परे, चिकित्सा केंद्र स्वास्थ्य संवर्धन पहलों में संलिप्त होकर सक्रिय भूमिका निभाता है। यह रोकथाम संबंधी उपायों, स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों और समग्र कल्याण के बारे में जानकारी प्रसारित करता है और परिसर में ऐसा वातावरण बनाने में योगदान देता है जो स्वास्थ्य को महत्व एवं प्राथमिकता दे।

संक्षेप में, रा.डि.सं. म.प्र. में चिकित्सा केंद्र केवल चिकित्सा संबंधी समस्याओं का निदान करने की सुविधा ही नहीं है, बल्कि एक व्यापक सहायता प्रणाली है जो अपने छात्रों और कर्मचारियों के समग्र विकास और कल्याण के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता से संबद्ध है। अपने बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ, यह केंद्र एक स्वास्थ्यवर्धक, जागरूक, और सहिष्णु परिसर सृजित करने में योगदान देता है।

वेलनेस काउंसलिंग

संस्थान ने विजिटिंग वेलनेस काउंसलर की सेवाओं को अनुबंधित कर अपने छात्रों के मानसिक कल्याण के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है। यह समर्पित व्यावसायिक काउंसलर छात्रों के साथ नियमित रूप से व्यक्ति-दर-व्यक्ति एक सत्र आयोजित करता है। यह सत्र मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

काउंसलर की विशेषज्ञता छात्रों को उनकी भावनाओं को नियंत्रित करने, तनाव से निपटने, अवसाद को दूर करने और चिंता एवं अन्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने में सहायता करने में अमूल्य रही है। वह छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने में मार्गदर्शन करती हैं, और उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सशक्त करती हैं।

तत्काल समस्याओं का समाधान करने के अलावा, काउंसलर छात्रों की रोगप्रतिरोधक क्षमता, स्व-जागरूकता और आत्म-सम्मान को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती हैं जो जिससे छात्र अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं। उनकी विशेषज्ञता में निम्न शामिल हैं:

परामर्श, मनोचिकित्सा और पुनर्वास: वह मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए व्यक्ति-दर-व्यक्ति सहायता प्रदान करती हैं। परामर्श, अग्रसक्रिय उपचार और पुनर्वास: वह मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की तुरंत पहचान व निदान करने और उनका समाधान करने के लिए अग्रसक्रिय सेवाएँ प्रदान करती हैं, जिससे समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

जागरूकता और संवेदनशीलता कार्यक्रम: ऐसे कार्यक्रम और पहलें आयोजित करना जो परिसर में समुदाय के भीतर मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देती हैं।

संस्थान अपने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए व्यापक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह मानता है कि एक स्वस्थ दिमाग समग्र सफलता और संतुष्टि का अभिन्न अंग है।

औषधालय सुविधाएं

100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ का निर्माण

समुदाय में राष्ट्रीय गौरव और नागरिक भावना को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों के एक हिस्से के रूप में, संस्थान ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में सभागार भवन के सामने एक स्मारकीय १०० फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ का निर्माण करवाया, जो प्रतीकात्मक और भौतिक दोनों तरह के बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण निवेश को दर्शाता है। इस निर्माण का उद्देश्य हमारे राष्ट्र की विरासत का स्मरणोत्सव मनाना और संस्थान के लिए एक प्रमुख स्थल प्रदान करना है।

१०० फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ का निर्माण के पीछे मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति के एक दृश्यमान और अभिप्रेरक प्रतीक उपलब्ध कराने के साथ-साथ एक प्रमुख और स्थायी स्थल प्रदान कर राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देना था, ताकि संस्थान का समुदाय अपनी अस्मिता की भावना को बढ़ा सके।

संपूर्ण निर्माण और स्थापना एवं स्तंभ को खड़ा करने का कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), भोपाल संभाग के माध्यम से निष्पादित किया गया।

संपर्क मार्ग का पुनर्विकास

वित्त वर्ष २०२३-२४ के दौरान, संस्थान ने परिसर को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग को अघतित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पुनर्विकास परियोजना शुरू की है। यह कार्य स्थानीय बुनियादी ढांचे में सुधार लाने, सुरक्षा बढ़ाने और एक मनोरम वातावरण बनाने के लिए हमारी निरंतर प्रतिबद्धता की पहल के रूप में कराया गया था। संपर्क सड़क पुनर्विकास परियोजना कई प्रमुख उद्देश्यों केआधार पर शुरू की गई थी:

- सड़क सुरक्षा में सुधार: दुर्घटनाओं को कम करने और पैदल यात्री की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सुरक्षा सुविधाओं का आधुनिकीकरण किया गया है।
- बुनियादी ढांचे का उन्नयन: सड़क के फर्श व सतह को फिर से निर्मित किया गया और जल निकासी एवं बुनियादी सेवा प्रणालियों को अघतित किया गया ताकि उनकी दीर्घकालिक विश्वसनीयता कायम रहे।
- सौंदर्यता को बढ़ाना: संस्थान के प्रवेश द्वार को आकर्षक बनाने के लिए सुधारों को कार्यानिवत किया जा रहा है।
- यातायात प्रवाह को सुविधाजनक बनाना: यातायात भीड़भाड़ के मुद्दों को दुरस्त किया गया और यातायात प्रबंधन प्रणालियों को इष्टतम बनाया गया।

निर्माण कार्य करने के दौरान, सड़क को पूरी तरह से पुन: निर्मित किया गया, उसके फर्श व सतह को अच्छी तरह से समतल, अधिक टिकाऊ बनाया गया ताकि ड्राइविंग में सहजता हो। सड़क का ऐसा उन्नयन कर सड़क के शोर और वाहन वे निकलने वाली आवाज में भारी कमी आई है। साथ ही, आस-पास के निचले गाँवों के इलाकों में जलभराव को रोकने के लिए वर्षाजल निकासी हेतु नई नालियां निर्मित कराकर जल निकासी प्रणाली का भी उन्नयन किया गया ताकि उनके सतत रखरखाव के मुद्दों को कम किया जा सके।

7

परिसर जीवन

7.1 मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव 2023

मुद्रा संस्करण

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म.प्र.) भारत के हृदय में रचनात्मकता और नवोन्मेष का एक चमकता हुआ प्रकाश-स्तंभ है। कलात्मक प्रतिभाओं को पोषित करने और डिज़ाइन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ, यह संस्थान डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में एक यथार्थ रत्न बनकर उभरा है। रा.डि.सं. म.प्र. हर साल अपने प्रमुख कार्यक्रम के रूप में, मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव (एमपीडीयू) का आयोजन करता है।एमपीडीयू 2023 का आयोजन 15, 16 और 17 दिसंबर 2023 को किया गया। यह भव्य उत्सव एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करता है, जहाँ मध्य प्रदेश के प्रतिभाशाली कारीगरों को ऐसा समर्थन और पहचान मिलती है जिसके वे वास्तविक तौर पर हकदार होते हैं। भोपाल के सभी कोनों से छात्रों और व्यक्तियों को आमंत्रित करके, मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव विचारों, संस्कृतियों और डिज़ाइन संबंधी विमर्शों का एक मेल्टिंग प्वाइंट अर्थात सम्मिलन केंद्रबिंदु सृजित करता है। यह परंपरा और नवोन्मेष के बीच मिश्रण का एक असाधारण प्रदर्शन है, जहाँ स्थानीय कारीगरों की शिल्पकला की तुलना नवोदित डिज़ाइनरों के नवोन्मेषी विचारों से होती है। एमपीडीयू २०२३ की थीम 'मुद्रा' है, जो हस्त मुद्राओं की वाक्पटुता के माध्यम से संचार की कला को दर्शाती है। यह हमारे हाथों द्वारा व्यक्त की जा सकने वाली गैर-मौखिक भंगिमाओं के असंख्य रूपों का एक आकर्षक उत्सव है। मानवीय संबंधों पर नृत्य प्रदर्शित करने में, हाथ अभिव्यक्ति व भंगिमाओं के मूक कवित्व भाव के रूप में प्रदर्शन करते हैं। मार्मिक स्पर्श के साथ, वे मनोभावों को चित्रित करते हैं, संवेदना और समझ के विशिष्ट रूपों को प्रदर्शित करते हैं। अपने कोमल प्रेम-स्पर्श में, वे विनोद की झलकें बिखेरते हैं और दिलों के बीच की खाई को एक ऐसी वाक्पटुता से पाटते हैं जो कदाचित शब्दों में शायद ही महसूस की जा सकती हो। संबंधसूचक के रूप में इन अंगों में अंगुलियां कहानियों को पिरोती हैं और सपनों को पोषित करने वाली हथेलियां हमें याद दिलाते हैं कि मानवीय संवाद की स्वर सुरम्यता में, यह प्राय: हाथ का स्पर्श होता है जो संयोग क्रियाओं की रचना करता है और दर्शकों को एक सार्वभौमिक और शास्त्रीय भाषा में मंत्रमुग्ध करता है।

प्रमुख कार्यक्रम

1 पुस्तक प्रदर्शनी
2 कारीगरों के स्टॉल
3 आभूषण बनाने की शिल्पशाला
4 कार्टून कार्यशाला
5 कलमकारी - एक ब्लॉक प्रिंटिंग कार्यशाला
6 नॉटेड एलिगेंस- मैक्रेम कार्यशाला
7 सिरेमिक कार्यशाला
8 पैपियर माशे कार्यशाला
9 एनालॉग मॉडल बनाने की कार्यशाला
10 ताड़ बुनाई कार्यशाला
11 डिज़ाइन शॉप
12 साउंड डिज़ाइन कार्यशाला
13 डिज़ाइन सम्मेलन - रा.डि.सं. म.प्र. द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय डिज़ाइन सम्मेलन
14 श्रीमती शिमुल व्यास (औद्योगिक और असेसरी डिज़ाइन विशेषज्ञ) द्वारा डिज़ाइन पर वार्ता
15 श्री सुनील शुक्ला द्वारा संचालित कला प्रदर्शनी

एमपीडीयू २०२३ से रूबरू होने और डिज़ाइन छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करने के लिए तथा डिज़ाइन शिक्षा की दुनिया से परिचित होने के लिए वेलाम्मल स्कूल, चेन्नई (४० सं.) के छात्रों और शिक्षकों द्वारा संस्थान में विशेष आवासीय यात्रा की गई।

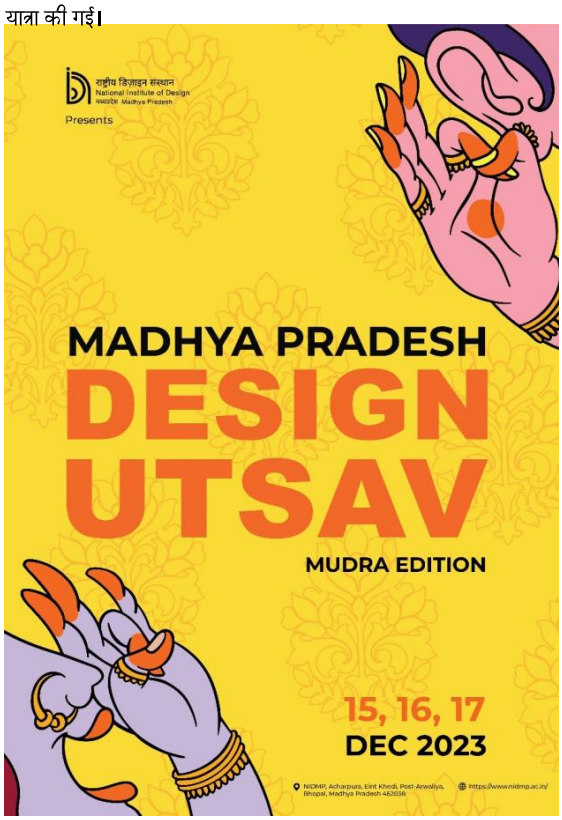

विजुअल आइडेंटिटी टीम द्वारा एमपीडीयू २०२३ पोस्टर डिज़ाइन

मध्य प्रदेश सरकार के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला द्वारा 5 सितंबर 2023 को

एमपीडीयू २०२३ के दौरान एनआईडी एमपी में कला प्रदर्शनी का दौरा करते हुए छात्र एवं आगंतुक

श्री प्रद्युम्न व्यास रा.डि.सं. म.प्र. के पूर्व निदेशक, श्री धीरज कुमार के साथ I3 डिज़ाइन सम्मेलन २०२३ के दौरान प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए

कार्यशाला कोरिडोर में पुस्तकों की प्रदर्शनी

7.2 हरित अभियान (ग्रीन ड्राइव):-

पौधारोपण अभियान:- ५ जून २०२३ को विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के भाग के रूप में, संस्थान ने 'पौधारोपण अभियान' चलाया जिसके बाद "मिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (LiFE)" विषय पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों दोनों की सक्रिय भागीदारी थी।

7.3 स्थापना दिवस

अपने ६वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म.प्र.) ने हर्षोल्लास, सौहार्द और विनोद का अनुभव किया। औपचारिक रूप से आयोजित, सावधानीपूर्वक प्रबंधित, नियोजित और निष्पादित इस समारोह ने दिनभर उत्सव मनाने की राह की नींव रखी।

औपचारिक समारोह की शुरूआत सम्मानित निदेशक द्वारा रा.डि.सं. म.प्र. बिरादरी को संबोधित करने के साथ हुई। निदेशक ने अपने संबोधन में संस्थान की यात्रा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं को समाहित किया। यह प्रेरणा और गर्व का क्षण था क्योंकि उन्होंने भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और उन सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया, जिन्होंने रा.डि.सं. म.प्र. को अपनी वर्तमान स्थिति में पहुंचाया है।

समारोह में रा.डि.सं. म.प्र. के प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की गई। पारंपरिक नृत्यों से लेकर समकालीन रंगमंच प्रदर्शनों तक, सांस्कृतिक भव्यता ने संस्थान के भीतर पोषित विविध कलात्मक प्रतिभा वाले लोगों ने अपनी कलाओं को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनों ने न केवल मनोरंजन किया बल्कि रचनात्मकता और नवोन्मेष का रस भी बिखेरा, जो कि रा.डि.सं. म.प्र. की सांस्कृतिक विरासत का परिचायक है।

रा.डि.सं. म.प्र. में ६वां स्थापना दिवस समारोह एक महत्वपूर्ण अवसर था, जहां औपचारिक दृष्टिकोणों को सांस्कृतिक उत्साह और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ मिश्रित किया गया। संस्थान द्वारा सावधानीपूर्वक बनाई गई समारोह योजना और उसके निष्पादन ने सुनिश्चित किया कि यह दिन न केवल संस्थान की उपलब्धियों के रूप में यादगार पल रहे, बल्कि उसे पूरे रा.डि.सं. म.प्र. समुदाय के प्रति कृतज्ञता के लिए भी याद किया जाए। रा.डि.सं. म.प्र. की आगे की राह में यह स्थापना दिवस उसकी यात्रा, उसके मूल्यों और जीवंत रचनात्मकता की याद दिलाएगा, जो इसकी दीवारों के भीतर पनपती रहती है।

iMPULS
21 & 22 feb
KAPS
CASIO

7.4 समारोह

7.4.1 स्वतंत्रता दिवस: -

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश ने 15 अगस्त 2023 को 77वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो उनके बीच एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को दर्शाता है। समारोह की शुरूआत निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। देशभक्ति के गीतों, ढोल वादन सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वतंत्रता और विविधता की भावना को दर्शाया गया।

कार्यक्रम का समापन सभागार में एक देशभक्ति फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग के साथ हुआ। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय अभियान "हर घर तिरंगा" के अनुरूप, उपस्थित लोगों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

7.4.2 गणतंत्र दिवस समारोह: -

संस्थान में छात्रों और कर्मचारियों की जीवंत और ऊर्जावान भागीदारी के साथ 26 जनवरी 2024 को 75वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण समारोह के साथ हुई, जिसके बाद निदेशक ने संविधान के महत्व और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर जोर देते हुए अपना संबोधन दिया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला शामिल की गई थी।

गणतंत्र दिवस से पहले, एक पूर्व-गणतंत्र दिवस कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसका शीर्षक "सेलिब्रेटिंग रिवोलुशनरी इंडियन डिज़ाइन" था। इस कार्यक्रम में छात्रों और कर्मचारियों दोनों को शामिल कर कई तरह की गतिविधियाँ चलाई गईं:

- ताड़ बुनाई कार्यशाला: श्री सुधाकर खडसे द्वारा संचालित इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को भारत की समृद्ध शिल्प विरासत से परिचित कराते हुए ताड़ बुनाई की पारंपरिक कला सीखने और अभ्यास करने का अवसर प्रदान किया।
- 500-शब्दों की निबंध लेखन प्रतियोगिता: कर्मचारियों को 'भारतीय डिज़ाइन' विषय पर निबंध प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। यह समकालीन संदर्भों में भारतीय डिज़ाइन के महत्व को रेखांकित और व्यक्त करने के लिए एक मंच था।
- रंगोली प्रतियोगिता: अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करके, प्रतिभागियों ने जीवंत रंगोली डिज़ाइन बनाए, जबकि भारतीय परंपराओं का उत्सव मनाते हुए स्थिरता और रचनात्मकता को बढ़ावा दिया।

7.4.3 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:-

संस्थान ने 8 मार्च 2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया, जिसका उद्देश्य महिलाओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देना और लैंगिक समानता के लिए चल रहे संघर्ष के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। संस्थान की सांस्कृतिक समिति ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पूरे छात्र समुदाय के लिए "महिला सशक्तिकरण" विषय पर एक डिजिटल पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की। इस पहल ने न केवल लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाई, अपितु महिला सशक्तिकरण को भी बल दिया। यह प्रतियोगिता छात्रों के बीच रचनात्मकता को बढ़ावा देने और संस्थान को उनकी प्रतिभा का संज्ञान लेने में सहायता करेगी।

7.4.4 विश्वकर्मा जयंती

शिल्पशाला में 17 सितंबर 2023 को विश्वकर्मा जयंती मनाई गई, जो दिव्य वास्तुकार, भगवान विश्वकर्मा के सम्मान में समर्पित एक विशेष पूजा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उत्सव में एक पारंपरिक हवन किया गया और हमने अपने औजारों, मशीनरी और उपकरणों के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। साथ में, उपस्थित सभी लोगों ने हमारे संस्थान के समुदाय की सफलता और उन्नति के लिए प्रार्थना की।

विश्वकर्मा जयंती को वास्तुकला और अभियांत्रिकी के देवता के प्रति सम्मान एवं आस्था के रूप में मनाई जाती है। भगवान विश्वकर्मा को दुनिया के निर्माता के रूप में पूजा जाता है, साथ ही उन्हें अभियांत्रिकी और वास्तुकला के विज्ञान का अग्रदूत भी माना जाता है। यह दिन डिज़ाइन और अभियांत्रिकी की दुनिया में सरलता और शिल्प कौशल की याद दिलाता है, और यह हमें अपने प्रयासों में प्रगति और समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए प्रेरित करता है।

7.4.5 दिवाली (2023)

दिवाली, जिसे प्रकाश व रोशनी का त्योहार माना जाता है, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (एन आई डी) में बड़े हर्षोल्लास के साथ बड़े पैमाने पर मनाई जाती है। यह पर्व छात्रों, संकाय सदस्यों, प्रशासनिक कर्मचारियों और सहायक कर्मचारियों को एक जीवंत और उत्सवमय वातावरण में एकजुट करता है। पूरा रा.डि.सं. समुदाय इस महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम को मनाने के लिए एक साथ आगे आता है, जिससे एकजुटता और साझा परंपराओं की भावना को बढ़ावा मिलता है।

रा.डि.सं. म. प्र. में दिवाली समारोह सांस्कृतिक विविधता और समावेशिता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। परिसर में कई तरह की गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो भारतीय परंपराओं और रचनात्मकता की समृद्ध झलक को दर्शाते हैं। दिवाली के अवसर पर परिसर को रंगीन और अनुपम रंगोली डिज़ाइन, चमकीले दीये (तेल के दीये) और सजावटी रोशनी से सजाया गया। सस्थान की इमारतें और आम क्षेत्रों को एक विहंगम वातावरण में परिवर्तित किया जाता है, जो दिवाली की सजीवता को परिलक्षित करता है।

छात्र नृत्य, संगीत और रंगमंच सहित सांस्कृतिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं। प्रदर्शन उत्सव में कला की छटा बिखेरते हैं। कई उपस्थित लोगों ने पारंपरिक भारतीय परिधानों, जैसे कि साड़ी, कुर्ता-पायजामा और शेरवानी पहनकर उत्सव के माहौल को और भी खास बना दिया। रंगोली उत्सव का मुख्य आकर्षण होती है, जो छात्रों और कर्मचारियों को रंगीन रंगोली डिज़ाइन बनाकर अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

दिवाली के दौरान उपहारों, विशेष रूप से दीये और मिठाइयों का आदान-प्रदान एक हर्षोल्लास की परंपरा है। रा.डि.सं. म.प्र. समुदाय सद्भावना और मित्रता के इन वस्तुओं का आदान-प्रदान करता है।

दिवाली के शुभ दिन पर, समृद्धि और कल्याण के लिए आशीर्वाद लेने हेतु श्रीमहालक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह उत्सव के दौरान एक पवित्र और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण क्षण होता है।

रा.डि.सं. म.प्र. में दिवाली एक ऐसा समय होता है जब पूरा समुदाय विविधता में एकता की भावना, कलात्मक अभिव्यक्ति और भारत की सांस्कृतिक विरासत को मनाने के लिए एक साथ आता है। यह छात्रों और कर्मचारियों के अपने विविध समुदाय के बीच अपनापन और समावेशिता की भावना को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

7.4.6 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023:

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश ने भारत सरकार, आयुष मंत्रालय द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए २१ जून २०२३ को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस २०२३ की थीम "वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योगा" थी, जिसमें वैश्विक एकता और परस्पर संबंध पर जोर दिया गया। घरेलू टैगलाइन "हर आंगन योग" को बढ़ावा दिया गया, ताकि जमीनी स्तर पर हर घर में योग करने के भाव को प्रोत्साहित किया जा सके। संस्थान के एम्फीथिएटर में एक योग सत्र का आयोजन किया गया। श्री एम.डी. साहू, सहायक (प्रशासन) और एक योग्य योग शिक्षक के नेतृत्व में सत्र ने प्रतिभागियों को व्यापक योग अनुभव प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन हल्के जलपान के साथ हुआ, जिससे सभी उपस्थित लोगों में सामुदायिकता और कल्याण की भावना को बढ़ावा मिला।

7.4.7 राष्ट्रीय खेल दिवस:-

राष्ट्रीय खेल दिवस २९ अगस्त २०२३ को संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच के साथ मनाया गया।

7.5 स्वच्छ भारत अभियान: स्वच्छता और सफाई के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन

२ अक्टूबर, २०१४ को शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान महात्मा गांधी की १५०वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्होंने स्वच्छता और सफाई को एक स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के स्तंभ के रूप में बढ़ावा दिया। यह अभियान स्वच्छता और सफाई के विभिन्न पहलुओं पर लक्षित रहता है, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रामीण स्वच्छता, सार्वजनिक और व्यक्तिगत स्वच्छता और खुले में शौच का उन्मूलन जैसे पहलु होते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान के मुख्य उद्देश्य निम्न प्रकार हैं:

1. शौचालयों का निर्माण
2. संव्यवहारात्मक परिवर्तन
3. अपशिष्ट प्रबंधन
4. सार्वजनिक स्थानों पर सफाई
5. संस्थागत स्वच्छता

स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता तक सार्वभौमिक पहुँच के संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में वैश्विक मान्यता भी अर्जित की है।

स्वच्छ भारत के लिए एक सामूहिक प्रयास:

स्वच्छ भारत अभियान का आशय स्वच्छता, सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों सहित सभी भारतीयों के लिए स्वच्छता को जीवन शैली में बदलना है।

डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में तथा देशव्यापी स्वच्छता अभियान के दृष्टिकोण के अनुरूप, रा.डि.सं. म.प्र. के कर्मचारियों और छात्रों के बीच स्वच्छता, भावना और साफ-सफाई को बढ़ावा देने के लिए, स्वच्छ भारत अभियान के तत्वावधान में संस्थान में विभिन्न गतिविधियाँ शुरू की गईं, जैसे कि:

1. प्रत्येक माह के अंतिम 'गुरुवार' को संस्थान में कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान/कार्यक्रमों के लिए सायंकाल ०५:१५ बजे से ०६:०० बजे तक निर्धारित किया गया है।

2. स्वच्छ भारत अभियान के लिए एक समर्पित ईमेल आईडी (sba@nidmp..ac.in) बनाई गई है। यदि कोई कर्मचारी/ छात्र फीडबैक या सुझाव देना चाहता है, तो उसे उक्त ईमेल आईडी पर भेजा जा सकता है। उपर्युक्त ईमेल आईडी पर सुझाव/ फीडबैक जमा करने के अलावा, छात्रों/ कर्मचारियों के पास परिसर में मौजूदा सुझाव बॉक्स के माध्यम से भी अपने सुझाव/ फीडबैक जमा करने का विकल्प है।

3. परिसर के बाह्य क्षेत्रों, छात्रों के भोजन कक्ष और रसोई क्षेत्र का नियमित आधार पर भौतिक रूप से निरीक्षण किया जाता है और उचित स्वच्छता और साफ-सफाई मानकों को सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल रूप से निगरानी की जाती है।

4. सभी कर्मचारियों को अपने डेस्क और कार्यस्थल को साफ करने के लिए सभी कार्य दिवसों में ३० मिनट श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

5. आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारियों के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' की थीम पर एक फिटनेस दौड़ मासिक आधार पर आयोजित की जाती है।

संस्थान ने स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 2023 (15 सितंबर 2023 से 30 सितंबर 2023 तक) और विशेष अभियान 3.0 (01 अक्टूबर

क) डीपीआईआईटी द्वारा साझा किया गया "स्वच्छता ही सेवा" अभियान 2023 का बैनर संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

ख) संस्थान के हितधारकों के बीच अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए संस्थान में स्थापित कंप्यूटर कियोस्क पर भी उसी बैनर को डिजिटल रूप से प्रदर्शित किया गया।

ग) 29.09.2023, 19.10.2023 और 25.10.2023 को सायंकाल ०४:४५ बजे से इनडोर श्रमदान / स्वैच्छिक 'स्वच्छता अभियान' चलाया, जिसमें संस्थान के कर्मचारियों और श्रमिकों ने भाग लिया।

घ) 14.10.2023 को दोनों छात्रावासों में इनडोर श्रमदान / स्वैच्छिक 'स्वच्छता अभियान' चलाया गया, जिसमें संस्थान के छात्रों और वार्डन ने भाग लिया।

ङ) भौतिक फ़ाइलों और ई-फ़ाइलों, जिन्हें हटाया जा सकता है, की संवीक्षा और पहचान करने के लिए संस्थान द्वारा एक आंतरिक मुहिम चलाई गई।

च) सभी कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल की सफाई और रखरखाव के लिए उचित समय समर्पित करने और अपने संबंधित कार्यालय स्थानों से अपशिष्ट पदार्थों का निपटान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

छ) जनमानस में जनजागृति पैदा करने के लिए संस्थान और उसके आसपास के प्रमुख खुले स्थानों पर स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित जागरूकता पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे।

ज) २९ सितंबर २०२३ को आउटसोर्स हाउसकीपिंग कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता पर एक चिकित्सा व्यवसायी की देखरेख में संस्थान में एक विशेष सत्र आयोजित किया गया ताकि गंदगी और अस्वच्छ परिवेश के दुष्प्रभावों के बारे में जनजागृति फैलाई जा सके।

झ) फिटनेस जागरूकता के लिए आउटसोर्स सुरक्षा कर्मियों की स्वच्छता दौड़ २९ सितंबर २०२३ और २७ अक्टूबर २०२३ को आयोजित की गई।

ञ) इसी तरह, छात्रों और कर्मचारियों के लिए २९ सितंबर २०२३ को संयुक्त आउटडोर खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया।

ट) स्वच्छता महाअभियान "#१ तारीख १ घंटा १ साथ" के समर्थन में ०१ अक्टूबर २०२३ को सुबह १० बजे भोजपुर ऐतिहासिक स्थल पर एक आउटडोर सफाई अभियान / श्रमदान का आयोजन किया गया।

ठ) स्वच्छता अभियान के बाद भोजपुर ऐतिहासिक स्थल पर प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई ताकि प्रत्येक व्यक्ति जन

आउटडोर सफाई अभियान/श्रमदान का आयोजन किया गया।

ठ) स्वच्छता अभियान के बाद भोजपुर ऐतिहासिक स्थल पर प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई ताकि प्रत्येक व्यक्ति जन आंदोलन "स्वच्छ भारत मिशन" में योगदान दे सके।

ड) स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने और देश को 'कचरा मुक्त' बनाने का संदेश देने के लिए 18.10.2023 को "स्वच्छता ही सेवा साइक्लोथॉन 2023" आयोजित किया गया।

ढ) राज्य संचालित शासकीय माध्यमिक विद्यालय, अचारपुरा में स्कूली छात्रों को 30.10.2023 को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

ण) राज्य संचालित शासकीय माध्यमिक विद्यालय, अचारपुरा को पौधे भेंट किए गए जिसके बाद ३० अक्टूबर २०२३ को स्कूल परिसर में पौधारोपण किया गया।

त) कचरे के पृथक्करण पर जागरूकता पैदा करने के लिए 30 अक्टूबर 2023 को शासकीय माध्यमिक विद्यालय, अचारपुरा को नीले और हरे रंग के कूड़ेदानों की एक जोड़ी उपहार में दी गई।

थ) सरकारी माध्यमिक विद्यालय, अचारपुरा गाँव में छात्रों के लिए स्वच्छता, सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता पर ३० अक्टूबर २०२३ को एक छोटा सत्र आयोजित किया गया।

द) राज्य द्वारा संचालित शासकीय माध्यमिक विद्यालय, अचारपुरा में कक्षा ६वीं, ७वीं और ८वीं (कुल प्रतिभागी ४८) के छात्रों के लिए ३० अक्टूबर २०२३ को स्वच्छता विषय पर एक रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई।

ध) रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए, उसके बाद ३१ अक्टूबर २०२३ को स्कूल के शिक्षण स्टाफ की उपस्थिति में स्कूली छात्रों को जलपान वितरित किया गया।

न) स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने और देश को ३१ अक्टूबर २०२३ को 'कचरा मुक्त' बनाने का संदेश देने के लिए गांव के इलाके में "स्वच्छता ही सेवा वॉकथॉन २०२३" आयोजित किया गया।

न) धूल झाड़ने और पोछा लगाने से लेकर फर्श की सफाई, फर्श की रगड़-रगड़ कर सफाई, वैक्यूम क्लीनिंग और मशीन से सफाई जैसी हाउसकीपिंग सेवाओं के लिए मशीनीकृत उपकरणों का उपयोग किया गया।

प) उच्च तापमान पर बर्तन साफ करने के लिए संस्थान की रसोई में एक स्वचालित डिशवॉशर स्थापित किया गया, जो सघन दागों और बैक्टीरिया को हटाने के लिए महत्वपूर्ण है।

फ) शैक्षणिक गतिविधियों के लिए थर्मोकोल बोर्ड के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया।

ब) संस्थान के हितधारकों के लिए ३१ अक्टूबर २०२३ को एसबीए पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

भ) संस्थान के हितधारकों के लिए एक ऑनलाइन पोस्टर डिज़ाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

संस्थान द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुल 150+ पोस्ट निम्नलिखित विवरणों के अनुसार प्रदर्शित / साझा किए गए:

सोशल मीडिया	भेजे गए पोस्ट की सं.
ट्विटर	56
फेसबुक	52
इंस्टाग्राम	52
कुल	**160**

Swachhata
Hi Seva
15 September - 2 October 2023
Garbage Free India
कार्यालय

शासकीय माध्यमिक विद्यालय

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय अचारपुरा में कक्षा ६वीं, ७वीं एवं ८वीं के विद्यार्थियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षण स्टाफ ने संस्थान के कर्मचारियों के साथ मिलकर वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय अचारपुरा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को विद्यालय के शिक्षण स्टाफ की उपस्थिति में पुरस्कार वितरित किए।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश द्वारा 01 अक्टूबर 2023 को सुबह 10 बजे भोजपुर ऐतिहासिक स्थल पर स्वच्छता अभियान / श्रमदान का आयोजन किया गया, ताकि स्वच्छता महाभियान "#1 तारीख 1 घंटा 1 साथ" का समर्थन किया जा सके।

स्थानीय गांव में 31 अक्टूबर 2023 को स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने और देश को 'कचरा मुक्त' बनाने का संदेश देने के लिए स्वच्छता ही सेवा वॉकथॉन २०२३" का आयोजन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2023 के तत्वावधान में, रा.डि.सं. म.प्र. ने स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने और देश को 'कचरा मुक्त' बनाने का संदेश देने के लिए 18 अक्टूबर 2023 को "स्वच्छता ही सेवा साइक्लोथॉन 2023" का आयोजन किया।

'स्वच्छता ही सेवा 3.0' अभियान के अंतर्गत, रा.डि.सं. म.प्र. में एक चिकित्सक की देखरेख में एक विशेष स्वास्थ्य सत्र आयोजित किया गया, ताकि अस्वच्छ वातावरण के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके।

रा.डि.सं. म.प्र. में लड़कों और लड़कियों के छात्रावास में 15.10.2023 को एक विशेष 'स्वच्छता अभियान' आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने अप्रयुक्त/जंक युक्त वस्तुओं के निपटान और छात्रावासों के कॉमन रूम, रिसेप्शन क्षेत्र और खुले गलियारे क्षेत्र की सफाई में योगदान दिया।

अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु संस्थान के हितधारकों के लिए स्वच्छ भारत मिशन पर संस्थान में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई

'स्वच्छता ही सेवा 3.0' अभियान के दौरान रा.डि.सं. म.प्र. में स्वच्छता अभियान में भाग ले रही रा.डि.सं. म.प्र. टीम की झलकियाँ।

श्री सुरेन्द्र सिंह, अवर सचिव, डीपीआईआईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वच्छता जांच के लिए संस्थान के बाह्य क्षेत्रों का दौरा किया।

7.6 रा.डि.सं. म.प्र. में के निवासियों की जीवनचर्या

रा.डि.सं. म.प्र. के परिसर के निवासियों के लिए जीवनचर्या एक बहुमुखी अनुभव है जो समुदाय, कल्याण और बौद्धिक विकास की भावना को बढ़ावा देता है। भोपाल के बाहरी इलाके में स्थित 16 आवासीय इकाइयाँ न केवल आवास व्यवस्था प्रदान करती हैं, बल्कि कर्मचारियों के बीच एकजुटता की भावना भी पैदा करती हैं, जिससे सहयोग के लिए एक आदर्श वातावरण बनता है। संस्थान अपने निवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण पर विशेष जोर देता है। संस्थान ने बुनियादी चिकित्सा सेवाओं के लिए एक समर्पित स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया है और एक वेलनेस काउंसलर नियुक्त किया है जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और परामर्श एवं चिकित्सा के माध्यम से कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए नियमित रूप से उपरोक्त केंद्र का दौरा करता है।

मल्टी फैसिलिटी रिजुवेनेशन सेंटर (एमएफआरसी) शारीरिक फिटनेस, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक संवाद के लिए विकल्पों की एक श्रृंखला प्रदान करके जीवन के अनुभव को और भी अधिक समृद्ध करता है। व्यायाम उपकरण, आंतरिक खेल सुविधाओं, संगीत वाद्ययंत्रों और एक निर्दिष्ट योग क्षेत्र के साथ, एमएफआरसी निवासियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने, तनाव कम करने और अपने समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के उत्थान के लिए प्रोत्साहित करता है। ओपन जिम सभी आयु के लोगों और तंदुरुस्त दिखने वाले लोगों को कसरत और व्यायाम करने के अवसर प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त, परिसर में मोबाइल एटीएम बैंकिंग सुविधा, पौष्टिक और वैविध्यपूर्ण भोजन प्रदान करने वाली मेस सुविधा भी है जो यह सुनिश्चित करती है कि निवासियों को आवश्यक सेवाओं तक पहुँच प्राप्त हो। मेस समिति समुदाय की प्राथमिकताओं और आहार संबंधी आवश्यकताओं की दक्षता से पूर्ति करती है, जिससे संतोषजनक भोज्य अनुभव मिलता है।

अधिगम और ज्ञान साझा करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान अपने निवासियों को पुस्तकालय सुविधाएँ प्रदान करता है, जिससे उन्हें पुस्तकों, जर्नलों और शिक्षण सामग्री तक पहुँच मिलती है। रा.डि.सं. म.प्र. का पुस्तकालय बौद्धिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है, जहाँ कर्मचारी सार्थक बातचीत करने और अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए इकट्ठा होते हैं। इस पहल का उद्देश्य परिसर में एक जीवंत और बौद्धिक रूप से तेजस्वी समुदाय का निर्माण करना है, जो निवासियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता को समृद्ध करे।

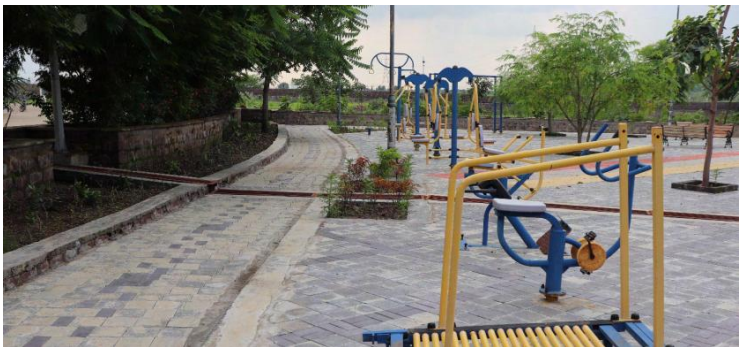

7.7 छात्रों की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) में, छात्रों को खेल, संगीत, नाटक, सामुदायिक सेवा और छात्रों की अगुवाई वाले विभिन्न क्लबों सहित विविध प्रकार की गतिविधियों में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षा के प्रति यह समग्र दृष्टिकोण इस सोच पर आधारित है कि ऐसी गतिविधियाँ बहुप्रतिभाशाली व्यक्तियों को मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

इन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से प्राप्त होने वाले प्रमुख लाभों में सामाजिक कौशल का विकास सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। एक टीम के रूप में खेल भावना, संगीत सभा में एकत्र होना या ग्रुप प्रोजेक्टों में सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, छात्र न केवल प्रभावी ढंग से संवाद करना सीखते हैं, बल्कि स्वयं में टीम वर्क और नेतृत्व गुणों को भी विकसित करते हैं। ये अनुभव पारंपरिक पाठशाला से इतर प्राप्त किए जाते हैं, छात्रों को अपने अंतरवैयक्तिक क्षमताओं-कौशलों मं निखार लाने के लिए एक गत्यात्मक प्लेटफॉर्म प्रदान किया जाता है। यह शिक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिसे अक्सर पारंपरिक शैक्षणिक व्यवस्था में अनदेखा किया जाता है।

इसके अलावा, जो छात्र सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में संलिप्त रहते हैं, वे स्वयं में मूल्यवान समय का प्रबंध करने के कौशल विकसित करते हैं। पाठ्येत्तर रुचियों के साथ शैक्षणिक दायित्वों को संतुलित करने के लिए, सतर्क नियोजन, प्राथमिकीकरण, और संगठन की आवश्यकता होती है। ये आवश्यक कौशल छात्रों को व्यावसायिक जीवन की चुनौतियों के लिए तेजी से बढ़ रही, बहुआयामी मांगों की पूति करने में अपेक्षित अनुशासन एवं दूरदर्शिता प्राप्त करने में सहायता करते हैं।

रा.डि.सं. म.प्र. में उपलब्ध आयोजित गतिविधियों का दायरा विविध रुचियों और प्रतिभाशाली छात्रों की पूर्ति करता है। चाहे नाटकीय कला की दुनिया को जानना-समझना हो, संगीत प्रतिभा का प्रदर्शन करना हो, या सामुदायिक सेवा पहल में योगदान देना हो, छात्रों को अपने क्षितिज को व्यापक बनाने और छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने का अवसर मिलता है। स्व-खोज की यह यात्रा न केवल व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है, बल्कि आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान की भावना को भी पोषित करता है।

व्यक्तिगत विकास से परे, ये गतिविधियाँ छात्रों के बीच समुदाय और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भागीदारी से रिश्ते और संबंध बनते हैं जो पाठ्यशाला की सीमाओं से परे फैलते हैं, संस्थान के भीतर एक सामूहिक अस्मिता और भाव का निर्माण करते हैं। अपनेपन का यह भाव एक सकारात्मक और अनुषंगी शिक्षण वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जहाँ छात्र अभिप्रेरित, सहलग्न, और अपने समकक्षों तथा संस्थान से जुड़ते हैं।

इसके अलावा, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी उनके जीवनवृत्त अर्थात रिज्यूमे को सुदृढ़ बनाती है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य में, नियोक्ता और शैक्षणिक संस्थान ऐसे व्यक्तियों को अधिक महत्व देते हैं जिनके पास बहुमुखी कौशल, व्यक्तित्व तथा विविध दायित्वों को प्रबंधित करने की क्षमता होती है। ये गतिविधियां किसी छात्र की बहुमुखी प्रतिभा, जुनून और व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता का ठोस सबूत प्रस्तुत करती हैं।

इन अनुभवों के सकारात्मक महत्व को स्वीकार करते हुए, रा.डि.सं. म. प्र. छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का सक्रियता से आयोजन करता है। ये कार्यक्रम न केवल छात्रों की प्रतिभा और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हैं बल्कि समग्र शिक्षा के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को भी बल देते हैं। अन्वेषण, सहयोग और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण को बढ़ावा देकर, रा.डि.सं. म. प्र. छात्रों को न केवल अकादमिक सफलता के लिए, बल्कि वास्तविक दुनिया की बहुमुखी चुनौतियों से परे के लिए भी तैयार करने का प्रयास करता है।

फाउंडेशन स्ट्डीज के छात्रों के कार्यों की एक झलक

सफाई अभियान – 14.10.2023

त्यौहारों को मनाना

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म.प्र.) विभिन्न त्यौहारों को मनाता है जिससे उसके छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के विविध समुदाय के भीतर सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एकता के जीवंत ताने-बाने के रूप में कार्य करता है। प्रत्येक त्यौहार के साथ, परिसर रंग-बिरंगी सजावट, पारंपरिक पोशाक, सांस्कृतिक प्रदर्शन और साझा उत्सवों के साथ जीवंत हो उठता है। ये उत्सव न केवल संस्थान के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाते हैं, बल्कि आपसी सम्मान, सद्भाव और अपने सदस्यों के बीच रचनात्मक बंधनों के पोषण के महत्व पर भी जोर देते हैं, एक समावेशी और उत्साहवर्धक माहौल को बढ़ावा देते हैं जो अकादमिक सीमाओं से परे होते हैं।

शिक्षक दिवस समारोह – 05.09.2023

स्वतंत्रता दिवस – 15.08.2023

परिसर के भीतर गतिविधियां और बाह्य गतिविधियाँ

परिसर में रहने के दौरान, छात्र कई तरह की गतिविधियों में शामिल होते हैं जो उन्हें कक्षा से परे अनुभव प्राप्त करने में सहायता करती हैं, जिससे उन्हें अकादमिक गतिविधियों और रचनात्मकता, दोनों में खुद को तल्लीन होने का मौका मिलता है। ये बाह्य दौरे और गतिविधियाँ उनके शिक्षण अनुभव का एक अभिन्न अंग हैं।

(i) शैक्षणिक दौरे: अपनी शैक्षणिक यात्रा के हिस्से के रूप में, छात्रों को शहर के भीतर विशिष्ट स्थानों पर जाने का अवसर मिलता है। ये दौरे अक्सर उनके पाठ्यक्रम में सन्निहित होते हैं और उनके अध्ययनों के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों की मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। औद्योगिक दौरे भी पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक हैं, जो छात्रों को उनके द्वारा चुने गए अध्ययन क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं।

(ii) आउटडोर कार्यशालाएँ: संस्थान बाह्य कार्यशालाओं का आयोजन करता है जहाँ छात्र डिज़ाइन की बुनियादी बारीकियों को सीखते हैं। ये कार्यशालाएँ छात्रों को अपनी रचनात्मकता को उजागर करने और बाहरी दुनिया की प्रेरणादायी सुंदरता से जुड़े रहते हुए अपनी खुद की कलाकृतियाँ बनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

(iii) डिज़ाइन टूर: छात्र निर्देशित डिज़ाइन टूर पर जाते हैं, जहाँ वे वास्तुशिल्प चमत्कारों, इमारतों और स्मारकों के शिल्प की जटिल बारीकियों का अनुभव करते हैं। ये टूर न केवल उक्त इमारतों के इतिहास की महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं, बल्कि डिज़ाइन की कला के प्रति गहन आकर्षण भी प्रदान करते हैं।

(iv) प्रकृति के बीच डिज़ाइन: प्रकृति से जुड़कर, छात्र अपने डिज़ाइन को तैयार करने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके रचनात्मक प्रक्रियाओं में खुद को डुबो देते हैं। यह अनुभव उन्हें अपने डिज़ाइन कार्य में प्राकृतिक दुनिया की सुंदरता और संसाधनों का दोहन करने में सहायता करता है।

ये आउटडोर दौरे और गतिविधियाँ न केवल शैक्षणिक हैं, बल्कि रचनात्मकता को प्रेरित करने, डिज़ाइन की गहरी समझ को बढ़ावा देने और चौतरफा अधिगम का अनुभव प्रदान करने का कार्य भी करती हैं, जो कक्षा की सीमाओं से परे की बात है।

छात्रों का उद्योग दौरा

छात्रों का उद्योग दौरा

7.8 श्रेष्ठ प्रथाएं:-

7.8.1 स्टाफ वेलनेस ऑवर:-

रा.डि.सं. म.प्र. ने अपने कार्यबल के समग्र स्वास्थ्य, कल्याण और सामंजस्य की भावना को बेहतर बनाने के लिए 'स्टाफ वेलनेस ऑवर' की अवधारणा को लागू किया है।

इस पहल में, स्टाफ सदस्यों को खेल-कूद, योग, वाचन, जिम, संगीत और हॉबी जैसी गतिविधियों के माध्यम से हर हफ्ते एक घंटा अपने स्वास्थ्य के लिए समर्पित करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

7.8.2 मासिक साफ-सफाई अभियान:-

रा.डि.सं. म.प्र. के कर्मचारियों और छात्रों के बीच साफ-सफाई, सद्भावना और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया गया। इस संबंध में, प्रत्येक माह के अंतिम गुरुवार को एक घंटा (सायं 05:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक) संस्थान में स्वच्छता अभियान या स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित किसी अन्य कार्यक्रम के लिए निर्धारित किया गया है।

7.8.3 जैविक अपशिष्ट परिवर्तक (कन्वर्टर) :-

उच्च गुणवत्ता वाली कम्पोस्ट खाद बनाने के अपने प्रयासों के तहत, संस्थान ने एक जैविक कम्पोस्टिंग मशीन खरीदी है। इस कम्पोस्टर का प्रयोग विभिन्न प्रकार के खाद्य अपशिष्टों, जैसे कि सब्ज़ियाँ, गैर-सब्ज़ियाँ, अंडे, फलों और सब्जियों के छिलके और बचे हुए भोजन को कम्पोस्ट करने के लिए किया जाता है। यह परिवर्तक अपशिष्ट अथवा मल जल उत्सर्जित नहीं करता, कोई गंध नहीं छोड़ता और कोई विषाक्त पदार्थ प्रदर्शित नहीं करता है। कम्पोस्ट खाद से विभिन्न बागवानी गतिविधियाँ की जा सकती हैं। जैविक कचरे को कम्पोस्ट बनाने के पारंपरिक तरीकों की तुलना में, कम्पोस्टर तकनीक प्रसंस्करण प्रक्रियाओं को पूरा करने में कम घंटे लेती है। इसके अतिरिक्त, यह संस्थान के अपशिष्ट प्रबंधन में भी सहायता करता है। चूँकि यह मशीन पूरी तरह से स्वचालित है, इसलिए इसे चलाने में श्रमशक्ति की बचत होती है। इसे एक व्यक्ति द्वारा प्राय: अंशकालिक आधार पर संचालित किया जा सकता है।

7.8.5 जैव-चिकित्सा अपशिष्ट संग्रहण:-

संस्थान ने जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के साथ-साथ उपयोग किए गए सैनिटरी पैड को वैकल्पिक दिनों पर एकत्रित करने तथा पर्यावरण मानकों के अनुसार परिसर के बाहर निपटान के लिए एक व्यावसायिक सेवा के लिए करार किया है।

7.8.6 कक्षा प्रतिनिधि के साथ मासिक बैठक

सभी छात्रों के साथ गैर-शिक्षण कर्मचारियों को जोड़ने और उनके सभी मुद्दों के उचित समाधान के प्रयास में, संस्थान ने सभी कक्षा प्रतिनिधियों के साथ एक इंटरैक्टिव मासिक बैठक शुरू की है।

7.8.7 कर्मचारियों की साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच

संस्थान ने सोमवार को निर्धारित साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच पहल शुरू की है। इस पहल के एक हिस्से के रूप में, सभी कर्मचारियों के बुनियादी स्वास्थ्य मापदंडों (जैसे बी.पी. ऑक्सीजन स्तर, तापमान, पल्स आदि) की जाँच नर्सिंग सहायक द्वारा की जाती है और उचित रिकॉर्ड बनाए रखा जाता है। इसके अलावा, संस्थान में चौबीसों घंटे प्रशिक्षित नर्सिंग सहायक और 02 विजिटिंग डॉक्टर उपलब्ध हैं।

7.8.8 'आगाज'

"आज़ादी का अमृत महोत्सव" थीम के अंतर्गत एक विशेष पहल 'आगाज़' शुरू की गई। इस पहल के भाग के रूप में, संस्थान ने अपने छात्रों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए परिसर के भीतर परिवहन का एक सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल साधन प्रदान करने के लिए 20 साइकिलें (10 पुरुषों के लिए साइकिलें और 10 महिलाओं के लिए साइकिलें) उपलब्ध कराई हैं।

7.8.9 ई-कार्यालय का कार्यान्वयन:-

संस्थान के कर्मचारियों के लिए ई-ऑफिस एप्लिकेशन सक्रिय कर दिया गया है। संस्थान में ई-कार्यालय को कार्यदक्षता में सुधार लाने, कागजी कार्रवाई को कम करने और संचार को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने तथा उन्हें स्वचालित करने के लिए क्रियान्वित किया गया है।

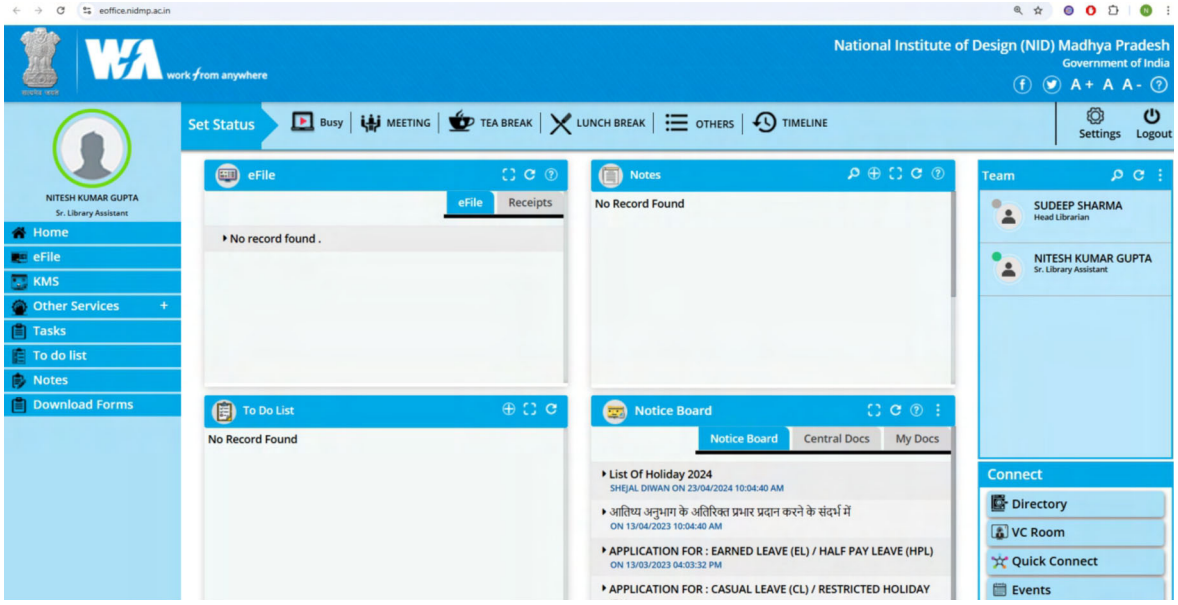

7.8.10 ईआरपी समर्थ ई गवर्नेंस का कार्यान्वयन:

"समर्थ" शिक्षा मंत्रालय द्वारा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के तहत २०१९ में शुरू की गई एक पहल है जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) को छात्रों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए सेवाओं की योजना बनाने, उनका प्रबंध, वितरण और निगरानी करने के लिए एक डिजिटल फ्रेमवर्क के माध्यम से सक्षम बनाना है। परियोजना के तहत, एचईआई संस्थानों को पूरी तरह से प्रबंधित, क्लाउड आधारित, व्यापक ईआरपी उपलब्ध किया जाता है, जो देश के एचईआई के लिए निर्मित किया गया है।

उक्त पोर्टल संस्थान की दक्षता को बढ़ाता है जिससे उन्हें निम्न में सहायता मिलती है:

(1) प्रशासनिक प्रक्रियाओं को परिभाषित और नियंत्रित करने के लिए डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाना।

(2) छात्रों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को निर्बाध रूप से गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करना।

(3) सर्वोत्तम प्रथाओं और परिचालनों, प्रबंधन तथा सुशासन की दक्ष प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए अन्य संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करना।

संस्थान का ई-समर्थ पोर्टल (https://nidmp.samarth.ac.in) प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान सफलतापूर्वक लोकार्पित किया गया जो वर्तमान में कार्यान्वयन के अधीन है।

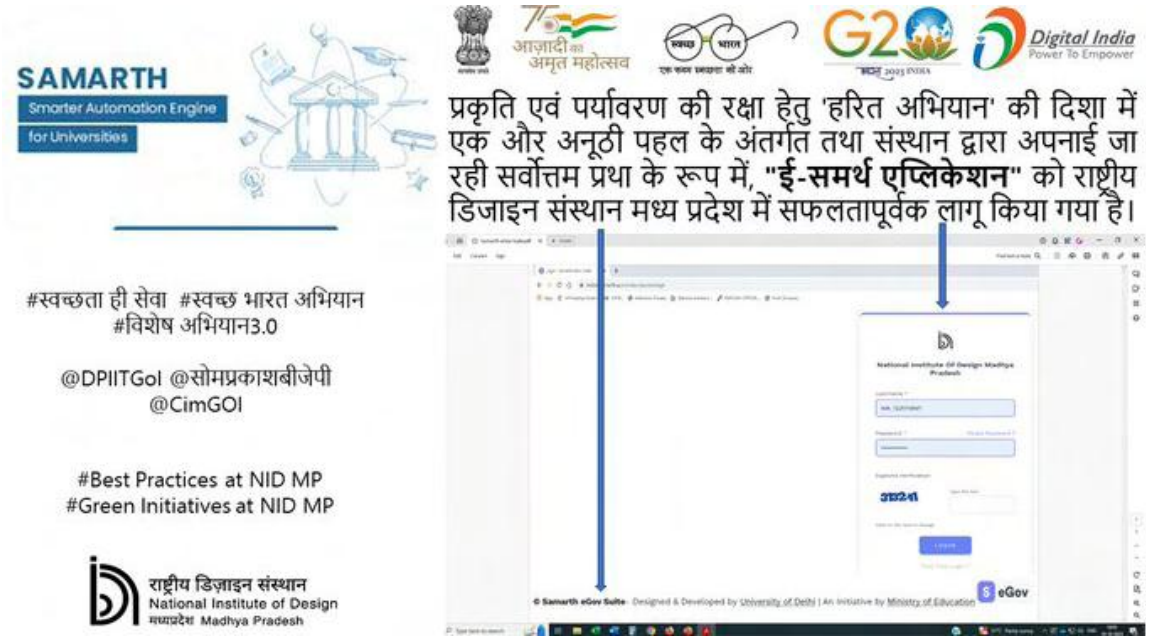

7.8.11 नि:शुल्क योग कक्षाएं:-

कर्मियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के संवर्धन, तनाव को कम करने तथा कल्याण का भाव जागृत करने के लिए, एक आंतरिक संसाधन व्यक्ति द्वारा 20 अप्रैल 2023 से सभी कार्यदिवसों के दौरान 1810 से 1840 बजे नि:शुल्क योग कक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

8

वित्तीय संसाधन

8.1 पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा
उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य
ऑडिट भवन, आई.पी. एस्टेट
नई दिल्ली-110002

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
OF AUDIT INDUSTRY AND CORPORATE
AFFAIRS AUDIT BHAWAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यानिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

संख्याः रिपोर्ट/4(2)/विविध/
एस.ए.आर. /2023-24/368-370
दिनांक / DATE 03 DEC 2024

सेवा में,

सचिव,
डी.पी.आई.आई.टी.
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
वाणिज्य भवन,
नई दिल्ली- 110011

विषयः वर्ष 2023-24 के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के लेखों पर पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

वर्ष 2023-24 के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के अंकेक्षित वार्षिक लेखों की प्रति तथा उन पर पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संसद के पटल पर रखने के लिए अग्रेषित किया जा रहा है।

इस संबंध में आपसे अनुरोध है कि, चूँकि डी.पी.आई.आई.टी.,एन.आई.डी. के नियमों को संशोधित करने की प्रक्रिया में है, इसलिए अनुलग्नक- III में उल्लेखित दो मुद्दों पर भी विचार किया जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाए कि पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संसद के दोनो सदनों के सम्मुख प्रस्तुत करने से पहले, शासी निकाय (Governing Council) को नियमानुसार प्रस्तुत किया जाए। इस विषय में अनुरोध है कि संसद को प्रस्तुत दस्तावेज़ की दो प्रतियाँ, उस तिथि को दर्शाते हुए जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाएँ।

भवदीया,

संलग्नः यथोक्त

-ह०-
(एस. आह्लादिनी पंडा)
महानिदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य)
नई दिल्ली

Ph. : +91-11-23702357 Fax : +91-11-23702359 E-mail : pdaic@cag.gov.in

पत्रांक: रिपोर्ट/8(1)/विविध/एस.ए.आर. /2023-24/368-370 दिनांक: 03 DEC 2024

प्रतिलिपि:

1. निदेशक, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, ईंटखेती, अचारपुरा, पोस्ट अरवालिया, भोपाल, मध्य प्रदेश-462 038 को एक प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जाती है।

एस.ए.पंडा

(एस. आह्लादिनी पंडा)
महानिदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य), नई दिल्ली

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of the National Institute of Design, Madhya Pradesh for the year ended 31 March 2024

We have audited the attached Balance sheet of **National Institute of Design (NID), Madhya Pradesh** for the year ended 31 March 2024 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 25(2) of the National Institute of Design Act, 2014. The preparation of these financial statements is the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Laws, Rules and Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Government of India under sub-rule (1) of Rule 4 of National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020.

(iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by National Institute of Design, Madhya Pradesh in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that:

A. Balance Sheet

A.1 Capital Fund and Liabilities

Depreciation Fund (Schedule-6): ₹790.76 lakh

As per the Significant Accounting Policies of the Institute, depreciation is calculated on straight-line method for items, namely, Buildings (2.50%); Machinery, Equipment & Tools (10%); Furniture and Fixtures (10%); Library Books (10%); Computers & Peripherals (20%) and Vehicles (20%). Further depreciation on addition has been provided for the full year irrespective of date of acquisition.

However, since the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 do not prescribe the rates of depreciation, the Institute should have followed the rates specified under the Income Tax Act, 1961 as stipulated in the Uniform Format of Accounts for Central Autonomous Bodies. Further, depreciation on assets purchased during the year should have been charged on 'pro-rata' basis as specified in the Uniform Format of Accounts. The details of depreciation charged by the Institute vis-a-vis depreciation chargeable as per the Income Tax Act, 1961 is given in **Annexure-I.**

Thus, charging of depreciation on the rates which are different from the rates specified under the Income Tax Act, 1961 and non-charging of depreciation on assets purchased during the year on 'pro-rata' basis has resulted in understatement of Depreciation Fund and overstatement of Capital Fund by ₹186.17 lakh. Moreover, the Income for the year and depreciation expenses for the year are also understated by the same amount. Further, the accounting policy of the Institute is not exhaustive as it does not cover items such as leasehold land, leasehold buildings, boundary walls, electrical installations, computer software, etc. Therefore, the assets/items, rates of depreciation and the accounting policy in respect of depreciation need to be reviewed.

The issue was also raised in the Separate Audit Report for the year 2022-23. However, corrective action in this regard was yet to be taken.

A.2 Assets

Fixed Assets (Schedule-6): ₹127.57 crore

Capital Work in Progress: ₹110.60 crore

The above includes capital works of NID Madhya Pradesh campus. As per the records, payments aggregating to ₹111.81 crore had been made to NBCC (India) Limited till 31 March 2024. Out of these payments, NID had capitalised ₹124.49 lakh and the remaining amount of ₹110.57 crore had been shown under Capital Work-in-Progress.

The campus was inaugurated virtually in February 2019 and the facilities had already been put to use, and the batches for all four years (Bachelor of Design Degree) had already been commenced on or before 31 March 2024. As the Institute had become fully operational on or before 31 March 2024, the whole work should have been capitalised.

This has resulted in understatement of Fixed Assets and overstatement of Capital Work-in-Progress by ₹110.57 crore, with consequential impact on depreciation.

The issue was also raised in the Separate Audit Report for the year 2022-23. However, corrective action in this regard was yet to be taken by the Institute.

B. Significant Accounting Policies (Schedule-17)

B.1 As per the Significant Accounting Policies mentioned in Schedule-17 of the Annual Accounts of NID, Madhya Pradesh, Gratuity is charged to Income and Expenditure Account on the basis of valuation of liability and the same is shown under 'Current Liabilities'. This is in contravention of the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020, which provide that Gratuity is charged to Income and Expenditure Account on the basis of **actuarial valuation**. Further, this also resulted in non-compliance to the provisions of AS-15 which mandates measurement of obligations towards retirement benefits from an Actuary.

B.2 As per the Significant Accounting Policies mentioned in Schedule-17 of the Annual Accounts of NID, Madhya Pradesh, Terminal leave encashment benefit to the employees is accounted for on a cash basis. However, this is in contravention to the provisions of AS-15 which requires measurement of liability towards leave encashment on the basis of actuarial valuation.

C. General

C.1 The financial statements of the Institute do not consist of 'Statement of Receipts and Payments' in the absence of which it is not possible to verify the cash inflows and outflows of the Institute during the year.

The issue was also raised in the Separate Audit Report for the year 2022-23. However, corrective action in this regard was yet to be taken.

D. Grants in Aid

The Institute had an unutilised balance of grants amounting to ₹0.54 lakh as on 1 April 2023 and it received grants amounting to ₹1,609.00 lakh under different heads (General: ₹630.00 lakh, Salary: ₹679.00 lakh, and Capital: ₹300.00 lakh) from the Ministry of Commerce and Industry during the year 2023-24. Out of the total grants amounting to ₹1,609.54 lakh, the Institute utilised ₹1,566.03 lakh (General: ₹628.46 lakh, Salary: ₹679.00 lakh and Capital: ₹258.57 lakh) and surrendered an amount of ₹40.54 lakh during the year. As on 31 March 2024, the unutilised amount of grants was ₹2.97 lakh. Besides, the Institute earned interest of ₹5.57 lakh on the grants during the year.

E. Management Letter

Deficiencies that have not been included in this Separate Audit Report have been brought to the notice of the Management through a Management Letter issued separately for remedial/corrective action.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in **Annexure-II** to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the National Institute of Design, Madhya Pradesh as at 31 March 2024; and

b) In so far as it relates Income and Expenditure account of the NIL surplus/deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the
Comptroller and Auditor General of India

Place: New Delhi
Dated:
03 DEC 2024

(S. Ahlladini Panda)
Director General of Audit
Industry & Corporate Affairs

Annexure-I

Depreciation charged by the Institute and depreciation chargeable as per Income Tax Act, 1961

Asset Category	Gross Value of Assets as on 01.04.2023	Additions during the year 2023-24	Value on which Depreciation charged for the FY 2023-24	Depreciation rate charged by NID, MP (in percentage)	Amount of Depreciation as per NID, MP	Depreciation rate as per Income Tax Act, 1961	Amount of Depreciation as per Income Tax Act, 1961	Short charging of depreciation by NID, MP
NID Campus Building	1,49,58,257	32,34,914	1,81,93,171	2.5	4,35,157	10	15,33,988	10,98,831
Machinery, Equipment & Tools	5,73,86,922	1,59,13,497	7,33,00,419	10	73,30,042	15	98,72,186	25,42,144
Furniture & Fixtures	78,97,158	10,63,417	89,60,575	10	8,96,058	10	8,59,360	(-) 36,698
Library Books	1,40,39,656	42,68,560	1,83,08,216	10	18,30,822	40	62,73,530	44,42,708
Computer & Peripherals	5,04,11,015	5,29,915	5,09,40,930	20	96,63,891	40	2,02,33,740	1,05,69,849
Total					**2,01,55,970**		**3,87,72,804**	**1,86,16,834**

Annexure-II

1. Adequacy of Internal Audit System

Internal Audit of the Institute for the year 2023-24 was carried out by a hired Chartered Accountants firm viz. Dinesh Singhal & Co.

2. Adequacy of Internal Control System

The internal control system was not commensurate with the size of business/transactions in the Institute, as evident from the following deficiencies:

(i) During the year 2023-24, only two meetings of the Governing Council (8th & 9th meetings) were held on 11.07.2023 and 12.12.2023, which should have been held atleast four times in a year as per the National Institute of Design Act, 2014.

(ii) Three Cash books were being maintained by the Institute. There were mistakes in the Cash Books and corrections were made by the Management but these corrections were not made in Red ink. Further, the Head of Office did not initial such corrections as required under Rule 1.4(1)(j) of the Subsidiary Instructions to Central Government Account (Receipts and Payments) Rules, 2022.

3. System of Physical Verification of Fixed Assets

Physical verification of Fixed Assets was carried out by the Institute during the year.

4. System of Physical Verification of Inventory

The Institute is not maintaining any inventory.

5. Regularity in Payment of Statutory Dues

The Institute was regular in payment of undisputed statutory dues during 2023-24.

3/12/24

Director (AMG-III)

Annexure-III

1. As per the Uniform Format of Accounts, amounts received as grants or assistance or retained by the entity to be utilised for specific or earmarked purposes and remaining to be expended/utilised for the specific purpose for which these are intended, are required to be disclosed under "Earmarked / Endowment Funds" head (Schedule 3). Further, as per the Uniform Format of Accounts, Corpus/Capital Fund (Schedule 1) is akin to Capital, Share Capital or Owners' Funds. It comprises amounts received by way of contributions specifically to the Corpus, as increased/decreased by the net operating results shown in the Income and Expenditure Account (other than surplus, if any, transferred to any Reserves or Earmarked Funds).

In this context, it was observed that the Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 are not aligned with the Uniform Format of Accounts for Autonomous Bodies in so far as they do not provide any schedule for 'Corpus Fund'.

NID, MP has shown an amount of ₹21.16 crore under Earmarked Fund which should have instead been posted/depicted under Corpus Fund (Schedule 1) as specified in the Uniform Format of Accounts for Autonomous Bodies, in view of the fact that the Corpus fund has been created out of the revenue generated from students' fee, interest earned and other income during the year. Thus, the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 should be amended and a schedule for Corpus Fund should be included depicting the amount / balance under the fund, in line with the Uniform Format of Accounts for Autonomous Bodies.

2. As per Rule 237 of the General Financial Rules, 2017, the approved and authenticated annual accounts are to be submitted by the Autonomous Body to Audit by 30th June, and the Annual Report and audited accounts are to be laid on the table of the Parliament by 31st December.

However, as per National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020, the annual statement of accounts and balance sheet of the Institute, duly authenticated by the Director and passed by the Governing Council shall be forwarded to the Comptroller and Auditor General of India, not later than the 31st day of July every year and the duly audited annual statement of accounts of the Institute as certified by the Comptroller and Auditor General of India together with the audit report thereon shall be forwarded by the Director for every financial year to the Central Government by the 30th day of September of the following year for laying before both Houses of Parliament.

It is evident that the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020, do not align with the provisions of GFR in so far as the timeline of submission of Annual Accounts for audit is concerned. NID, MP has submitted the Accounts for the year 2023-24 to Audit on 29 July 2024, as per the timeline given in NID, MP (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020.

8.2 वार्षिक लेखा

FORM A
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2024

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	31.03.2024	31.03.2023
CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CAPITAL FUND:	1	1,213,720,624	1,209,622,631
DEPRECIATION FUND:	6	79,075,612	58,919,642
EARMARKED FUND:	2	211,597,152	158,452,094
GRANTS AND CONTRIBUTIONS:	3	296,921	54,228
GRANT FOR NEW NIDs:	4	-	-
CURRENT LIABILITIES:	5	52,645,221	19,089,228
Total		**1,557,335,530**	**1,446,137,823**
ASSETS			
FIXED ASSETS (At Cost):	6	1,275,752,759	1,234,043,542
INVESTMENTS (At Cost):	7		-
CURRENT ASSETS, LOAN & ADVANCES, ETC:	8	281,582,771	212,094,281
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT:	9		-
Total		**1,557,335,530**	**1,446,137,823**
Notes forming part of Accounts	17		

Place: Bhopal
Date: 13.05.2024

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-1
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024

CAPITAL FUND

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
Schedule 1 – Capital Fund		
A. Capital Fund Balance as on 01.04.23	1,209,622,631	1,192,863,941
a Add: i) Amount transferred from Central Govt. Grants Account for meeting Non-recurring expenditure	21,832,030	20,087,435
ii) Amount transferred from Appropriation of fund for Building under construction Account	4,024,872	15,059,789
iii) Amount transferred from Income & Expenditure A/c. on account of excess of cost over grant for Non-Recurring Expenditure		-
b. Less: Transferred to Income & Expenditure Account to the extent of depreciation on assets acquired out of Capital Funds	20,155,970	18,388,534
c. Less: Adjustment of the value of Machinery, Equipment & Furniture sold/discard during the year.	1,602,939	-
Sub-Total (A)	**1,213,720,624**	**1,209,622,631**
B. Land Reserve Balance as on		-
Total (A+B)	**1,213,720,624**	**1,209,622,631**

Neetika
Director (Off.)

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-2
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024

EARMARKED FUNDS

Amount in Rupees

Sr. No.	Name of funds	Opening Balance as on 01.04.2023	Interest Credited	Other Credited	Amount debited	Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2024
1	NID MP Corpus Fund	158,452,094	14,416,145	38,728,913	-	-	211,597,152
	Grand Total	**158,452,094**	**14,416,145**	**38,728,913**	**-**		**211,597,152**
	Previous Year	**86,223,931**	**6,187,083**	**68,285,108**	**2,244,028**		**158,452,094**

Neetika
Director (Off.)

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-3
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2024

GRANTS AND CONTRIBUTIONS

Amount In Rupees

Sr. no.	Name of Account	Opening Balance as on 01.04.2023	Grant Credited	Amount Debited			Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2024
				Non Recurring Exps	Transferred to I&E A/c	Other debited		
1	Central Government Grant (Plan)	54,228	160,900,000	25,856,902	130,746,177	4,054,228		296,921
	Grand Total	**54,228**	**160,900,000**	**25,856,902**	**130,746,177**	**4,054,228**		**296,921**
	Previous Year	**5,324,885**	**159,415,000**	**35,147,224**	**124,213,548**	**5,324,885**		**54,228**

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-4
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024

GRANTS FOR NEW NIDs

Amount In Rupees

Sr. no.	Name of Account	Grant Credited up to 31.03.2023	Grant utilised up to 31.03.2023	Opening Balance as on 01.04.2023	Grant Credited during the year	Total	Amount Debited			Closing Balance as on 31.03.2024
							Non-Recurring Exps	Transferred to CPWD/NBCC for Const. Work	Other debited	
	Central Government Grant Plan (non recurring) for implementation of National Design Policy: Setting up of New NID Campuses of NID (Madhya Pradesh)									
	Grand Total	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Previous Year	-	-	-	-	-	-	-	-	-

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-5
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024
Current Liabilities

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
1. For Expenses	7,038,976	10,641,600
2. For Rent & Other Deposits	3,075,666	2,616,547
3. Sundry Credit Balances	30,625,699	3,641,138
4. For Advances for projects in progress	11,904,880	2,189,943
Total	**52,645,221**	**19,089,228**

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN, MADHYA PRADESH
Annexure to Schedule 5 showing Current Liabilities

Oustanding Bills as on March 2024		
Under Schdule 15		
1. Travelling expenses		47,731
2. Telephone, Telex, Postage, Internet		18,874
3. Electricity & Water expenses		700,130
4. Maintenance: Mechanical, IT, Electrical, Electronics, Fuel		245,148
5. Vehicle maintenance & Operation charges		54,450
6. Material, Supplies Consumables & Misc. exp. etc		32,454
7. General Expenses for Satellite Centres		-
8. Advertisement & Publicity expenses		-
9. Welfare, Campus events & Other expenses		103,586
10. Library, Journals, Periodical, Exhibition, Subscriptions etc.		-
11. Student Freeship & Development		-
12. Faculty, Staff HRD, Other Misc. expenses		7,386
13. Rates, Taxes, Cesses		-
14. Repairs & Maintenance		1,531,957
15. Insurance		-
16. Legal expenses & Professional fees		-
17. Security, Housekeeping and Horticulture Maintenance		1,767,897
18. Audit fees		-
19. Refreshment & Hospitility Expenses		950
20. Outsourcing of Contracual Staff/Consultants		889,659
21. Academic & Workshop Contingencies		251,798
22. Guest House Expenses		-
23. Hiring of Machinery/Equipments		-
24. Stationery and Printing Expenses		45,749
25. Honorarium/TA to Visiting Faculty/Jury		135,650
26. Other Misc. Expenses		7,961
27. Other Misc. Expenses (Sponsorship Project)		-
28. Other Misc. Expenses (Student Activity Fund)		-
		5,907,388

Oustanding Bills as on March 2024		
Under Schdule 6 (Fixed Assets)		
NID Campus Buildings		398,914
		398,914

Oustanding Bills as on March 2024		
Under Schdule 14		
Pending Salary & Allowances		706,603
Medical Reimbursement		16,937
LTC		9,134
		732,674

Total Creditors for Expenses	**7,038,976**
For Rent & Other Deposits	
Security Deposit	1,147,428
Student Security Deposit	1,928,238
Total	**3,075,666**
Sundry Credit Balances	
Advance Fee Received	19,546,840
Sundry Creditors	-
Interest earned on Grant to be refunded to GoI	557,502
NPS Corpus	-
Income Tax	-
Profession Tax	-
GST TDS	-
Students Mess Charges Deposit	5,411,788
Other payable/Credit Balance	66,437
Student Activity Fee Fund	261,570
Provision for payment of Gratuity	4,781,562
Total Credit Balances for Expenses	**30,625,699**
4. For Advances for projects in progress	**11,904,880**
Total Current Liabilities for the year 2023-24	**52,645,221**

SCHEDULE-6
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024
FIXED ASSETS

Amount in Rupees

Sl No.	Particulars	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		As on 01.04.2023	Addition	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2024	As on 01.04.2023	For the year	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2024	As on 31.03.2024	As on 31.03.2023
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
A	**IMMOVABLE PROPERTIES**										
1	Land	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
	Sub total of 1	**1**	**-**	**-**	**1**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1**	**1**
2	NID Campus Buildings	14,958,257	3,234,914	-	18,193,171	2,555,813	435,157	-	2,990,970	15,202,201	12,402,444
	Sub-total of (1+2) (A)	**14,958,258**	**3,234,914**	**-**	**18,193,172**	**2,555,813**	**435,157**	**-**	**2,990,970**	**15,202,202**	**12,402,445**
B	**MOVABLE PROPERTIES**										
1	Machinery, Equipments & Tools	57,386,922	15,913,497	-	73,300,419	16,116,270	7,330,042	-	23,446,312	49,854,107	41,270,652
2	Furniture & fixtures	7,897,158	1,063,417	-	8,960,575	2,029,542	896,058	-	2,925,600	6,034,975	5,867,616
3	Computers & Peripherals	50,411,015	529,915	-	50,940,930	32,199,899	9,663,891	-	41,863,790	9,077,140	18,211,116
4	Staff pool vehicles	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Library books	14,039,656	4,268,560	-	18,308,216	6,018,118	1,830,822	-	7,848,940	10,459,276	8,021,538
	Sub-total of B	**129,734,751**	**21,775,389**	**-**	**151,510,140**	**56,363,829**	**19,720,813**	**-**	**76,084,642**	**75,425,498**	**73,370,922**
C	**Capital Work in Progress**	1,089,350,533	16,698,914	-	1,106,049,447	-	-	-	-	1,106,049,447	1,089,350,533
	Sub-total of C	**1,089,350,533**	**16,698,914**	**-**	**1,106,049,447**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,106,049,447**	**1,089,350,533**
	Grand Total (A+B+C)	**1,234,043,542**	**41,709,217**		**1,275,752,759**	**58,919,642**	**20,155,970**	**-**	**79,075,612**	**1,196,677,147**	**1,175,123,900**
	Previous Year	**1,212,895,049**	**21,148,493**	**-**	**1,234,043,542**	**40,531,108**	**18,388,534**	**-**	**58,919,642**	**1,175,123,900**	**1,172,363,941**

Neetika
Director (Off.) / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
नियंत्रक लेखा एवं लेखा
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-7
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024

Investments (At cost)

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
Long Term	-	-
Fixed Deposits With	-	-
Bonds	-	-
Total	**-**	**-**

Neetika
Director (Off.) / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
नियंत्रक लेखा एवं लेखा
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024
Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
A. Current Assets:		
1. Inventories (at cost)		
a. Stores & Spares	522,254	456,492
b. Academic/Workshop/Lab/Studio Consumables	678,286	800,280
c. Glassware		-
d. Other Consumables	-	68,404
e. Stationery	246,393	209,530
Total A	**1,446,933**	**1,534,706**
2. Cash Balances on Hand	88,266	77,534
3. Bank Balances		
a. In Current Accounts with	6,421,213	7,193,749
Sub Total- a	**6,421,213**	**7,193,749**
b. In Savings Accounts with		-
Sub Total- b	**-**	**-**
Sub Total-(a+b)	**6,421,213**	**7,193,749**
c. In Call/Term Deposit Account with	225,724,303	153,624,303
Sub Total-c	**225,724,303**	**153,624,303**
Sub Total 3 (a+b+c)	**232,145,516**	**160,818,052**
Total (A) (1+2+3)	**233,680,715**	**162,430,292**

Neetika
Director (Off.)
Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
लेखा एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024
Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
B. Loan, Advances and Other Assets:		
(i) Loans:		
a. Secured		-
Sub Total of i(a)		**-**
b. Unsecured		-
Sub Total of i(a+b)		**-**
(ii) Advances:		
a. Contingency Advance to Suppliers	8,176,834	6,439,250
b. Capital Advance for Works	17,442,391	34,555,372
c. Contingency Advance to Staff	369,685	660,251
Sub Total (ii)	**25,988,910**	**41,654,873**
(iii) Other Current Assets		
a. Security Deposit	1,586,000	1,125,800
b. Accured Interest on STDR	16,869,527	2,878,185
c. TDS refundable	894,514	1,367,693
d.Prepaid Expenses	1,265,492	2,606,213
e. Accrued income	1,163,908	31,225
f. Accrued Mess charges	133,705	
Sub Total (iii)	**21,913,146**	**8,009,116**
Total of B (i+ii+iii)	**47,902,056**	**49,663,989**
Total of (A+B)	**281,582,771**	**212,094,281**

Neetika
Director (Off.)
Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
लेखा एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-9
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2024

Income and Expenditure Account

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
Balance as on 01.04.2023	-	-
Less:- Met from NID's own Income	-	-
Add: Current year's deficit (Plan Recurring)	-	-
Less: Current year's surplus (Non-Plan Recurring)	-	-
Deficit carried over to Balance Sheet	**-**	**-**

Neetika
Director (Off.)
Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-10
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2024
Fees

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
1. Tution Fees	48,554,111	54,329,046
2. Hostel Fees	13,551,057	13,113,658
3. Film Club Fee	53,084	49,590
4. Graduation Project Fee	180,000	165,000
Total	**62,338,252**	**67,657,294**

Neetika
Director (Off.)
Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-11
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2024
Income from Project receipts/Grants (Non Plan) & Expenses from projects (Non Plan)

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024		31.03.2023	
	Project Expenses	Project Receipts	Project Expenses	Project Receipts
Project from M/s UBER India Ltd.	-	-	198,700	198,700
Uniform Design Project From M.P. Govt.	102,985	-	27,500	27,500
MP Text Book Corporation Project	90,492	90,492	349,666	349,666
MP Directorate of Handloom for Fashion Week Project	171,903	21,903	-	150,000
MPDU	223,283	54,790	31,107	199,600
Design Shivir	188,585	188,585		
Faculty Development Programme	15,648	15,648		
ODOP Project Chattarpur MP	-	9,192		
FIPS Project	126,205	126,205		
Total	**919,101**	**506,815**	**606,973**	**925,466**

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-12
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2024

Transfers from Grant & Contributions

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
1. From Central Government Plan Grant for Recurring Exp.	130,746,177	124,213,548
Total	**130,746,177**	**124,213,548**

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-13
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2024
Interest Earned

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
(Other than directly credited to Earmarked Funds)		
A) On Term Deposit		
a. Interest on STDRs	299,470	50,212
Sub-Total A	**299,470**	**50,212**
B) On Saving/Current A/c		-
Sub-Total B	-	-
C) On Loan/Deposit		
a. On Security Deposit/TDS	75,973	59,418
b.		
Sub-Total C	**75,973**	**59,418**
Total of A+B+C	**375,443**	**109,630**

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-14
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2024
Establishment Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2023-24 Total	2022-23 Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses
		R & D	Other	Total		
1. Salary, Wages & Allowances						
a. Salaries and allowances	-	49,201,273	-	49,201,273	49,201,273	39,777,959
b. Leave Travel Concession	-	806,099	-	806,099	806,099	656,534
c. Leave Encashment to Serving Officials	-	36,688	-	36,688	36,688	77,113
d. Leave salary and Pension Contribution	-	-	-	-	-	-
e. Remuneration to Employees on Contract		11,269,694		11,269,694	11,269,694	6,708,233
Sub-Total 1	**-**	**61,313,754**	**-**	**61,313,754**	**61,313,754**	**47,219,839**
2. Provident fund contribution						
a. Contribution to NPS (Employer's Share)	-	5,900,606		5,900,606	5,900,606	5,064,685
Sub-Total 2	**-**	**5,900,606**	**-**	**5,900,606**	**5,900,606**	**5,064,685**
3. Gratuity contribution						
a. Gratuity	-	4,781,562	-	4,781,562	4,781,562	
b. Leave Encashment to Retired Officials	-	226,459	-	226,459	226,459	-
c. Others	-	-	-	-	-	-
Sub-Total 3	**-**	**5,008,021**	**-**	**5,008,021**	**5,008,021**	**-**
4. Medical Reimbursement & Staff welfare						
a. Medical Reimbursement to Serving & Retired Officials	-	1,027,723	-	1,027,723	1,027,723	218,987
b. Others	-	-	-	-	-	-
Sub-Total 4	**-**	**1,027,723**	**-**	**1,027,723**	**1,027,723**	**218,987**
Total (1+2+3+4)	**-**	**73,250,104**	**-**	**73,250,104**	**73,250,104**	**52,503,511**

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-15
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2024
Other Administrative Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2023-24 Total	2022-23 Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses
		R & D	Other	Total		
1. Travelling expenses	175,711	982,063	-	982,063	**1,157,774**	264,258
2. Telephone, Telex, Postage, Internet	576,911	1,487,748	-	1,487,748	**2,064,659**	1,381,209
3. Electricity & Water expenses	2,544,542	9,365,308	-	9,365,308	**11,909,850**	11,955,628
4. Maintenance: Mechanical, IT, Electrical, Electronics, Fuel	3,553,848	6,526,772	-	6,526,772	**10,080,620**	6,889,193
5. Vehicle hiring, maintenance & Operation charges	482,994	964,484	-	964,484	**1,447,478**	1,501,238
6. Material, Supplies, Consumables & Misc. exp. etc	2,990,826	6,496,882	-	6,496,882	**9,487,708**	554,906
7. General Expenses for Satellite Centres	-	-	-	-	-	-
8. Advertisement & Publicity expenses	-	553,116	-	553,116	**553,116**	519,942
9. Welfare, Campus events & Other expenses	147,459	166,747	-	166,747	**314,206**	1,749,883
10. Library, Journals, Periodical, Software Subscriptions etc.	4,062,925	3,432,468	-	3,432,468	**7,495,393**	5,773,930
11. Student Freeship & Development	-	-	-	-	-	-
12. Faculty, Staff HRD, Other Misc. expenses	223,956	375,038	-	375,038	**598,994**	408,988
13. Rates, Taxes, Cesses	-	-	-	-	-	-
14. Repairs & Maintenance Campus Buildings	205,337	3,840,698	-	3,840,698	**4,046,035**	4,527,229
15. Insurance	-	-	-	-	-	-
16. Legal expenses & Professional fees	51,604	145,325	-	145,325	**196,929**	155,508
17. Security, Housekeeping and Horticulture Maintenance	4,655,166	9,054,393	-	9,054,393	**13,709,559**	20,331,774
18. Audit fees	-	94,380	-	94,380	**94,380**	357,315
19. Refreshment & Hospitility Expenses	95,099	162,142	-	162,142	**257,241**	178,670
20. Outsourcing of Contracual Staff/Consultants	3,776,488	7,867,497	-	7,867,497	**11,643,985**	8,829,666
21. Academic & Workshop Contingencies	2,098,209	492,289	-	492,289	**2,590,498**	974,292
22. Guest House Expenses	23,428	20,313	-	20,313	**43,741**	4,711
23. Hiring of Machinery/Equipments	-	-	-	-	-	-
24. Stationery and Printing Expenses	55,994	282,707	-	282,707	**338,701**	268,905
25. Honorarium/TA to Visiting Faculty/Jury	1,510,415	3,508,728	-	3,508,728	**5,019,143**	7,664,183
26. Other Misc. Expenses	68,896	271,060	-	271,060	**339,956**	676,302
27. Prior Period Expenditure		561,351		561,351	**561,351**	
	-	-	-	-	-	-
Total	**27,299,808**	**56,651,509**	**-**	**56,651,509**	**83,951,317**	**74,967,730**

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-16
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2024
Amount Transferred to Reserve or Specific Fund

(Amount in Rupees)

Particulars	2023-24	2022-23
Transferred to NID MP Corpus Fund	38,728,913	68,285,108
Total	**38,728,913**	**68,285,108**

Neetika
Director (Off.)
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-..
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2024

Other Income

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2024	31.03.2023
1. Sale of Product	8,774	80,445
2. Mess/Shops License Fee	680,328	1,758,328
3. Late Fee	288,175	198,824
4. Application fee	88,500	156,000
5. Misc Income	1,816,971	1,266,383
Total	**2,882,748**	**3,459,980**

Director (Off.)
Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

Oustanding Bills as on March 2024

Under Schedule 15	Outstanding Bills as on 31.03.2023 paid in April 2023		Outstanding Bills as on 31.03.2024 paid/tobe paid in April 2024 (STUDENT A/C)	Outstanding Bills as on 31.03.2024 paid/tobe paid in April 2024 (GRANT A/C)	TOTAL Outstanding Bills as on 31.03.2024 paid/tobe paid in April 2024		Difference
1. Travelling expenses	67390		46586	1145	47731		-19659
2. Telephone, Telex, Postage, Internet	525377			18874	18874		-506503
3. Electricity & Water expenses	782225		766138	0	766138		-16087
4. Maintenance: Mechanical, IT, Electrical, Electronics, Fuel	526162		224793	20355	245148		-281014
5. Vehicle maintenance & Operation charges	302973		54450	0	54450		-248523
6. Material, Supplies Consumables & Misc. exp. etc	0		32454	0	32454		32454
7. General Expenses for Satellite Centres			0	0	0		0
8. Advertisement & Publicity expenses			0	0	0		0
9. Welfare, Campus events & Other expenses	106666		83060	20536	103586		-3080
10. Library, Journals, Periodical, Exhibition, Subscriptions etc.	569501		0	0	0		-569501
11. Student Freeship & Development			0	0	0		0
12. Faculty, Staff HRD, Other Misc. expenses			7386		7386		7386
13. Rates, Taxes, Cesses			0		0		0
14. Repairs & Maintenance	1200243		245562	1286395	1531957		331714
15. Insurance					0		0
16. Legal expenses & Professional fees					0		0
17. Security, Housekeeping and Horticulture Maintenance	3110731			1767897	1767897		-1342834
18. Audit fees					0		0
19. Refreshment & Hospitility Expenses	8085		950		950		-7135
20. Outsourcing of Contracual Staff/Consultants	2227487			889659	889659		-1337828
21. Academic & Workshop Contingencies	53760		172237	79561	251798		198038
22. Guest House Expenses	0				0		0
23. Hiring of Machinery/Equipments	0				0		0
24. Stationery and Printing Expenses	0		23237	22512	45749		45749
25. Honorarium/TA to Visiting Faculty/Jury	883669		27000	108650	135650		-748019
26. Other Misc. Expenses	78769			7961	7961		-70808
					0		
	10443038	0	1683843	4223545	5907388		-4535650
. Other Misc. Expenses (Sch 11)	26107				0		
	10469145				5907388		

Oustanding Bills as on March 2024	Mar-23				Mar-24		Difference
Under Schedule 14							
Salary & Allowances	0				706603		706603
Medical Reimbursement	62999				16937		-46062
Salary to Contractual Staff	0						0
LTC	33115				9134		-23981
	96114				**732674**		**636560**
	10565259				**6640062**		**-3899090**
	10565259						
Fixed Assets Sch 6 Equipment	56641						-56641
WIP					398914		398914
	10621900				**7038976**		**342273**

Advance Payment as on March 2024
Under Schedule 15 and Sch 8

		Advance as on March 2023	Advance as on March 2024 (Student Fee A/c)	Advance as on March 2024		Difference		Closing Stoct as on March 2023	Closing Stoct as on March 2024	Difference
1. Travelling expenses		10590	81334	49000		119744			0	
2. Telephone, Telex, Postage, Internet		486908		486908		0			0	0
3. Electricity & Water expenses						0			0	0
4. Maintenance: Mechanical, IT, Electrical, Electronics, Fuel		3867972		2942408		-925564			0	0
5. Vehicle maintenance & Operation charges						0			0	0
6. Material, Supplies Consumables & Misc. exp. etc		299342	55924	0		-243418		800280	678286	121994
7. General Expenses for Satellite Centres						0			0	0
8. Advertisement & Publicity expenses						0			0	0
9. Welfare, Campus events & Other expenses						0			0	0
10. Library, Journals, Periodical, Exhibition, Subscriptions etc.						0			0	0
11. Student Freeship & Development						0			0	0
12. Faculty, Staff HRD, Other Misc. expenses		114900		35000		-79900			0	0
13. Rates, Taxes, Cesses						0			0	0
14. Repairs & Maintenance		1800869		4747518		2946649		456492	522254	-65762
15. Insurance						0			0	0
16. Legal expenses & Professional fees						0			0	0
17. Security, Housekeeping and Horticulture Maintenance						0			0	0
18. Audit fees						0			0	0
19. Refreshment & Hospitility Expenses						0			0	0
20. Outsourcing of Contracual Staff/Consultants						0			0	0
21. Academic & Workshop Contingencies						0			0	0
22. Guest House Expenses						0			0	0
23. Hiring of Machinery/Equipments						0			0	0
24. Stationery and Printing Expenses						0		209530	246393	-36863
25. Honorarium/TA to Visiting Faculty/Jury						0			0	0
26. Other Misc. Expenses		0				0		68404	0	68404
						0			0	0
Advance under Sponsored Projects		518820		80427		-438393			0	0
						0			0	0
		7099501	137258	8341261		-1379018		1534706	1446933	87773
				8478519		1379018				

Advance Payment as on March 2024
Under Schedule 6 and 8

		Mar-22		Mar-23		Difference				
1. Computer and Peripherals		0		0		0				
		0								0

Advance Payment as on March 2024 (GIA-Salary)
Under Schedule 14 and 8

		Mar-23		Mar-24		Difference				
1. LTC		0		68000		-68000				
		0				-68000				0

Pending Bills for Imprest as on March 2024
Under Schedule 15 and 8

	Total Imprest	Mar-24 Bills		Cash		Difference Total				
1. I/C Hospitality	5000	0		5000		5000				
AAO Academics	5000	0		5000		5000				
I/c Pantry	15000	1734		13266		0				
I/c Hostel	5000	0		5000		5000				
CAO	25000	0		25000		25000				
Estate Office	25000	0		25000		25000				
AO	10000	0		10000		10000				
Total	90000	1734		88266	0	75000				

List of Prepaid Expenditure for the Financial Year 2023-24

		License from	License To	License Fee	Duration in 2023-24	Duration in 2024-25	License Fee for 2023-24	Prepaid License Fee during 2024-25	Total
M/s SW systems	for Annual License of Sketch Studio Software	27.07.2023	26.07.2024	5300	249	117	3606	1694	5300
M/s Smartfish Design	SSL Certificate for Website	12.01.204	11.01.205	14160	79	287	3056	11104	14160
M/s Smartfish Designs	for Website space	12.06.2023	12.06.2024	23600	293	73	18893	4707	23600
									0
M/s Target Computer for	S/o quickheal Antivirus	30.09.2023	18.02.2026	38745			0	38745	38745
									0
M/s VSN Internation	for MS Office 365 Suite	12.12.2023	11.12.2024	164960	111	255	50029	114931	164960
									0
M/s Refread	for Subscription of eLibrary Services	1.12.2023	30.11.2024	94400	4	8	31467	62933	94400
									0
M/s Techior Solutions	S/o License of Test paper Software	12.01.2024	12.01.2025	24990	80	286	5462	19528	24990
M/s Wetwork IE Infosystem	Renewal of CISCO WebEx License	16.01.2024	15.01.2025	82010	76	290	17029	64981	82010
M/s Digisoft, Newdelhi	for google Workspace software	21.02.2024	20.02.2025	67968	40	326	7428	60540	67968
M/s Altudo Consultancy	for Annual License of Miro Board Software	05.07.2023	04.07.2024	722603	271	95	535042	187561	722603
M/s T M Solutech Private ltd	for Renewal of Adobe ELTA Creative License	13.10.2023	12.10.2024	1311533	171	195	612765	698768	1311533
									0
									0
									0
									0
									0
									0
				2550269			1284777	1265492	2550269

SCHEDULE-17
[See sub-rule 1 of rule 4]
NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN, MADHYA PRADESH
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet and Income and Expenditure account for the year ended March 31, 2024

Notes Forming Part of Accounts

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES:

a. BASIS FOR PREPARATION Of ACCOUNTS:

The Annual Statement of Accounts and Balance sheet of the Institute are prepared based on the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Forms of Annual Statement of Accounts) Rules 2020 notified by the DPIIT, Ministry of Commerce & Industry, Government of India vide Gazette notification no. G.S.R. 822 (E) dated 30.12.2020.

b. ACCOUNTING CONVENTION:

The Financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting except for liability towards privileged leave.

c. INVESTMENTS:

Long Term Investments are stated at cost.

d. FIXED ASSETS:

Fixed Assets are stated at the Cost. The cost includes invoice value, freight, octroi, and other incidental expenses relating acquisition.

e. GOVERNMENT GRANTS:

(i) Government grants are accounted on the basis of sanction from Government Department.

(ii) Government grant to the extent utilized towards capital expenditure, are transferred to the Capital Fund.

(iii) Government grants for meeting Revenue expenditure are treated as income of the year to the extent of expenditure incurred.

(iv) Un-Utilized grants are carried forward and exhibited as a Liability in the balance Sheet.

f. DEPRECIATION:

(i) **RATE OF DEPRECIATION**

Depreciation is calculated on Straight Line Method at the following rates, as adopted by the National Institute of Design, Ahmedabad.

Item	Rate (%)
Building	2.50
Machinery, Equipment & Tools	10.00
Furniture & Fixtures	10.00
Computers & Peripherals	20.00
Vehicles	20.00
Library Books	10.00

(ii) Depreciation on addition has been provided for the full year irrespective of date of acquisition.

(iii) An amount from Capital Fund account was transferred to Income and Expenditure account to the extent of depreciation provided on assets acquired out of capital grant.

(iv) Depreciation is not provided for assets sold during the year.

g. FOREIGN CURRENCY TRANSACTION:

Transactions denominated in foreign currency are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of the transaction. The bank balance held in foreign currency is converted into Rupee at RBI rate prevailing on the closing day of the financial year.

h. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES:

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

i. INCOME TAX:

The income of the Institute is exempt under the Income-tax Act 1961. No provision for Income Tax is therefore made in the accounts.

j. RETIREMENT/TERMINAL BENEFIT

Terminal leave encashment benefit to the employees is accounted for on a cash basis. Gratuity is charged to Income & Expenditure A/c on the basis valuation of liability and the same is shown as provision under the sch 5 "Current Liabilities".

k. Revenue Income

(i) Various fees, except "student activity fee" and "Mess charges", received from Students, are treated as income for the year.

(ii) The balance of "Student Activity fee" and "Mess Charges" is treated as current liability for the year.

(iii) Interest on STDR is on accrual basis for the year.

(iv) The revenue utilized towards the recurring expenditure, if any, incurred during the year has been shown at Sch 14 & 15 under the column "Non-Plan recurring expenditure".

I. CORPUS FUND

NID MP Corpus fund has been credited with the excess of revenue earned over and above the expenditure. The portion of expenditure, if any, over and above the Govt. Grant (recurring) is incurred from the revenue earned and difference, if any, has been transferred to Corpus Fund as shown in Sch 2 through Sch 16.

2. Contingent Liability for the year is ₹ NIL (Previous year ₹ 4,69,87,150/-).

3. Estimated amount of contract remaining to be executed on capital account and not provided for ₹ NIL/- (Previous year ₹ NIL/-) for construction of additional infrastructure.

4. Estimated amount of contract remaining to be executed on Revenue account and not provided for ₹ NIL/- (Previous year ₹ 9,50,779/-) for Annual Repair & Maintenance contract of Campus with CPWD.

5. The matching amount of actual project expenditure for the ongoing projects has been taken as project income under Sch 11 "Income from Project receipts/Grants (Non Plan) & Expenses from projects (Non Plan)" to give true and fair view of the Balance sheet and Income & Expenditure account for the year.

6. The 'Other Administrative Expenditure' for the year includes an amount of Rs 5,61,351/- (approx.) relating to the housekeeping services for the month of March 2023 and not provisioned for in the accounts for the year 2022-23 as reported upon through the Management letter dated 05.03.2024.

7. The Refund of Capital Advance has been adjusted from 'Capital fund' (Sch 1).

8. Deficit for the year 2022-23 of ₹ Nil/- (For the previous year 2021-22 ₹ NIL) has been debited to misc. expenses, as there is no specific govt. grant received for the same during the year.

9. Corresponding figures for the previous year have been re-grouped/rearranged wherever necessary.

10. Figures in the Final accounts have been rounded off to the nearest rupee.

11. New minor/sub head under various schedules have been included for better presentation of the Schedules and Annual Account.

12. Annexures to the Schedules have been attached for better understanding of the concerned schedules.

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

Neetika

Director (Off.)

Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

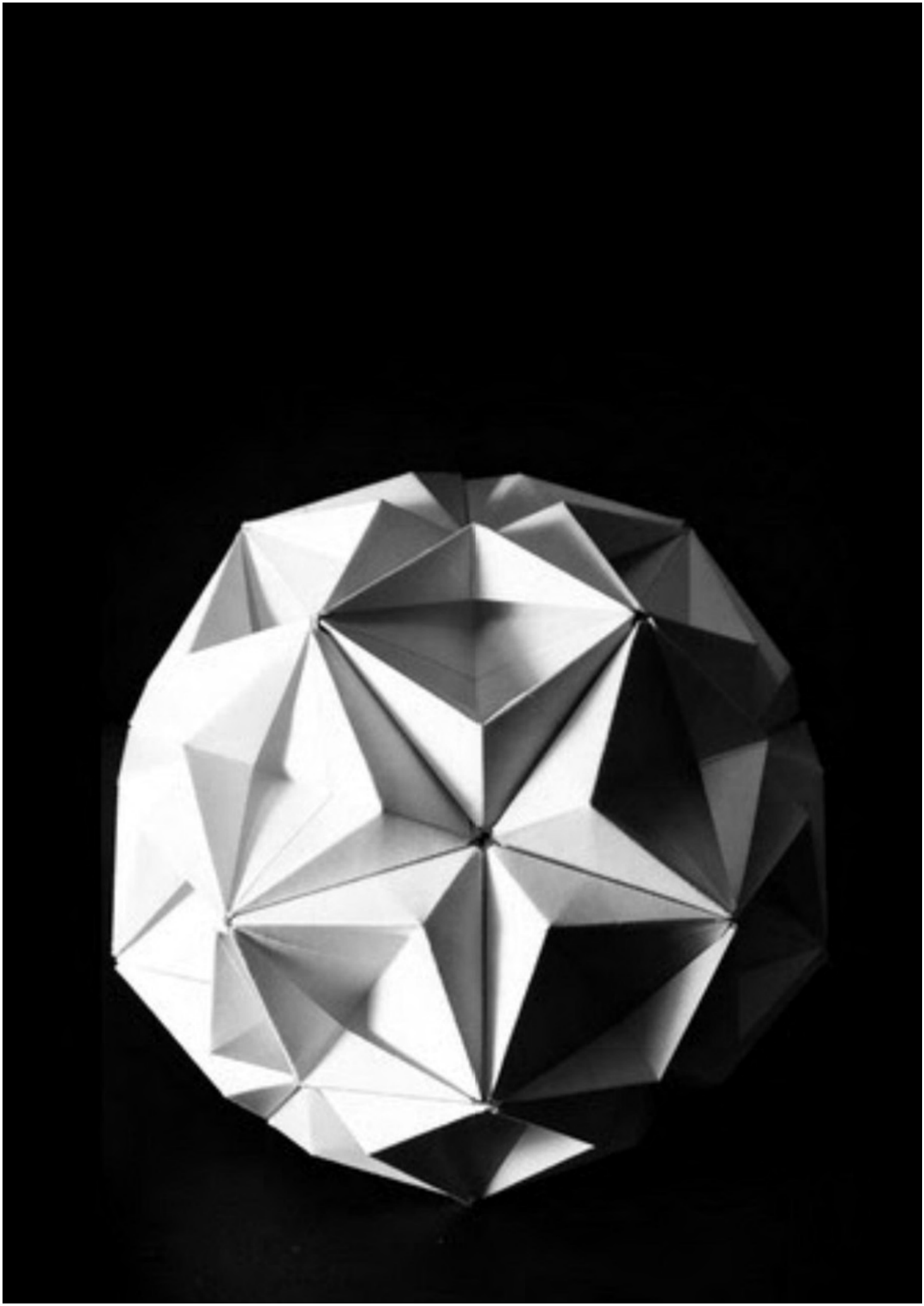

May the seed sown here
bear the fruits of
humaneness.
welcome

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

National Institute of Design Madhya Pradesh
Acharpura, Eint Khedi, Post Arwaliya,
Bhopal (MP) □ 462038

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

Designed By:- **Sun N Shine Printing press**